राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 3 दिन में कैसे भी पूरा करें काम, दिल्ली में अधूरी तैयारियां देख.....

इमरान खन को अभी नहीं मिली राहत, पाक अदालत ने तोशाखना मामले..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 105 | नई दिल्ली, शनिवार, 26 अगस्त, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

चंद्रयान-3 : इसरो ने 'प्रज्ञान' रोवर के लैंडर से उतरकर चंद्रमा की सतह पर चलने का वीडियो जारी किया

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 मिशन के रोवर 'प्रज्ञान' के लैंडर 'विक्रम' से बाहर निकलने और इसके चंद्रमा की सतह पर चलने का एक शानदार वीडियो शुक्रवार को जारी किया। यह वीडियो लैंडर के इमेजर कैमरे ने बनाया है। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह वीडियो साझा करते हुए संदेश लिखा, '' और चंद्रयान-3 का रोवर, लैंडर से निकलकर इस तरह चंद्रमा की सतह पर चला।'' भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने चंद्रयान-3 के लैंडर के चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने के बाद चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरा (ओएचआरसी) से ली गई उसकी तस्वीर भी जारी की। इसरो ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, '' चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने चंद्रयान-3 लैंडर की तस्वीरें लीं। चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर हाई-रेजोल्यूशन कैमरा (ओएचआरसी) चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे वर्तमान में मौजूद सभी कैमरों की अपेक्षा में सर्वश्रेष्ठ

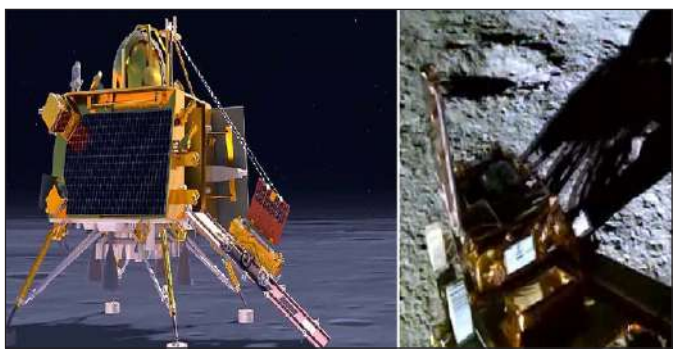

रेजोल्यूशन वाला कैमरा है। इसने 23 अगस्त 2023 को चांद की सतह पर उतरे चंद्रयान-3 लैंडर को कैमरे में कैद किया।'' चंद्रयान-2 ऑर्बिटर को 2019 में प्रक्षेपित किया गया था। यह अब भी चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगा रहा है। 'प्रज्ञान' के साथ 'विक्रम' बुधवार को अपने मकसद के लिए निर्धारित ''क्षेत्र के भीतर'' चंद्रमा की सतह पर उतरा था। चंद्रमा की सतह पर उतरने के कुछ घंटों बाद 26 किलोग्राम वजनी छह पहियों वाला रोवर, लैंडर से बाहर निकला। इसरो ने बृहस्पतिवार शाम कहा था, ''सभी गतिविधियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी हैं। सभी प्रणालियां सामान्य हैं। लैंडर मॉड्यूल में मौजूद इल्सा ('इंस्ट्रूमेंट फॉर लूनर सीस्मिक एक्टिविटी'), रंभा (रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयनोस्फियर एंड एटमॉस्फियर) और चेस्ट आज चालू हो गए। रोवर ने चलना शुरू कर दिया है। 'प्रोपल्शन मॉड्यूल' में मौजूद 'शेप' (स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लैनेट अर्थ) पेलोड का संचालन रविवार को शुरू हो गया था।'' भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल की 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने में सफलता हासिल की। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का पहला देश तथा चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,080
चांदी	75,100
सेंसेक्स	65,953
निफ्टी	19,597

संक्षिप्त खबरें

भारत ने किया चीन के दावे का खंडन

भारत ने चीन के दावे का खंडन किया है। सूत्रों का कहना है कि चीन की ओर से भारतीय पक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक का अनुरोध लंबित था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान लीडर्स लाउंज में अनौपचारिक बातचीत की थी। उल्लेखनीय है कि चीन के विदेश मंत्रालय ने दावा किया था कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 23 अगस्त को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के अनुरोध पर उनसे बात की। इस दौरान शी ने कहा कि दोनों पक्षों को अपने द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को ठीक से संभालना चाहिए ताकि संयुक्त रूप से सीमा क्षेत्र में शांति की रक्षा की जा सके। वहीं, कल विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने मोदी- जिनपिंग मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा था कि दोनों नेताओं के बीच सीमा पर तनाव कम करने पर सहमति बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिनपिंग के सामने एलएसी के पश्चिमी सेक्टर में विवाद वाले मुद्दों पर भारत की चिंता को रेखांकित किया। यह भी साफ कर दिया कि संबंध सामान्य बनाने के लिए एलएसी का सम्मान व शांति जरूरी है।

मोदी-शी के बीच वार्ता की पहल को लेकर भारत-चीन की अलग-अलग राय सामने आई

नई दिल्ली, एजेंसी

जोहानिसबर्ग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बातचीत के दो दिन बाद भारत और चीन ने शुक्रवार को इस बारे में अलग-अलग राय रखी कि किस पक्ष ने बातचीत की पहल की। हालांकि भारतीय सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक के लिए चीन का अनुरोध लंबित है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन से इतर बुधवार को बातचीत की थी। यह बातचीत एक व्यवस्थित द्विपक्षीय बैठक नहीं थी, बल्कि एक अनौपचारिक बैठक थी। चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा मोदी-शी की बातचीत पर एक बयान जारी किए जाने के कुछ घंटों बाद भारतीय पक्ष के सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक के लिए चीनी पक्ष की ओर से एक अनुरोध लंबित था। चीन के बयान में कहा गया था कि यह भारतीय पक्ष के अनुरोध पर आयोजित की गई थी। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, ''हालांकि, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने 'लीडर्स लाउंज' में अनौपचारिक बातचीत की थी।'' चीन की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ''राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 23 अगस्त को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुरोध पर उनसे बात की।'' इसमें कहा गया है कि मोदी के साथ बातचीत में शी

ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार से साझा हित सधते हैं और यह विश्व एवं क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता के अनुकूल है। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान शी चिनफिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 'अनसुलझे' मुद्दों के संबंध में भारत की चिंताओं से अवगत कराया। क्वात्रा के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। चीनी ब्योरे में दोनों नेताओं के बीच बुधवार को हुई बातचीत को ''स्पष्ट और गहन'' बताया गया। बीजिंग के बयान में कहा गया, ''(चीन के) राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अगस्त को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य मामलों पर विचारों का स्पष्ट एवं गहन आदान-प्रदान किया।'' इसमें कहा गया, ''राष्ट्रपति शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार दोनों देशों और लोगों के साझा हितों को पूरा करता है और क्षेत्र एवं दुनिया की शांति, स्थिरता और विकास के लिए भी सहायक है।'' नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए ताकि सीमा क्षेत्र में शांति की संयुक्त रूप से रक्षा की जा सके। जोहानिसबर्ग में बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में क्वात्रा ने कहा था कि मोदी और शी अपने-अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों के शीघ्र पीछे हटने और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से इतर समूह के नेताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर शी से बातचीत की और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करने की महत्ता के साथ ही भारत की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। विदेश सचिव ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अन्य ब्रिक्स नेताओं से बातचीत की। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं का उल्लेख किया।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामंजस्य बनाए रखना तथा एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है।'' क्वात्रा ने कहा, ''इस संबंध में दोनों नेता अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए।'' भारत सरकार पूर्वी लद्दाख क्षेत्र को पश्चिमी सेक्टर कहती है। पिछले साल नवंबर में बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर संक्षिप्त मुलाकात के बाद सार्वजनिक रूप से मोदी और चिनफिंग की यह पहली बातचीत थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो द्वारा 16 नवंबर को आयोजित औपचारिक रात्रिभोज में दोनों नेताओं ने संक्षिप्त मुलाकात की थी। मई, 2020 में शुरू हुए पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कुछ स्थानों पर तीन साल से अधिक समय से तनाव कायम है जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई इलाकों से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। भारत लगातार कहता रहा है कि समग्र संबंधों को सामान्य बनाने के लिए एलएसी पर शांति महत्वपूर्ण है।

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान लुटियंस दिल्ली में बसों की आवाजाही रहेगी बंद, मेट्रो का इस्तेमाल करें: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली यातायात पुलिस ने दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान लोगों को लुटियंस दिल्ली में आवाजाही के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करने की शुक्रवार को सलाह दी। सम्मेलन के मद्देनजर इस इलाके में बसों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। प्रतिबंध का यह आदेश सात सितंबर की मध्यरात्रि से 10 सितंबर की मध्यरात्रि तक लागू रहेगा। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त एस एस यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस की वेबसाइट पर एक वर्चुअल हेल्पडेस्क की शुरूआत की जाएगी जिसमें उपलब्ध यातायात और स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचीबद्ध किया जाएगा। उन्होंने कहा, एंबुलेंस या आवश्यक सेवाओं की आवाजाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, नई दिल्ली क्षेत्र में बसों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा लेकिन दिल्ली मेट्रो पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। जनता को सलाह दी जाती है कि वे अपने गंतव्य तक आने-जाने के लिए मेट्रो का उपयोग करें। नई दिल्ली में यातायात पुलिस उपायुक्त आलाप पटेल ने बताया कि लुटियंस दिल्ली में रहने वाले या जिन पर्यटकों की होटलों में बुकिंग है, वे ऑटो रिक्शा और टैक्सियों से यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली हवाईअड्डे से लुटियंस दिल्ली आ रहे लोगों को पहचान पत्रों के उचित सत्यापन के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि अंतरराज्यीय बसों को जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी लेकिन उनका अंतिम ठहराव अंतर-राज्यीय बस अड्डे पर नहीं होगा। पटेल ने कहा, एंबुलेंस सहायता सेवा के लिए लोग 6828400604 पर कॉल कर सकते हैं। यह सेवा सात सितंबर की रात से शुरू की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, राजधानी के प्रगति मैदान के अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में नौ और 10 सितंबर को आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान शहर में निर्बाध यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 10,000 पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे।

भारत, यूनान आपसी सम्बन्धों को रणनीतिक भागीदारी का रूप देंगे: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक-दिवसीय यूनान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय सम्बन्धों को रणनीतिक भागीदारी के स्तर पर ले जाने का निर्णय किया है और रक्षा, उत्पादन तथा आतंकवाद और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के निश्चय के साथ 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। श्री मोदी ने यहां प्रधानमंत्री किरियाकोस मिचोताकिस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, प्रधानमंत्री किरियाकोस मिचोताकिस और मैंने आज भारत-यूनान भागीदारी को रणनीतिक भागीदारी के स्तर पर ले जाने का निर्णय किया है। श्री मोदी दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद, आज ही यहां आए। वह प्रधानमंत्री श्री मिचोताकिस के निमंत्रण पर एथेंस की यात्रा पर हैं। वर्ष 1983 के बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री पहली बार यूनान की यात्रा पर आया है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और यूनान ने अवसंरचना, कृषि, शिक्षा नई एवं उभरती प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाकर अपनी रणनीतिक भागीदारी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने भारत और यूनान रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ रक्षा उद्योग के क्षेत्र में भी परस्पर सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। श्री मोदी ने कहा, भारत, यूनान क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर एक-दूसरे की भावनाओं को समझते हैं और आदर करते हैं। उन्होंने बताया कि यूनान के प्रधानमंत्री के साथ उनकी बातचीत में आतंकवाद और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुयी है। सुबह एथेंस पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्होंने ह्यअज्ञात सैनिकों के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने मेजबान प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में भाग लिया। दोनों प्रधानमंत्री आज ही दिन में दोनों देशों के व्यवसायियों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे हैं।

राज्यसभा के सभापति के रूप में मैं व्यवधान देखता हूं, संवाद नहीं: धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को अफसोस जताया कि न्यायपालिका और कार्यपालिका बेहतरी के लिए जरूरत से ज्यादा काम कर रही हैं, लेकिन विधायिका में स्थिति 'निराशाजनक' है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में लोगों को राजनीति करने के सभी अधिकार हैं, लेकिन जब देश के विकास की बात आती है, तो नेताओं को पार्टी के बंधनों से ऊपर उठना चाहिए। धनखड़ ने यहां नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान के 25वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत की न्याय प्रणाली बहुत मजबूत है और सर्वश्रेष्ठ स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कार्यपालिका बेहतर काम करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। उन्होंने कहा, ''लेकिन जब विधायिका आपके

प्रतिनिधियों की बात आती है, तो परिदृश्य निराशाजनक होता है। राज्यसभा के सभापति के रूप में, मैं बहस, संवाद, चर्चा नहीं देखता हूं। मैं व्यवधान, अशांति देख रहा हूं।'' उन्होंने छात्रों से कहा कि उन्हें एक ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां जो लोग काम करते हैं, जो अपने काम को सही साबित करते हैं, जो संवैधानिक उम्मीदों पर खरे उतरते हैं, उनकी सराहना हो। उन्होंने कहा कि लोगों को उन लोगों के खिलाफ बोलना होगा, जो अपने जनादेश को पूरा करने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब उच्चतम न्यायालय और कार्यपालिका नतीजे दे रही है, तो विधायिका को क्यों विफल होना चाहिए। शासन के मुद्दे का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की सत्ता के गलियारे कभी सत्ता के दलालों और बिचौलियों से भरे हुए थे। उन्होंने कहा, ''सत्ता के उन गलियारों को साफ किया गया है। सत्ता के दलालों की संस्था मर चुकी है, यह कभी पुनर्जीवित नहीं हो सकती।'' धनखड़ ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही शासन की पहचान है। उन्होंने कहा, ''यह सब एक अच्छे कारण से हो रहा है॥ भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं है।'' कुछ विपक्षी नेताओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी पर कानून के उल्लंघन, भ्रष्टाचार या अपराध के लिए मामला दर्ज किया जाता है, तो क्या उन्हें सड़कों पर उतरना चाहिए या अदालत जाना चाहिए।

आयुष्मान आयुष्मान लोगों को उनके घर के पास व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराता है.....

बंगाल सरकार को जनहित में आयुष्मान को जमीनी स्तर पर लागू करना चाहिए: मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को जनहित में केंद्रीय चिकित्सा बीमा योजना एबी-पीएमजेएवाई को जमीनी स्तर पर लागू करना चाहिए।

अपनी पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान मांडविया ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के सभी नागरिकों को गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) समेत राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, ''राज्य

सरकार को पश्चिम बंगाल के लोगों के हित में जमीनी स्तर पर एबी-पीएमजेएवाई स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता उच्चतम स्तर की रहे।'' अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों, राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत जारी धन की स्थिति, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम), टेलीमेडिसिन सेवा, चिकित्सा शिक्षा और 'सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन' कार्यक्रम की समीक्षा की। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, ''आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र लोगों को उनके घर के पास व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिहाज से एक बड़ी पहल है।'' मांडविया ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पश्चिम बंगाल में 288.72 करोड़ रुपये की लागत से 800 उप-केंद्रों को मंजूरी दी गई है। 10 करोड़ रुपये की लागत से दो शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 27.75 करोड़ रुपये की लागत से 37 नये शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 404 आयुष्मान भारत शहरी स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को मंजूरी दी गई है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार 2025 तक देश से तपेदिक का उन्मूलन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

साथ ही उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जारी धन के प्रभावी इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मांडविया ने कहा कि 15वें वित्त आयोग के तहत राज्य में 180.12 करोड़ रुपये की लागत से 223 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों और 290 करोड़ रुपये की लागत से 719 उप-केंद्रों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में 10,358 आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र संचालित हो रहे हैं।

मुर्मु ने दादी प्रकाशमणि की स्मृति में डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक गैर-सरकारी संगठन ब्रह्माकुमारीज की पूर्व प्रमुख दादी प्रकाशमणि की स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया और लोगों से जनकल्याण की भावना से काम करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति सचिवालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह डाक टिकट दादी प्रकाशमणि की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर संचार मंत्रालय के डाक विभाग की माई स्टैम्प पहल के तहत निकाला गया है। इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दादी प्रकाशमणि ने आध्यात्मिकता के माध्यम से भारतीय मूल्यों और संस्कृति को भारत और विदेशों में फैलाया। उनके नेतृत्व में, ब्रह्माकुमारीज दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाला सबसे बड़ा आध्यात्मिक संगठन बन गया। एक सच्चे नेता की तरह, वह चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी विश्वास और साहस के साथ ब्रह्माकुमारीज परिवार के साथ खड़ी रहीं और हमेशा उनका मार्गदर्शन किया। राष्ट्रपति ने कहा, किसी भी व्यक्ति को उसके कर्मों के कारण ही याद किया जाता है और इस

लिए हर व्यक्ति को लोक कल्याण की भावना से नेक कार्य करना चाहिए। दादी प्रकाशमणि भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आध्यात्मिक और मिलनसार व्यक्तित्व और मानव कल्याण के उनके संदेश की यादें हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। इस अवसर पर उन्होंने बुधवार को भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का उल्लेख भी किया और कहा, हम सभी ने भारत के वैज्ञानिकों की अभूतपूर्व सफलता देखी है। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि चंद्रयान-3 मिशन के जरिए चंद्रमा की सतह से नई जानकारी हासिल होगी जिससे पूरी दुनिया को फायदा होगा।

संक्षिप्त समाचार

राम कथा श्रवण मात्र से होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार

ऋषिकेश, एजेंसी। तुलसीमानस मंदिर में श्री रामायण प्रचार समिति की ओर से आयोजित 38वां गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन जगद्गुरु उत्तराखंड पीठाधीश्वर स्वामी कृष्णाचार्य महाराज ने भक्तों को राम कथा का रसपान कराया। उन्होंने कहा कि राम कथा श्रवण मात्र से मनुष्य में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। प्रभु कृपा और भक्ति जीवन का उद्धार हो जाता है। बुधवार को श्री रामायण प्रचार समिति तुलसी मानस मंदिर के अध्यक्ष महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज ने 10 दिवसीय महोत्सव पर चर्चा की। बताया कि महोत्सव में विभिन्न प्रांतों से आए महामंडलेश्वर, महंत, अखिल भारतीय संत समिति विरक्त वैष्णों मंडल और श्रद्धालु ने शिरकत कर गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर विराट संत सम्मेलन आयोजित किया। महोत्सव में समाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों को सम्मानित किया गया। महोत्सव के अंतिम दिन रामयज्ञ हवन में पूर्णाहुति देकर महोत्सव का समापन किया गया। इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी दयाराम दास, महामंडलेश्वर स्वामी ईश्वर दास, स्वामी अखंडानंद सरस्वती, स्वामी आलोक हरि, स्वामी छोटन दास, महंत वत्सल प्रपन्नाचार्य, महंत मनोज प्रपन्नाचार्य, जगदीश प्रपन्नाचार्य, महंत हग्रीवाचार्य, महंत हरि नारायणचार्य, आचार्य सतीश घिल्डियाल, चंद्रवीर पोखरियाल, हर्षवर्धन शर्मा, अशोक कुमार अरोड़ा, महेश गुप्ता, अभिषेक शर्मा, रामचंद्र, रमाकांत भारद्वाज, अभिषेक शर्मा आदि शामिल रहे।

एसआरएचयू का एक और अविष्कार, भारत सरकार से मिला पेटेंट

ऋषिकेश, एजेंसी। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) के वैज्ञानिकों ने पैट्री डिश पर सैंपल में मौजूद सूक्ष्म जीव के फैलाव के लिए उपकरण का अविष्कार किया है। इससे किसी भी शोध और जांच के लिए एकत्रित किए गए सैंपल की रिपोर्ट पहले से सटीक आएगी। भारत सरकार ने इस अविष्कार का पेटेंट एसआरएचयू के नाम दर्ज किया है। एसआरएचयू के कुलाधिपति डॉ. विजय धस्माना ने कहा कि शोध और अविष्कार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने यह नई कामयाबी है। अविष्कार से जुड़े वैज्ञानिक डॉ. सीएस नौटियाल और डॉ. विवेक कुमार को बधाई दी है। कहा कि अविष्कार मानव जाति के लिए उपयोगी साबित होगा। विवि की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में कई नए आविष्कारों पर महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं। जल्द ही कुछ और खोजों में कामयाबी मिलने की उम्मीद है। वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. सीएस नौटियाल ने कहा कि सैंपल कई तरह के हो सकते हैं। इसमें स्वास्थ्य जांच के लिए लिया गया सैंपल, वनस्पति विज्ञान से संबंधित या किसी मिट्टी का भी हो सकता है। जब सैंपल को पैट्री डिश पर एकत्रित किया जाता था, तो उसमें मौजूद सूक्ष्म जीव (बैक्टिरिया) के फैलाव (प्रसार) के लिए जिस परंपरागत उपकरण का उपकरण किया जाता था उससे बैक्टिरिया भी नष्ट हो जाते थे। उस कारण रिपोर्ट बेहद सटीक नहीं आ पाती थी।

डीएम ने घरों की छतों पर चढ़कर देखा जलभराव का हाल

ऋषिकेश, एजेंसी। बुधवार को डीएम ऋषिकेश पहुंची। डीएम ने जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण किया। गंगानगर गली नंबर आठ, नौ और दो नंबर गली का हाल देखा। डीएम ने क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याएं भी सुनीं। स्थानीय लोगों ने जलभराव की समस्या बताई और दिखाई। डीएम ने घरों की छत पर चढ़कर जल भराव की समस्या देखने के बाद अधिकारियों को समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए। आमबाग और पशुलोक विस्थापित कॉलोनी में जलभराव का निरीक्षण भी किया। पशुलोक क्षेत्र की कई गलियां पानी से लबालब भरी हैं। स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। कई घरों में अभी भी पानी भरा है। इस अवसर पर एसडीएम योगेश मेहरा, तहसीलदार चमन सिंह आदि मौजूद रहे।

दुबई से प्राइवेट पार्ट में छिपाकर सोना ला रहा व्यक्ति दून एयरपोर्ट पर पकड़ा

ऋषिकेश, एजेंसी। दुबई से प्राइवेट पार्ट में छिपाकर सोना ला रहे तस्कर को देहरादून एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने पकड़ लिया। उसके पास से आधा किलो सोना मिला है जिसकी कीमत करीब 27 लाख रुपये आंकी जा रही है। एयरपोर्ट पर उतरते ही कस्टम की टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है। दुबई से वाया लखनऊ की फ्लाइट के जरिये दून आ रहे व्यक्ति के बारे में संबंधित एजेंसियों से सुरक्षा अधिकारियों को ई-मेल मिली थी। इसमें एक व्यक्ति के सोना लाए जाने की सूचना दी गई। फ्लाइट के एयरपोर्ट पर लैंड होते ही एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मियों ने उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। जांच में उसके पास से करीब पांच 500 ग्राम सोना मिला। सुरक्षाकर्मियों ने कस्टम अधिकारियों को बुलाकर आरोपी को उनके हवाले कर दिया। कस्टम की टीम ने व्यक्ति को बरेली से आई डायरेक्टर ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) की टीम को सौंप दिया। एयरपोर्ट निदेशक प्रभाकर मिश्रा ने सोना इसकी पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि देहरादून एयरपोर्ट के इंटरनेशनल न होने के कारण तस्कर दुबई से सोना लेकर पहले लखनऊ पहुंचा। वहां से फ्लाइट बदलकर सोमवार शाम देहरादून एयरपोर्ट उतरा। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, उस व्यक्ति ने प्राइवेट पार्ट (गुदा) में सोना छिपा रखा था। देहरादून एयरपोर्ट पर वर्ष 1982 से उड़ानों का संचालन हो रहा है। वर्ष 2006-07 में एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के बाद कई शहरों के लिए नई उड़ानें शुरू हुईं। लेकिन, अभी तक सोने की तस्करी का कोई भी मामला सामने नहीं आया था। यह पहला मामला है जब कोई व्यक्ति सोना तस्करी में पकड़ा गया है।

तीन साल बाद भी पैक मिली थी वेसल सीलिंग मशीन

ऋषिकेश, एजेंसी। चिकित्सा उपकरणों की खरीद की जांच के लिए पहुंची सीबीआई की टीम तब हैरत में रह गई, जब उसे तीन साल पहले खरीदी वेसल सीलिंग मशीन एक अन्य सहायक उपकरण के साथ पैक अवस्था में मिली। जिससे यह भी स्पष्ट हुआ कि खरीद का उद्देश्य फर्म को फायदा पहुंचाने और एम्स को नुकसान पहुंचाने का था। एम्स ऋषिकेश में चिकित्सा उपकरणों की खरीद में गंभीर अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए 31 मार्च को सीबीआई और एससीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की टीम पहुंची थी। आरोप था कि एम्स ऋषिकेश के अधिकारियों ने वर्ष 2019 और 2020 के दौरान उन्नत वेसल सीलिंग उपकरणों की अत्यधिक ऊंची कीमत पर खरीद की। जिससे एम्स ऋषिकेश को नुकसान हुआ और उस फर्म को गलत लाभ हुआ जो कभी भी बोली प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थी। उपकरण की खरीद के लिए एम्स ने 24 अगस्त 2018 को निविदा जारी की थी। निविदा 12 अक्तूबर 2018 को खोली गई थी और निम्नलिखित तीन फर्मों को प्रशासनिक मूल्यांकन के दौरान योग्य पाया गया था। लेकिन बाद में उपकरण ऐसी फर्म से खरीदे गए जिसने बोली प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया था। उपकरण जिस फर्म से खरीदे गए। वह इसके लिए अधिकृत वितरक या डीलर भी नहीं थी। न ही कभी उक्त फर्म ने किसी चिकित्सा संस्थान को ऐसी कोई आपूर्ति की थी। उक्त फर्म केवल दवाओं की ही व्यापार करती थी। इस पूरी खरीददारी में एम्स को करीब छह करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ।

65 करोड़ से दूर होगी शहर के जलभराव की समस्या

हरिद्वार, एजेंसी। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को विकास भवन के सभागार में हरिद्वार नगरीय क्षेत्र में जल भराव की समस्या के संबंध में एक बैठक आयोजित हुई। श्रीमंत वेंकटेश्वर इंटर प्राइजेज एंड फीडबैक लि. पुणे के अधिकारियों ने नगरीय क्षेत्रों में कहां-कहा पर जल भराव की समस्या है के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने कंपनी के अधिकारियों से भगत सिंह चौक, रानीपुर मोड़, ज्वालापुर आदि क्षेत्रों का कितना गाउण्ड लेबलिंग तथा कितना बेड लेबलिंग है के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। भगत सिंह चौक पर जो इधर-उधर का पानी भरता है, उसे हम ज्वालापुर में स्थापित पम्पिंग स्टेशन तक पहुंचाएंगे। जहां से ट्रीटमेंट प्लांट में उसे ट्रीट करके नहर में छोड़ा जाएगा। दूसरे विकल्प के तौर पर फर्म के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि भगत सिंह चौक व रानीपुर मोड़ के आसपास का जितना भी पानी इकट्ठा होता है, उसे साइफन विधि से गंग नहर को क्रॉस करके वर्तमान सिल्ट इजेक्टर वाली नहर में छोड़ दिया जाएगा।

वल्मरा-सराईखेत सड़क तीन दिन से बंद

स्याल्दे, एजेंसी। स्याल्दे विकासखंड को जोड़ने वाली वल्मरा-सराईखेत सड़क पर गिरा मलबा तीन दिन बाद भी नहीं हटाया जा सका है। वहां यातायात बंद होने के कारण इस सड़क से जुड़े 25 से अधिक गावों की 10,000 से अधिक की आबादी परेशान है। सड़क के शीघ्र न खुलने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। मलबा आने से ग्रामीण तहसील और ब्लॉक मुख्यालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कुछ दोपहिया वाहन चालक जान जोखिम में डालकर मलबे से पटी सड़क पर वाहन चला रहे हैं। कुछ यात्री दूसरे रूट के चौपहिया वाहन की मदद से गंतव्य तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों ने जल्द सड़क से मलबा नहीं हटाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं पीएमजीएसवाई खंड के जेई प्रदीप नौटियाल का कहना है कि सड़क से मलबा हटाने के लिए जेसीबी लगा दी गई। उन्होंने दावा किया कि बंद सड़क को यातायात के लिए शीघ्र खोल दिया जाएगा। मटेना, जिनखोला, बंड गांव को जोड़ने वाली पुलिया जर्जर हो चुकी है। इसके पटाल खराब होने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। इस पुलिया के पटाल बहुत पुराने हो गए हैं। कई पटाल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस कारण पुलिया पार करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मटेना, जिनखोला, बंड, स्यालटीट के ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया की मरम्मत कराने के लिए शासन, प्रशासन को कई पत्र भेजे गए। इसके बावजूद पुलिया की मरम्मत नहीं की जा सकी। बीसूका के पूर्व जिला उपाध्यक्ष भुवन पाठक, मटेना गांव निवासी लोकेश तिवारी, जिनखोला के हीरा बोरा आदि ग्रामीणों ने बताया कि पीएमजीएसवाई खंड ने चक्रवृतेश्वर पैदल पुलिया से दस मीटर दूर एक मोटर पुल बनाया है। उन्होंने पुरानी पुलिया सुधारकर नए मोटर पुल को यातायात के लिए शीघ्र खोलने की मांग की है।

रिटायर्ड एएसआई की संदिग्ध हालात में मौत

रामनगर, एजेंसी। दिल्ली पुलिस से एएसआई के पद से रिटायर्ड बुजुर्ग की बाथरूम में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुजुर्ग अपनी पत्नी के साथ रहते थे। पीरूमदारा चौकी प्रभारी राजेश जोशी ने बताया कि बेनी विहार द्वितीय में भोपाल सिंह बिष्ट (68) पुत्र रूप सिंह पत्नी हीरा देवी के साथ रहते थे। भोपाल सिंह दिल्ली पुलिस से एएसआई से रिटायर हुए थे। दो पुत्रों में पहला प्रेम सिंह दिल्ली पुलिस और दूसरा पुत्र सीआरपीएफ में जम्मू में तैनात है। दोनों बेटे विवाहित हैं और दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहते हैं।

खुलेगा राज्य का पहला वृद्धजन क्लीनिक

रुद्रपुर, एजेंसी। बुजुर्ग मरीजों की विशेष देखभाल और इलाज के लिए रुद्रपुर में राज्य का पहला वृद्धजन क्लीनिक खुलने जा रहा है। यह क्लीनिक रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज के ओपीडी ब्लॉक में खुलेगा। राष्ट्रीय वृद्धजन देखभाल कार्यक्रम के तहत खुलने जा रहे इस क्लीनिक में बुजुर्ग मरीजों के लिए दो घंटे अलग से ओपीडी चलेगी। बुजुर्ग मरीजों को भर्ती करने के लिए 10 बेड का वार्ड भी तैयार हो गया है।

आरोप पत्र दाखिल होने के बाद भी दे सकते हैं अग्रिम जमानत

नैनीताल, एजेंसी। हाईकोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय देते हुए कहा है कि किसी आरोपी के खिलाफ मामले में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल होने के बावजूद उसे अग्रिम जमानत (एंटीसिपेटरी बेल) दी जा सकती है। तीन सदस्यीय पीठ में दो न्यायाधीशों ने इसके पक्ष और एक ने विपक्ष में अपनी राय दी थी जिसके बाद बहुमत से फैसला मान्य किया गया। जाती है तो उसे अग्रिम जमानत दी जा सकती है या नहीं। एक सदस्यीय पीठ ने मामले को बड़ी बेंच को संदर्भित किया था। सभी पक्ष सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इस मामले में निर्णय को सुरक्षित कर लिया था। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी, वरिष्ठ न्यायमूर्ति मंनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की तीन सदस्यीय बेंच ने अपना निर्णय सुनाया। इसमें मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज तिवारी की ओर से फैसला देते हुए कहा गया कि ऐसी परिस्थिति में चार्जशीट दायर होने के बाद भी आरोपी को एंटीसिपेटरी बेल दी जा सकती है, जबकि न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी का मत था कि चार्जशीट के बाद अग्रिम जमानत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे में बहुमत के आधार पर न्यायालय ने चार्जशीट के बावजूद अग्रिम जमानतों को दायर करने की की अनुमति दे दी है। हरिद्वार निवासी सौभाग्य भगत को अपनी भाभी याशिका गौतम की दहेज हत्या में सह आरोपी बनाया गया था। सौभाग्य सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। जिस दिन उनकी भाभी की हरिद्वार में दहेज हत्या का आरोप है उस दिन वह सुप्रीम कोर्ट में थे। सौभाग्य भगत के अधिवक्ता दुष्यंत मैनाली ने बताया की कोर्ट को उनके सुप्रीम कोर्ट में घटना के दिन उपस्थित होने के वीडियो फुटेज सहित कई प्रमाण दिए गए थे।

48 घंटे बाद भी नहीं खुल पाया नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग, आवाजाही पूरी तरह से बंद

कोटद्वार, एजेंसी। मंगलवार सुबह करीब सात बजे बंद हुआ नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग 48 बाद भी यातायात के लिए नहीं खोला जा सका। मंगलवार को हुई अतिवृष्टि के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य कई स्थानों पर राजमार्ग में मलबा व बड़े बोल्डर आ गए थे।

इधर, राजमार्ग बंद होने के बाद भी मंगलवार पूरे दिन लोग जान जोखिम में डाल राजमार्ग पर पैदल सफर करते रहे। लेकिन, बुधवार को पुलिस ने पैदल आवाजाही पर भी रोक लगा दी। बताते चलें कि आठ अगस्त व 13 अगस्त को हुई अतिवृष्टि से कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति काफी बिगड़ गई थी।

राजमार्ग विभाग ने किसी तरह राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला। लेकिन, मंगलवार सुबह हुई अतिवृष्टि ने एक बार फिर राजमार्ग को बाधित कर दिया। जगह-जगह मलबा व बोल्डर आने से मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह बंद हो गया।

विभाग ने कोटद्वार व दुगड्डा की ओर से

अलग-अलग पोकलैंड मशीनें लगा कर मार्ग खोलने का कार्य शुरू किया दिया। लेकिन, आमसौड़ में ढ़ाबे से पहले पहाड़ी से आए भारी बोल्डरों व मलबे को हटाने में विभाग को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस स्थान पर जहां एक ओर सड़क में घुटनों तक मलबा बह रहा है, इधर, मंगलवार को कई लोग जान जोखिम में डाल मलबे से गुजरते नजर आए।

जिसके बाद बुधवार को पुलिस ने पैदल आवाजाही पर भी रोक लगा दी। दुगड्डा चौकी प्रभारी सूरत शर्मा ने बताया कि कई लोग चोरी-छिपे जंगल के रास्ते से होकर कोटद्वार की ओर जाने का प्रयास कर रहे हैं, जो कि खतरनाक हो सकता है।

पागलनाला में बंद होने से हेलंग में रोके गए वाहन, ऋषिकेश गंगोत्री हाईवे चार दिन बाद खुला

चमोली, एजेंसी। प्रदेशभर में आज शुक्रवार को भी मौसम विज्ञान की ओर से भारी बारिश की आशंका जताई गई है। बारिश और मलबा आने से पहाड़ों पर सड़कों का बुरा हाल है। वहीं बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पागल नाले में बंद होने से सभी वाहनों को हेलंग में रोका गया है। जबकि हाईवे को खोलने का कार्य जारी है।

दूसरी तरफ ऋषिकेश गंगोत्री हाईवे चौथे दिन वाहनों की आवाजाही के लिए खुल गया है। नरेंद्रनगर की समीप बगड़धार में यातायात के लिए बंद था, जिसे सुचारू कर दिया गया है। बार-बार चट्टान से पत्थर गिरने और लगातार कोहरा छाने के कारण सीमा सड़क संगठन को हाईवे खोलने में कामयाबी नहीं मिल पा रही थी।

सड़क के दोनों ओर से मशीन कार्य कर रही थी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि अब हाईवे पर यातायात बहाल कर दिया गया है। ऋषिकेश गंगोत्री हाईवे पर आवाजाही शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन अभ बदरीनाथ हाईवे के बंद होने से यहां यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून, पौड़ी, नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर और ऊधमसिंह नगर जिले के कई इलाकों में 25 अगस्त को भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जबकि, प्रदेश के अन्य जिलों में भी गर्जना और बिजली चमकने के साथ बारिश की संभावना है। 27 अगस्त के बाद सभी जिलों में बारिश से राहत के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक बिक्रम सिंह का कहना है कि मानसून सीजन के दौरान अभी तक सामान्य तौर पर होने वाली 904.20 मिमी बारिश के सापेक्ष 1019 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

इस हिसाब से एक जून से 23 अगस्त तक 13 फीसदी अधिक बारिश हुई है। चूंकि सामान्य से 19 फीसदी अधिक तक बारिश को सामान्य की श्रेणी में लिया जाता है।

गोकशी करने वाले लोगों का हुक्का पानी बंद करने का ऐलान

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर में पार्षद सुहेल अख्तर के कार्यालय पर मुस्लिम समाज के जिम्मेदार लोगों की बैठक हुई। जिसमें गोकशी की घटना को लेकर कड़े शब्दों में निंदा की गई। साथ ही ऐसा कृत्य करने वालों का हुक्का पानी बंद करने का भी ऐलान किया गया है।

मौलाना आरिफ कासमी ने कहा कि यह मुल्क बहुत बड़ा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई आपसी प्रेम-मोहब्बत, भाईचारे सौहार्द के साथ मिलजुल कर रहते हैं। गोकशी जैसी घटना नहीं होनी चाहिए। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए उतना कम है। पार्षद सुहेल अख्तर ने कहा कि कुछ लोग हिंदू मुस्लिम एकता अखंडता को षड्यंत्र के तहत समाप्त करना चाहते हैं। जिन्होंने हिंदू भाइयों की भावनाओं को आहत किया है ऐसे लोगों को बक्शा नहीं जाना चाहिए।

गोवध की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। अधिवक्ता रियाजुल हसन अंसारी ने कहा कि इस घटना से मुस्लिम समाज की नजरें झुकी हैं। हाजी इरफान अली भट्टी ने कहा कि हिंदू मुस्लिम भाईचारे को कतई टूटने नहीं देंगे।

बारिश में चौपट हुआ मसूरी का पर्यटन व्यवसाय, 90 प्रतिशत होटल खाली, एडवांस बुकिंग भी रद्द

मसूरी, एजेंसी। हिमाचल में आई आपदा के कारण लोग पहाड़ी क्षेत्रों में आने से डर रहे हैं। बीते कुछ दिनों से मसूरी में बारिश के कारण पर्यटक यहां नहीं आ रहे हैं। होटलों में एडवांस बुकिंग रद्द की जा रही है। जो पर्यटक यहां ठहरे हुए हैं वे भी लौट रहे हैं। 90 फीसदी होटल खाली पड़े हैं।

पहाड़ों की रानी मसूरी में बीते कई दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित है। बारिश के कारण तापमान में तो गिरावट आई है, लेकिन शहर का पर्यटन व्यवसाय पूरी तरह चौपट हो गया है। शहर में बहुत कम पर्यटक पहुंच रहे हैं, वहीं जो पहले से यहां थे वह भी वापस लौट रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर होटल और गेस्ट हाउस खाली पड़े हैं।

मसूरी होटल एसोसिएशन अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि, हिमाचल में आई आपदा के कारण लोग पहाड़ी क्षेत्रों में आने से डर रहे हैं। वहीं बीते कुछ दिनों से मसूरी में बारिश के कारण पर्यटक यहां नहीं आ रहे हैं। होटलों में एडवांस बुकिंग रद्द की जा रही है। जो पर्यटक यहां ठहरे हुए हैं वे भी लौट रहे हैं। 90 फीसदी होटल खाली पड़े हैं।

दिल्ली से आए पर्यटक सोमित शुक्ला ने बताया कि बारिश के कारण घूमने में परेशानी हो रही है। होटल में ही कैद हैं। कंपनी गार्डन संचालक चंडीप्रसाद सकलानी ने बताया कंपनी गार्डन आमतौर पर पर्यटकों से खचाखच भरा रहता है, लेकिन फिलहाल बारिश के कारण वीरान पड़ा है।

एसएसजे विश्वविद्यालय को जल्द मिलेगा स्थायी कुलपति

अल्मोड़ा, एजेंसी। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा में नए कुलपति की तलाश तेज हो गई है। बुधवार से देहरादून में साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू हो गई। इसके बाद जल्द स्थायी कुलपति मिलने की उम्मीद है। इस पद के लिए कई दावेदार हैं। एसएसजे परिसर को विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के करीब दो साल बाद स्थायी कुलपति मिलने की उम्मीद है। नए कुलपति की दौड़ में वर्तमान कुलपति प्रो. जगत सिंह बिष्ट समेत एसएसजे परिसर के निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, प्रो. नीरज तिवारी, प्रो. हरीश चंद्र जोशी, प्रो. शेखर चंद्र जोशी आदि के नाम चर्चाओं में हैं। विवि के पहले कुलपति प्रो. नरेंद्र सिंह भंडारी के पद से इस्तीफा देने के बाद प्रो. जगत सिंह बिष्ट ने कुलपति का पदभार संभाला था।

नदियों में जाने वाला कूड़ा निगल रही मछलियां, ऋषिकेश और हरिद्वार की मछलियों के पेट से मिला प्लास्टिक

ऋषिकेश, एजेंसी। देवप्रयाग से हरिद्वार तक किए शोध में मछलियों के पेट में प्लास्टिक पाया गया है। जिसमें कपड़ों के रेशे, थर्माकोल आदि प्लास्टिक शामिल है। शोधकर्ताओं का कहना है कि कूड़ा निस्तारण की उचित व्यवस्था न होना, कूड़े को गंगा व उसकी सहायक नदियों में प्रवाहित करना और पर्यटन के नाम पर नदियों के किनारे अनियंत्रित गतिविधियां इसका कारण हैं। कूड़ा प्रबंधन की उचित व्यवस्था न होना और नदियों में अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां मछलियों की सेहत पर भारी पड़ रही

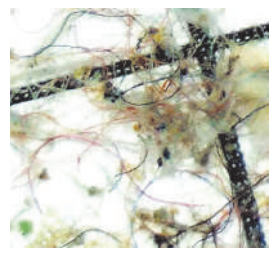

हैं। गढ़वाल विवि के एक शोध के अनुसार मछलियों के शरीर में प्लास्टिक पाया गया है। सबसे बुरी स्थिति ऋषिकेश और हरिद्वार में गंगा में पाई जाने वाली मछलियों की है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के हिमालयी जलीय जैव विविधता विभाग (हिमालयन एक्वेटिक बायोडावरसिटी डिपार्टमेंट) ने देवप्रयाग से हरिद्वार तक गंगा नदी की मछलियों पर अध्ययन किया है। शोध के लिए हिमालयी जलीय जैव विविधता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जसपाल सिंह चौहान और शोध छात्रा नेहा बडोला ने इस पूरे क्षेत्र को दो जोन (देवप्रयाग से ऋषिकेश और ऋषिकेश से हरिद्वार) में बांटा। देवप्रयाग से ऋषिकेश को पहाड़ी क्षेत्र और ऋषिकेश से हरिद्वार को मैदानी क्षेत्र माना गया। शोध में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। देवप्रयाग से हरिद्वार तक किए शोध में मछलियों के पेट में प्लास्टिक पाया गया है। जिसमें कपड़ों के रेशे, थर्माकोल आदि प्लास्टिक शामिल है। शोधकर्ताओं का कहना है कि कूड़ा निस्तारण की उचित व्यवस्था न होना, कूड़े को गंगा व उसकी सहायक नदियों में प्रवाहित करना और पर्यटन के नाम पर नदियों के किनारे अनियंत्रित गतिविधियां इसका कारण हैं। शोध में दोनों जोन का तुलनात्मक अध्ययन करने पर यह स्पष्ट हुआ है कि हरिद्वार व ऋषिकेश की मछलियों में यह समस्या अधिक पाई गई है।

आयुष्मान ट्रस्ट द्वारा विज्ञान भवन में आयुषकॉन-2023 का भव्य आयोजन

पीएम मोदी ने गरीबों के अनाज को सभी वर्ग का भोजन बना दिया : कैलाश चौधरी

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री बोलें- आज मिलेट्स गरीबों का नहीं, हर तबके का भोजन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आयुष्मान ट्रस्ट द्वारा गुरूवार को विज्ञान भवन में आयुषकॉन-2023 का भव्य आयोजन किया गया, जिसका थीम था-मिलेट्स फूड फॉररिजुविनेशन। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, बिहार झारखंड के संपर्क विभाग के प्रांत प्रचारक अनिल ठाकुर, आरोग्य भारती के अशोक वार्ष्णेय, मोहन ठाकुर उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन वक्तव्य में आयुष्मान ट्रस्ट के संयोजक डॉक्टर विपिन कुमार ने मंच पर उपस्थित सभी विशेष अतिथियों को शॉल एवं प्रशस्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में बंडारू दत्तात्रेय, केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, अनिल ठाकुर, अशोक वार्ष्णेय तथा मोहन ठाकुर का स्वागत किया और आयुषकॉन-2023 के इस आयोजन में उनकी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉक्टर विपिन कुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज उन्हीं के प्रयासों से भारत चाँद पर कदम रखने में सफल रहा। यह क्षण हम सब भारतवासियों के लिए गौरव का क्षण है। कहा कि प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज को एक विशिष्ट नाम श्री अन्न कहकर हम सबका मान बढ़ाया है? उन्होंने प्रधानमंत्री को साधुवाद देते हुए कहा कि वे एकमात्र प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया।डॉ. विपिन कुमार जी ने इस मिलेट्स वर्ष को अंतरराष्ट्रीय महत्त्व का वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता है। जागरूकता सही अनाज अपनाने की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि मिलेट्स में फाइबर प्रोटीन होता है। इसे पैदा करने में कम पानी और कम फर्टिलाइजर लगता है। इन्हें कम पानी वाले इलाकों में उगाया जा सकता है। डॉ बिपिन कुमार ने मिलेट्स उत्पादन के दो लाभ बएक स्वास्थ्य लाभ और दूसरा आर्थिक लाभ। उन्होंने कहा कि इससे भारत को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। डॉ बिपिन कुमार जी ने बताया कि हम इस वर्ष मिलेट्स वर्ष के साथ साथ महर्षि अरविंद की 150 वीं जयंती भी मना रहे हैं। महर्षि अरविंद ने न केवल स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी; बल्कि उन्होंने समाज में मानवतावादी दृष्टिकोण देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष की जरूरत क्यों है? उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य लाभ के लिए बेहद जरूरी है। यह स्वस्थ रहने का एकमात्र साधन है। डॉ बिपिन कुमार ने खानपान पर जोर देते हुए कहा कि यह मात्र जानकारी नहीं है; इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर उपस्थित केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी का भी मिलेट्स की दिशा में उनके प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने इस दोदिवसीय सम्मेलन की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की और सभागार में उपस्थित विभिन्न शहरों, संगठनों, संस्थाओं से आये हुए श्रोताओं का अभिवादन किया और उनका स्वागत किया। बिहार झारखंड के संपर्क विभाग के प्रान्त प्रचारक अनिल ठाकुर ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का अभिवादन किया और भारी संख्या में उपस्थित श्रोताओं को देखकर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में भीड़ जुटाना बड़ा मुश्किल है पर डॉक्टर विपिन कुमार के प्रेम एवं कार्यकुशलता से यह संभव हुआ है। इसके लिए उन्होंने डॉक्टर विपिन कुमार को विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने बिहार एवं झारखंड में मिलेट्स उत्पादन की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। डॉक्टर अनिल ठाकुर ने कहा कि रांची के गुमला के डीसी को भारत सरकार ने रागी के उत्पादन के लिए पुरस्कार दिया। रांची के आसपास रागी का अभूतपूर्व उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आदिवासी भी अपने छोटे छोटे खेतों में इसका भरपूर उत्पादन कर रहे हैं। श्री अनिल ठाकुर ने बताया कि झारखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों मेंवहाँ का किसान मिलेट्स उत्पादन में भारी योगदान दे रहा है। आरोग्य भारती के अशोक वार्ष्णेय जी ने अपने वक्तव्य की शुरूआत फादर ऑफ मेडिसिन के कथन से की, जिसमें उन्होंने कहा कि अपने भोजन को दवा बनाओ न कि दवाओं को अपना भोजन। उन्होंने कहा कि आपका भोजन ही आपकी औषधि बननी चाहिए। श्री अशोक वार्ष्णेय ने कहा जो व्यक्ति जहाँ जन्म लेता है उसको वही की औषधि हितकारी होती है। उन्होंने स्थानीय भोजन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति हैं जहाँ जिस भौगोलिक परिस्थिति में रहता है, उसे उसी भौगोलिक परिस्थितियों में उत्पन्न भोजन अपनाना चाहिए। उन्होंने विदेशों में चल रहे हैं रीजनल-सीजनल फूड अभियान का भी जिक्र किया। उन्होंने भारतीयों में बढ़ते रोगों का एक बड़ा कारण विषम परिस्थितियों में उत्पन्न भोजन को माना। उन्होंने कहा कि हम अपना भोजन छोड़कर विदेशी भोजन अपना रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी जोर दिया। श्री अशोक वार्ष्णेय ने कहा कि भारत को औषधि मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना ने सिखाया किऔषधियों पर निर्भरता बेकार है। करोना काल में हम प्राकृतिक मेडिसिन की ओर ज्यादा गए। उन्होंने कहा कि भारत संभवत मिलेट्स का सर्वाधिक उपयोग करने वाला देश है। श्री वार्ष्णेय ने कहा कि साधारण गुड़ भी एक मेडिसिन है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स का प्रयोग संतुलित होना चाहिए; अधिकता उसकी ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि मिल्लेट्स में जिंक, पोटैशियम की भरपूर मात्रा होती है लेकिन उसे ऋतुओं के अनुसार ही उपयोग किया जाना चाहिए। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने अपने वक्तव्य की शुरूआत भारत माता के जयकारों से किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि कल प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम चाँद मिशन में सफल रहे। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन संयोजक बिपिन कुमार का भी विशेष धन्यवाद किया और कहा कि आज सबसे जरुरी है निरोगी काया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर आज का वरदान है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे राजस्थान के बाड़मेर (पाकिस्तान सीमा) का व्यक्ति हूँ, जहाँ हमने बचपन सेआज तक बाजरे की रोटी खाई है। उन्होंने कहा मेरा पूरा जीवन बाजरे पर ही गुजरा है। और जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष को मिलेट्स वर्ष घोषित किया तो सबसे ज्यादा खुशी उन्हें ही हुई। उन्होंने मिलेट्स को लेकर चली आ रही उस गलत धारणा का भी जिक्र किया जिसमें कहा जाता था कि भारत में मिलेट्स गरीबों का भोजन है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री की सराहना की कि उन्होंने गरीबों के अनाज को सभी वर्ग का भोजन बना दिया और आज मिलेट्स गरीबों का नहीं, हर तबके का भोजन। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने श्री अन्न नाम देकर मिलेट्स को जो सम्मान दिया है, उसके लिए वे सब उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य सबसे पहले स्वयं पर लागू करके ही देखा जाना चाहिए। उन्होंने नेचुरल थेरपी, योग तथा सही खानपान को अपनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज से 50-60 साल पहले लोग ऐलोपैथि मेडिसिन नहीं लेते थे। सब कुछ आसपास उगी-पैदा हुई चीजों से ठीक हो जाता था।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के सार्थक वक्तव्य के बाद कई सम्मानित लोगों को आयुषकॉन 2023 एक्सिलेन्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं

- देवन राय
- अरुणिमा सिंहा
- डॉ विनोद कुमार यादव
- डॉ विश्वरूप राय चौधरी
- डॉ. उमेश शर्मा
- डॉ. पीके सिंहा
- डॉ. रवि गौड़
- प्रो.खादर वली
- पूनम गुप्ता
- डॉ. नीता कुमार
- ओपी यादव
- सत्य भूषण जैन
- राजेश गौतम
- सिद्धार्थ एस. कुमार
- अनिता चोपड़ा
- संगीता रागी
- दिनेश बोकन
- प्रो. सत्यकेतु सांकृत

सभी लोगों को रोज टहलना चाहिए : दत्तात्रेय

राज्यपाल ने योग एवं आयुष को अपनाने पर दिया बल

उद्घाटन सत्र का अंतिम वक्तव्य हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का रहा। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए संयोजक डॉ विपिन कुमार की प्रशंसा की और योग एवं आयुष को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभागार में उपस्थित सभी लोगों को रोज टहलना चाहिए, विशेषता महिलाओं को। उन्होंने लड़कियों को साहसी और निडर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक प्रसिद्ध कहावत से अपनी बात को आगे बढ़ाया-धन जाए तो कुछ नहीं जाता। स्वास्थ्य चला जाये तो थोड़ा जाता है परंतु चरित्र चला जाए तो सबकुछ चला जाता है। इस बात को उन्होंने उपस्थित श्रोताओं से गांठबांध लेने के लिए कहा। उन्होंने इस अवसर पर महर्षि अरविंद के 150 वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनकी उपलब्धियों को श्रोताओं के सामने रखा। इन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मंच पर उपस्थित मोहन ठाकुर ने अपने निजी अनुभवों के आधार पर बताया कि किस प्रकार असाध्य रोगों से योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वयं पर नियंत्रण रखकर निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एलोपैथी उपयोग के समावेश से उन्होंने अपने स्वास्थ्य को सहज बनाए रखने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गेहूं का आटा कई रोगों की जड़ है। उन्होंने कहा कि जीवन में सतनाजा का प्रयोग करना चाहिए। अर्थात सात अनाज मिलाकर आटे का प्रयोग किया जाना चाहिए, इससे शुगर नियंत्रित रहती।

संक्षिप्त खबरें

कच्ची कालोनियों में सडकें बनवाने की घोषणा ऐतिहासिक : सुभाष चन्द्र लाला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी विश्वास नगर वार्ड के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र बोस लाला ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस घोषणा का स्वागत किया है जिसमें मुख्यमंत्री ने अगले साल दिसम्बर तक सभी कच्ची कालोनियों में सडके बनवा देने की बात कही है। सुभाष लाला ने कहा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पश्चिमी दिल्ली की कॉलोनियों में विकास कार्यों के उद्घाटन के मौके पर घोषणा की कि उनकी सरकार कुल सत्रह सौ कच्ची कालोनियों में से अभी तक साढे आठ सौ में पक्की सडके बनवा चुकी है और अगले साल के अंत तक दिल्ली की सभी कच्ची कॉलोनियों की सड़कें पक्की बनवा दी जाएगी।

भारतीय वैज्ञानिकों के चमत्कार को दुनिया ने किया सलाम : बी.एल.जीनवाल

नई दिल्ली। 15 अगस्त की तरह 23 अगस्त का दिन भी भारतीय इतिहास के स्वर्ण पन्नों पर दर्ज हो गया है और ना केवल भारत अपितु पूरी दुनिया के लोगो ने चंद्रयान की कामयाबी पर भारत के वैज्ञानिकों को सलाम किया है। यह कहना है बाबरपुर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बी.एल.जीनवाल का। बी.एल. जीनवाल कहते हैं स्व.प्रधानमन्त्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने इसरो की स्थापना इसी दिन के लिए की थी। देश के वैज्ञानिकों ने ना केवल पंडित नेहरु के सपनों को साकार किया है बल्कि करोड़ों भारतियों का दिल जीता है और गर्व से सर ऊँचा किया है।

यस बैंक के अधिकारियों के साथ सेमिनार आयोजित : अशोक सेठ

दिल्ली में रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय झंडेवालान नई दिल्ली में यस बैंक के अधिकारियों के साथ सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार का प्राथमिक उद्देश्य यस बैंक के माध्यम से आभूषण निर्यात और पुनः पूर्ति के लिए सोने की खरीद को सुविधाजनक बनाना विषय पर चर्चा करना था। सेमिनार शुरू होने से पहले जीजेईपीसी ने एक औपचारिक केक-काटने के कार्यक्रम के साथ इंडिया ऑन द मून (चंद्रयान) के अवसर को चिह्नित किया। इस विशेष कार्यक्रम व सेमिनार का उद्घाटन जीजेईपीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक सेठ द्वारा किया गया जिसमें दिल्ली क्षेत्र के सचिवालय प्रतिनिधि भी शामिल हुए। अशोक सेठ द्वारा यस बैंक के अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया!

केजरीवाल कर रहे हैं बुजुर्गों को तीर्थयात्रा कराकर पुण्य का काम : श्रीदत्त शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री राजधानी दिल्ली के बुजुर्गों को विभिन्न तीर्थ स्थानों की मुफ्त यात्रा कराकर बेहद पुण्य का काम कर रहे हैं। और भगवान भी उनके कार्य से खुश हो उन्हें भरपूर आशीर्वाद दे रहे हैं। यह कहना है उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के घोंडा से विधायक रहे श्रीदत्त शर्मा का। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं अरविन्द केजरीवाल देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जिन्होंने यह बीड़ा उठाया है दिल्ली के हर बुजुर्ग को तीर्थयात्रा दिल्ली सरकार की तरफ से मुफ्त करायेगें। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं अभी तक हजारों बुजुर्ग विभिन्न धर्मस्थलों की यात्रा कर चुके हैं और यह योजना लम्बे समय तक चलेगी। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं हजारों साल पहले जिस तरह से श्रवण कुमार ने अपने बुजुर्ग माता पिता को धर्मस्थलों की यात्रा करायी थी उसी तरह अरविन्द केजरीवाल अपने माता पिता समान बुजुर्गों को धर्मस्थलों की यात्रा करा रहे हैं।

निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले 6000 विशेष बच्चों को मुख्यधारा में लाना हमारा उद्देश्य : डॉ. शैली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (एनसीईआरटी) के साथ मिलकर सिविक सेंटर में विशेष शिक्षकों, मेंटर अध्यापकों,अधिकारियों के लिए क्रॉस डिसएबिलिटी की पहचान क्षमता में वृद्धि के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में निगम के रोहिणी, सिविल लाइंस, मध्य, दक्षिणी, नजफगढ़ एवं शाहदरा (दक्षिणी) जोन के विशेष शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने इस अवसर पर आए सभी नवनियुक्त विशेष शिक्षकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा की शिक्षा सबसे नोबेल व्यवसाय है। वह स्वयं भी दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर रही हैं तथा उन्होंने भी कई कॉलेजों में पढ़ाया है। शिक्षक के ऊपर बच्चों के भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी होती है जोकि हमारे देश का भविष्य हैं। इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि शिक्षक देश के भविष्य निमार्ता हैं।

मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में आप सरकार ने दिल्ली को बेहतरीन विश्वस्तरीय शिक्षा मॉडल दिया है, जिसे हम निगम विद्यालयों में भी लागू करेंगे। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि हमने पहले निगम विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण के लिए आईआईएम अहमदाबाद भेजा था। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि निगम विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का दूसरा दल प्रशिक्षण के लिए आईआईएम कोझिकोड गया हुआ है। आने वाले समय में हम विशेष अध्यापकों के लिए भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उन्होंने अध्यापकों से अनुरोध किया कि वो पूरी लगन से बच्चों को पढ़ाए एवं उन्हें किसी भी प्रकार की आवश्यकता है तो वो सीधे उनसे मिल सकते हैं। दिल्ली नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त एवं शिक्षा निदेशक विकास त्रिपाठी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि अध्यापक अपने आप में एक दुर्लभ संसाधन है। दिल्ली नगर निगम ने 1 हजार विशेष शिक्षकों को नियुक्ति की है, जिससे पता चलता है कि सरकार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा के प्रति काफी गंभीर है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हर शिक्षक विशेष होता है क्योंकि उसके ऊपर समाज के निर्माण की जिम्मेदारी होती है। लेकिन विशेष शिक्षक और भी विशेष होता है क्योंकि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए अत्यधिक लगन की आवश्यकता होती है। हमने छात्रों को कक्षा के हिसाब से न बैठकर उनके अधिगम स्तर के हिसाब से पढ़ाने की व्यवस्था की है ताकि वो अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ सकें। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी द्वारा क्रॉस डिसएबिलिटी की पहचान के लिए बनाए गए प्रशस्त टूल की सहायता से एक से अधिक डिसएबिलिटी वाले बच्चों की पहचान में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों में 6000 के लगभग विशेष छात्र हैं

गुरुद्वारा बंगला साहिब में स्थापित की जाएगी पीईटी स्कैन मशीन

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि कमेटी द्वारा चिकित्सा सुविधाओं में विस्तार करते हुए, गुरु हरिकृष्ण पॉलीक्लिनिक गुरुद्वारा बंगला साहिब में कैंसर की जांच के लिए उपयोग होने वाली पेट स्कैन मशीन (पी.ई.टी) आगामी दो माह के भीतर लगाई जा रही है। आज यहां गुरु हरिकृष्ण पॉलीक्लिनिक में अरदास के पश्चात बाबा बचन सिंह की अगुवाई में मशीन की स्थापना के लिए कार सेवा प्रारंभ की गई। इस फुल बॉडी पेट स्कैन मशीन को लगाने के लिए सभी आवश्यक अनुमति सरकार से मिल गई है। इस मशीन का नाम प्रीमियम पीईटी सीटी स्कैनर विद लेजर है जिसे एलएसओ क्रिस्टल मैन्युफैक्चरर यू.एस.ए कंपनी द्वारा निर्मित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्राप्त अनुमति के अनुसार इस मशीन से एक सप्ताह में 120 मरीजों की जांच की जा सकेगी। यह मशीन हवाई जहाज की गति से भी तेज रिपोर्ट देगी, जिसमें परीक्षण के लिए तरंगों का उपयोग किया जाएगा और इसमें 16 स्लिम सीटी स्कैनर हैं जो पूरे शरीर को स्कैन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी में बदलाव और बढ़ते प्रदूषण के कारण कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।

ईवीएम की प्राथमिक जांच के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आगामी आम चुनावों से पहले ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तर की जांच के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। अदालत ने याचिकाकर्ता अनिल कुमार को पुनः जनहित याचिका दायर करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं याचिकाकर्ता अनिल कुमार ने कहा कि प्रथम स्तर की जांच (एफएलसी) के लिए पर्याप्त नोटिस नहीं दिए गए थे। राजनीतिक दल इस प्रक्रिया के लिए खुद को तैयार नहीं कर सके। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने कहा कि याचिका राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ निर्देशित है, जबकि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। पीठ ने कहा कि अधिकारी भारत के निर्वाचन आयोग के लिए काम कर रहे थे। पीठ ने याचिकाकर्ता से वर्तमान याचिका वापस लेने और नई याचिका दायर करने को कहा। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने नई जनहित याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने का अनुरोध किया। याचिका उक्त स्वतंत्रता के साथ वापस लिया हुआ मानकर खारिज की जाती है। याचिका में पर्याप्त नोटिस देने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को एफएलसी को फिर से आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

गंभीर आरोप के बावजूद प्रेमोदय को बचाया : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने निलंबित अधिकारी प्रेमोदय खाखा पर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गंभीर आरोप होने के बाद भी प्रेमोदय को बचाया गया। खाखा का महिलाओं को परेशान करने और यौन शोषण करने का लंबा इतिहास रहा है। उसके खिलाफ लंबित मामलों पर त्वरित कार्रवाई और अभियोजन को सुनिश्चित किए जाने के लिए विशेष अधिकारी की नियुक्ति होनी चाहिए। शुक्रवार को जारी बयान में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों को जवाब देना चाहिए कि खाखा को किसका संरक्षण प्राप्त था। क्योंकि खाखा का लंबा इतिहास रहा है। उसके बाद भी उस पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। दिल्ली सरकार के सेवा कुटीर में खाखा पर चार महिला कर्मचारियों ने उत्पीड़न और यौन शोषण का आरोप लगाया था। इनमें दो महिला काउंसलर हैं, एक फिजियोलॉजिस्ट और एक वकील हैं। हैरत की बात यह है कि आरोपी पर कार्रवाई करने की जगह उसे बचाया गया। उसे निलंबित करने के बजाय पदोन्नति दे दी। परिवहन मंत्री का ओएसडी बना दिया। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने भी कुछ नहीं बोला। सरकारी अधिकारी के खिलाफ एक साल से भी कम समय में चार मामले जुड़े थे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एन आई टी 18-A, B, C, D & E-2023-24-डब्ल्यू-5

काम का नाम (स्थान के साथ)

A. 30.06.2024 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता/हज़रत निजामुद्दीन के अधीन एस०एस०ई०/डब्लू०/ एल०/हज़रत निजामुद्दीन के अनुभाग में विभिन्न बड़े और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत का कार्य।
समान कार्य की प्रकृति : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

B. सहायक मंडल अभियंता/हज़रत निजामुद्दीन के अधीन एस०एस० ई०/डब्लू०/एम०/तुगलकाबाद के अनुभाग में डीजल शेड, वैगन केयर सेंटर, टी०एम०सी० और अन्य विविध की मरम्मत और रखरखाव का कार्य।
समान कार्य की प्रकृति : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

C. सहायक मंडल अभियंता/हज़रत निजामुद्दीन के अधीन एस०एस० ई०/डब्लू०/हज़रत निजामुद्दीन के अनुभाग में दो साल के लिए रैनी वेल और तुगलकाबाद के बीच एम०एस०/सी०आई०/डी०आई० रैनी वेल पाइप लाइन की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव का कार्य।
समान कार्य की प्रकृति : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

D. सहायक मंडल अभियंता/हज़रत निजामुद्दीन के अधीन एस०एस० ई०/डब्ल्यू०/हज़रत निजामुद्दीन के अनुभाग में दो वर्षों के लिए हज़रत निजामुद्दीन स्टेशन और वॉशिंग लाइन कॉम्प्लेक्स में रेत फिल्टर, कीटाणुशोधन प्रणाली और वाल्व संचालन का वार्षिक संचालन और रखरखाव का कार्य।
समान कार्य की प्रकृति : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

E. सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली सराई रोहिल्ला के अधीन एस०एस०ई०/पी०वे०/दिल्ली सराई रोहिल्ला के अनुभाग में दक्षिण और उत्तर लाइन (अप/डाउन) दिल्ली–दिल्ली सराई पर कि०मी० 2.860 से 5.0 पर टी०आर०आर० (पी०) 5.180 टी०के०एम० स्थान का कार्य।
समान कार्य की प्रकृति : सी० टी० आर०/टी० आर०आर०/टी० एफ्० आर०/टी० टी० आर० जिसमें ट्रैक का उठान, स्क्रीनिंग गहरा करना, ट्रैक की चिंता, ट्रैक मेंटेनेंस मशीन के लिए प्री और पोस्ट के काम जैसे टैंपिंग मशीन/बेलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टी–28 द्वारा टीटीआर का कार्य शामिल हैं।

2 **काम की अनुमानित लागत (रुपये)** : **A.** रुपये 5499898.38, **B.** रुपये 14999533.72, **C.** रुपये 15000081.53, **D.** रुपये 15000081.53, **E.** रुपये 15000081.53

3 **अग्रिम राशि (रुपये)** : (यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (**नोटः**– रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई–आई/ सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए ईएमडी के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा..।) **A.** रुपये 110000.00, **B.** रुपये 225000.00, **C.** रुपये 225000.00, **D.** रुपये 250000.00, **E.** रुपये 184800.00

4 **काम की समाप्ति अवधि** : **A.** 09 महीने, **B.** 09 महीने, **C.** 24 महीने, **D.** 24 महीने, **E.** 06 महीने

5 **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय** : 15.09.2023 को 15:00 बजे तक तथा 15.09.2023 को 15:00 बजे निविदा खुलना है।

6 **वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा** — यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

No. 128-W/280/OET/2023-24/W-V/18-A, B, C, D & E Date 23.08.2023 2636/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आतिशी ने मुख्य सचिव की ओर से निर्वाचित सरकार के आदेश को न माने जाने पर एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की सर्विसेज एवं विजिलेंस मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार द्वारा निर्वाचित सरकार के आदेश की अवहेलना करने पर एलजी को पत्र लिख कर आपत्ति जताई है। सर्विसेज मंत्री ने अपने पत्र में साफ किया है कि जीएनसीटीडी संशोधन अधिनियम की धारा 45ख(5) का हवाला देते हुए मुख्य सचिव ने अपने नोट में कहा है कि जीएनसीटीडी एक्ट से सेक्शन 3ए को हटाने के बावजूद, ह्यसर्विसेज और विजिलेंसह्न से संबंधित सभी मामलों पर प्रभावी कार्यकारी शक्तियाँ एलजी के पास होगी न की चुनी हुई सरकार के पास होगी।

सर्विसेज मंत्री आतिशी ने अपने पत्र में कहा है कि दिल्ली सरकार इस कानूनी व्याख्या से असहमत है। उन्होंने कहा कि जीएनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम, 2023 सर्विसेज इस संबंध में उपराज्यपाल को केवल विशिष्ट शक्तियां प्रदान करता है, जिसका इस्तेमाल एलजी सिर्फ.नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी की सिफारिशों पर ही कर सकते है। उन्होंने इस बात पर भी जोर डाला कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी दिल्ली सरकार का समर्थन करते हुए कहा है कि एनसीटीडी के पास सेवाओं पर विधायी और कार्यकारी शक्तियां है।

सर्विसेज पर एग्जीक्यूटिव कंट्रोल के मुद्दे पर असहमति के बाद, दिल्ली की सर्विसेज मंत्री आतिशी ने एलजी विनय सक्सेना को इस मामले पर पुनर्विचार करने के लिए पत्र लिखा है और उनकी राय भी मांगी है। सर्विसेज मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 239एए के खंड (3) और (4), राज्य सूची या समवर्ती सूची में शामिल सभी मामलों के संबंध में पब्लिक ऑर्डर, लैंड और पुलिस को छोड़कर दिल्ली की मंत्रिपरिषद अपनी कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करती है और एलजी उन मामलों को छोड़कर बाकी सभी में मंत्रिपरिषद को केवल सलाह दे सकते है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी 21 मई, 2015 की अपनी अधिसूचना में यह निर्धारित किया था कि उपराज्यपाल लैंड, पुलिस, पब्लिक ऑर्डर और सेवाओं से जुड़े मामलों के संबंध में अपनी शक्तियों का प्रयोग करेंगे। तब से, उपराज्यपाल दिल्ली में सर्विसेज के संबंध में सभी निर्णय ले रहे है।

हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई, 2023 के अपने आदेश में सर्वसम्मति से दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि दिल्ली सरकार के पास सर्विसेज पर विधायी और कार्यकारी शक्तियाँ है।

लेकिन 19 मई, 2023 को जीएनसीटीडी (संशोधन) अध्यादेश, 2023, ने सर्विसेज से संबंधित किसी भी मामले के संबंध में कानून बनाने के लिए दिल्ली विधानसभा की शक्तियों को छीन लिया। इसके परिणाम स्वरूप, सर्विसेज पर जीएनसीटीडी की कार्यकारी शक्ति भी ले ली गई और जिस दौरान अध्यादेश लागू था, तब लैंड, पुलिस और पब्लिक ऑर्डर के अलावा सर्विसेज को भी एक आरक्षित विषय माना गया।

उन्होंने कहा कि अध्

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 26 अगस्त, 2023

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आप ने विधानसभाओं के अध्यक्ष और संगठन मंत्री के नामों की घोषणा की

- घर-घर जाकर दिल्ली वासियों को पार्टी के कार्यों से अवगत कराने की ज़िम्मेदारी नवनियुक्त पदाधिकारियों की होगी- गोपाल राय
- आम आदमी पार्टी के राष्ट्रहित के उद्देश्य और केजरीवाल सरकार के विश्व चर्चित कार्यों को दिल्ली के कोने-कोने तक पहुंचाने में इन पदाधिकारियों का बड़ा योगदान होगा- संदीप पाठक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को दिल्ली के 63 विधानसभा क्षेत्रों के लिए अध्यक्ष और संगठन मंत्री के नामों की घोषणा की। इससे पहले ह्लआपह्व ने 14 जिला अध्यक्ष और 70 सचिवों के नाम की घोषणा की थी। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारियों को नई ज़िम्मेदारी दी गई है। घर-घर जाकर दिल्ली वासियों को पार्टी के कार्यों से अवगत कराने की ज़िम्मेदारी नवनियुक्त पदाधिकारियों की होगी। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रहित के उद्देश्य और केजरीवाल सरकार के विश्व चर्चित कार्यों को दिल्ली के कोने-कोने तक पहुंचाने में इन पदाधिकारियों का बड़ा योगदान होगा।

आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में विधानसभा अध्यक्ष और संगठन मंत्रियों के नाम की लिस्ट जारी की। जिसमें आम आदमी पार्टी ने प्रदेश स्तर पर संगठन के लिए दिल्ली प्रदेश की 70 विधानसभाओं में से 63 विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्ष और संगठन मंत्री के नाम की घोषणा की है। इससे पहले दिल्ली प्रदेश के 7 उपाध्यक्षों के नामों की घोषणा की थी। साथ ही आम आदमी पार्टी ने 7 संगठन मंत्रियों के नामों की लिस्ट जारी की थी। हाल ही में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के सभी 14 जिलों के अध्यक्ष और 70 सचिवों के नाम की लिस्ट जारी किया था। उन सभी 70 सचिवों को एक-एक विधानसभा की जिम्मेदारी दी गई है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि नवनियुक्त सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में पार्टी को मजबूत बनाने का काम करेंगे। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के सभी पदाधिकारी घर-घर जाकर दिल्ली वालों को पार्टी के कार्यों से अवगत कराएंगे। वहीं पार्टी के संगठन मंत्री संदीप पाठक ने कहा कि सभी प्रभारियों को हर प्रकार की चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रहित के उद्देश्य कद दिल्ली के कोने-कोने तक पहुंचाने में इन पदाधिकारियों का बड़ा योगदान होगा। भाजपा की केंद्र सरकार ने कानून बनाकर भले ही केजरीवाल सरकार की शक्तियां छीन ली हों लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों को विश्वास दिलाया है कि वह दिल्लीवालों के कोई काम रुकने नहीं देंगे।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, अंतरिम जमानत को लेकर आया ये फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने जैन की अंतरिम जमानत चिकित्सा आधार एक सितंबर तक बढ़ा दी है। दिल्ली के पूर्व मंत्री अब एक सितंबर तक जेल से बाहर रहेंगे। रीढ़ की हड्डी की हुई सर्जरी

बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिलहाल अंतरिम जमानत पर चल रहे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी शहर के एक निजी अस्पताल में हुई है। इस पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। जैन को तीन प्रमुख अस्पतालों द्वारा गंभीर रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की सिफारिश की गई थी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में उनकी सर्जरी की गई।

30 मई, 2022 को हुए थे गिरफ्तार उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लांन्ड्रिंग मामले में 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह पुलिस हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। तिहाड़ जेल में बंद रहने के दौरान वह बाथरूम में गिर गए थे। इस वजह से उनके कमर में चोट लगी थी। इसके अलावा उन्हें सिर में भी चोट लगने की बात सामने आई थी। इस वजह से वह कई दिनों तक लोकनायक अस्पताल में भर्ती रहे थे। अभी वर्तमान में वह रीढ़ की हड्डी में परेशानी के चलते बेल पर हैं। जैन पर शेल कंपनियां बनाकर 16 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर करने का आरोप है।

उर्मिल फैशन स्टूडियो में आई अभिनेत्री जरीन खान

पूर्वी दिल्ली में बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा जरीन खान ने शोरूम का किया उदघाटन

प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर पूर्वी दिल्ली : शाहदरा राम नगर मंडोली रोड में उर्मिल ज्वेलर्स ने उर्मिल फैशन स्टूडियो के नाम से अपने एक शोरूम का शुभ-आरम्भ किया जिसमे बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री जरीन खान पहुंची, और रीबन काटकर उद्घाटन किया व शोरूम में रखी कलेक्शन को भी सराहा जरीन ने कहा की वाकई यहाँ मल्टीपल कलेक्शन है जों मुझे पसंद आयी फिल्म स्टार की एक झलक पाने की चाह में हजारो की तादात में भीड़ इकठ्ठा हो गई,लोग छतों, पर चढ़कर एक्टर की एक झलक पाने कोई बेताब थे, सभी दृश्य को कैमरे में कैद करने के लिए मीडिया कर्मी भी मौजूद रहे स्थानीय पुलिस की मुस्तेदी से भीड़ और व्यवस्था सब काबू में रही उर्मिल ग्रुप के संतोष सोनी, सुरेश सोनी, विनोद सोनी,दिनेश सोनी सहित पूरे उर्मिल ग्रुप ने कार्यक्रम में आये सभी लोगों का धन्यवाद किया और कहा की हमारे यहाँ बहुत बेहतरीन और वाजीब दाम में आपको अपनी पसंद के ड्रेस यहाँ मिलेंगे त्यौहार का सीजन आ ही गया है, यमुनापार में ही आपको अपनी पसंद की वैरायटी हमारे यहाँ मिलने वाली है।

ट्रेनों के जनरल कोच में कष्टदायक यात्रा से मिलेगी मुक्ति, रेलवे ला रही आम लोगों के लिए ये खास प्लान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

लंबी दूरी की ट्रेनों में जनरल कोच में भीड़ और यात्रियों की परेशानी जल्द दूर होगी। ज्यादा भीड़ वाले रूट पर जल्द गैर वातानुकूलित ट्रेनों का संचालन शुरू होगा।

इन ट्रेनों में 11 जनरल और 12 स्लीपर कोच के साथ चार पार्सल कोच भी लगेंगे, ताकि यात्रियों को सामान बुक कराकर ले जाने में आसानी हो। दिल्ली से पूर्व दिशा की ट्रेनों में पूरे वर्ष भीड़ होती है। लंबी प्रतीक्षा सूची रहती है। त्योहार के दिनों में यात्रियों की संख्या और बढ़ जाती है। जनरल कोच में लोगों को कष्टदायक स्थिति में यात्रा करनी पड़ती है। साथ ही स्लीपर कोच में भी भीड़ बढ़ रही है। बहुत यात्री वेटिंग टिकट लेकर यात्रा करते हैं। पंजाब के कुछ शहरों के साथ ही मुंबई, गुजरात से पूर्व दिशा की ट्रेनों में भी ज्यादा भीड़ होती है। ऐसे में त्योहार व गर्मी की छुट्टियों में विशेष ट्रेनें भी चलाई जाती हैं। अब इसका स्थायी हल निकालने के लिए ऐसे रूट पर पूरे वर्ष गैर वातानुकूलित ट्रेनें चलाने का फैसला किया गया है। इन राज्यों के लिए चलेंगी नई ट्रेनेंदिल्ली, उप्र, बिहार, बंगाल, असम, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश के लिए ये ट्रेनें चलाने की योजना है।

तैयार हो रहे हैं रैक, रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने की जांच

इन ट्रेनों के लिए रैक तैयार हो रहे हैं। एक तैयार रैक की रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने जांच की है। उनकी रिपोर्ट के आधार पर इसे चलाने का निर्णय लिया जाएगा। उम्मीद है कि पहली ट्रेन अमृतसर या पंजाब के किसी अन्य शहर से बिहार के किसी शहर के लिए चलाई जाएगी। आम चुनाव से पहले चुने गए अधिकांश शहरों के बीच इस तरह की ट्रेनें चलाने की तैयारी है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य (कर्षण एवं चल स्टाक) नवीन गुलाटी और सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) जय वर्मा सिन्हा ने नई दिल्ली स्टेशन पर रैक की जांच की।

दिव्यांग के लिए निशुल्क सहायक उपकरण कैंप

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर लव कुश रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित होने वाले विशाल मेगा हेल्थ कैंप में इस वर्ष भी दिव्यांग जनों के लिए कृत्रिम सहायक उपकरण लव कुश रामलीला कमेटी और भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिरकरिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किए जाएंगे, यह जानकारी लीला के प्रेसीडेंट अर्जुन कुमार ने एक विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया दिव्यांग जनों को लगाए जाने वाले कृत्रिम अंगो के साइज और उनका नाप लेने के लिए 29 अगस्त 2023 मंगलवार को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने नेशनल क्लब में एक शिविर लगाया जाएगा। सुबह दस बजे से दिव्यांग जनों के इन कृत्रिम अंगो का नाप विशेषज्ञों की टीम द्वारा लिया जाएगा और मोदी जी के जन्मदिन पर लव कुश कमेटी द्वारा आयोजित मेगा हेल्थ कैंप में इन उपकरणों को वितरित किया जाएगा। अर्जुन कुमार ने राजधानी के सभी दिव्यांग जनों और और उनके परिचित लोगो से अनुरोध किया है की वह अधिक से अधिक संख्या में इस कैंप में आए, फ्री वितरित होने वाले दिव्यांग सहायक उपकरणों व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल, वाकर, स्टिक बैसाखी, कानों की मशीन, सिलाई मशीन, महिलाओं को साड़ी वितरण, स्कूली बच्चों को स्कूली बैग, किताबें आदि के लिए पंजीकरण करवाया जा सकता है।

छावला में बीच सड़क ई-रिक्शा चालक से लूटपाट

नई दिल्ली । छावला इलाके में पांच बदमाशों ने ई-रिक्शा चालक से बीच सड़क पर लूटपाट को अंजाम दिया। विरोध करने पर बदमाशों ने चालक और सवारी दोनों की पिटाई कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 24 वर्षीय अजय कुमार परिवार के साथ पंकज गार्डन छावला इलाके में रहता है और वेलकम होटल में काम करता है। पीड़ित ने बताया कि 24 अगस्त की रात को वह अपना काम खत्म कर इस रिक्शा से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान जब ई-रिक्शा समता एन्कलेव पहुंचा तो बाइक सवार पांच लोगों ने ई-रिक्शा को रोक लिया। बदमाशों ने ई-रिक्शा चालक नवीश के साथ मारपीट शुरू कर दी और रिक्शा की चाबी छीन ली। उससे 8000 हजार रुपये लूट लिए। आरोपी पैसे, रिक्शा और बाकी समान लूटकर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में महिला के चेहरे पर ब्लेड से किए ताबड़तोड़ वार

नई दिल्ली। सितंबर में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली हाई अलर्ट पर है। दिल्ली पुलिस बदमाशों पर नकेल कसने में नकाम साबित हो रही है। भजनपुरा इलाके में बदमाश दिनदहाड़े एक महिला के गले से चेन लूटने लगा। विरोध करने पर महिला के चेहरे पर ब्लेड से ताबड़तोड़ वार कर दिए। महिला को लहूलुहान करके बदमाश फरार हो गया। घायल हालत में शिखा को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़िता की शिकायत पर भजनपुरा थाना पुलिस ने लूट व अन्य धारा में प्राथमिकी की है। इस वारदात से यह साफ पता चलता है कि बदमाश खुलेआम पुलिस को चुनौती दे रहे हैं और उनके सुरक्षा इंतजामों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

सिलाई सेंटर जा रही थी पीड़िता शिखा अपने परिवार के साथ भजनपुरा में रहती हैं। वह अपनी देवरानी शिवानी के साथ भजनपुरा में एक सिलाई सेंटर में प्रशिक्षण लेने जाती हैं। वह देवरानी के साथ सिलाई सेंटर जा रही थी, देवरानी थोड़ी पीछे चल रही थी। उसी दौरान पैदल ही एक बदमाश आया और शिखा को घेर लिया और उनके गले से चेन लूटने लगा।

चेहरे पर ब्लेड से ताबड़तोड़ वार किए पीड़िता ने विरोध किया तो बदमाश ने जेब से ब्लेड निकालकर उनके चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। महिला के घायल होने पर चेन तोड़ ली। शोर होने पर पीड़िता की देवरानी व राहगीर जब बदमाश की तरफ गए तो उसके हाथ से चेन गली में ही गिर गई और वह फरार हो गया। महिला के चेहरे पर अलग-अलग जगह चार से पांच वार के निशान हैं। दिनहदाड़े हुई इस वारदात ने बता दिया कि राजधानी में महिलाएं कितनी सुरक्षित हैं। वारदात से पीड़िता बुरी तरह से डरी हुई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

सड़कों पर रहने वाले बेघरों को हटाएगी दिल्ली सरकार, रैन बसेरों में बसाने की चल रही तैयारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार प्रमुख सड़कों से बेघरों और भिखारियों को पकड़कर रैन बसेरों में भेज रही है, जिसमें कश्मीरी गेट बस अड्डा, राजघाट और हनुमान मंदिर, शांतिवन लालबत्ती जैसे इलाकों पर फोकस बढ़ाया गया है। चांदनी चौक के मुख्य मार्ग से भी बेघरों और भिखारियों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

ताकि इस प्रमुख बाजार में विदेशी मेहमानों के आने पर बेघर और भिखारी वहां नजर नहीं आएं। शुक्रवार से यह अभियान और तेज होने जा रहा है। अगले आठ सितंबर तक बीच-बीच में यह कार्रवाई जारी रहेगी। इन लोगों को द्वारका और रोहिणी के रैन बसेरों में भेजा जा रहा है। जहां उन्हें नाश्ता और भोजन दिया जा रहा है।

निगम और पुलिस की टीमें काम कर रहीं दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब), समाज कल्याण विभाग, दिल्ली नगर निगम और पुलिस की टीमें मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दे रही है। इस कार्य में डूसिब के ही 24 कर्मचारी लगाए गए हैं। पिछले तीन माह से अभी तक प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को यह कार्रवाई होती रही है। समितियां करेंगी इनकी देखभाल

वर्षा हो जाने से पिछले बुधवार को यह कार्रवाई नहीं हो सकी है। इसलिए शुक्रवार को टीम में शामिल कर्मचारियों की संख्या दोगुनी रहेगी। दिव्यांग बेघरों को सरकारी देखभाल केंद्रों में ले जाया जा रहा है और महिला एवं बाल विकास विभाग की समितियां इनकी देखभाल करेंगी। संबंधित जिले की सरकारी एजेंसियों के साथ डूसिब समन्वय करेगा। डूसिब के अधिकारी के अनुसार, दिल्ली में अभी भी ऐसे बेघरों की संख्या 10 हजार से अधिक है, जो सड़कों पर रहते हैं। भिखारियों को लेकर कुछ आंकड़े

समाज कल्याण विभाग और मानव विकास संस्थान द्वारा कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली में 20719 भिखारियों की पहचान हुई है, जिसमें 10,987 पुरुष, 9,541 महिलाएं और 191 ट्रांसजेंडर हैं। इस तरह भिखारियों में से 53 प्रतिशत पुरुष और 46 प्रतिशत महिलाएं हैं। भीख मांगने वालों की सबसे ज्यादा संख्या 2,797 पूर्वी दिल्ली जिले में है।

मेजर ध्यानचंद की स्मृति में मैत्री कॉलेज के साथ मिलकर करेंगे खेल दिवस की घोषणा

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के अवसर पर उच्च शिक्षा के अग्रणी संस्थान मैत्रेयी कॉलेज का शारीरिक शिक्षा विभाग उत्तरांचल हीरोज एफसी और न्यू ओरिएंटेड एजुकेशन के साथ मिलकर 29 अगस्त, 2023 को आगामी राष्ट्रीय खेल दिवस की घोषणा करेगा यह कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज में 29 अगस्त, 2023 मंगलवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रमुख शिप्रा वर्मा ने कहा की खेल हमारे जीवन नयी दिशा देता है न सिर्फ विश्वविख्यात बनता है बल्कि हमारे शरीर को भी स्वस्थ बनता है शिप्रा वर्मा ने आगे कहा की इस दिन किसी भी खेल में 100-200 दिग्गज खेल हस्तियों को उनकी जीवन भर की उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा, इस राष्ट्रीय थीम को ध्यान में रखते हुए, हम समारोह के दौरान विभिन्न खेलों की दिग्गज खेल हस्तियों को याद करने और सम्मानित करने की भी योजना बना रहे हैं, साथ ही खेल से जुड़ी कुछ और हस्तियों ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए बहुत विनम्रतापूर्वक सहमति व्यक्त की है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए मैत्रेयी कॉलेज ने सर्वसम्मति से भारत के महत्वाकांक्षी, उभरते युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और भारत के सम्मानित दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भारतीय राष्ट्रीय खेल दिवस के बारे में अधिक जागरूकता फैलाने के लिए प्रचार प्रसार शुरू हो गया है। मैत्रेयी कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. हरितमा चोपड़ा ने कहा की अब समय आ गया अपने देश खेल में गोल्ड दिलाने का हमारी कोशिश है स्पेशल ओलंपिक भारत के सहयोग से मैत्रेयी कॉलेज ओपन सेंटर भारतीय युवाओं की प्रतिभा को निखारने और मैत्रेयी कॉलेज में आयोजित होने वाले अन्य खेल आयोजनों के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

पति से माता-पिता छुड़वाकर उस पर घर जमाई बनने का दबाव डालना क्रूरता के समान- हाईकोर्ट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पति से माता-पिता छुड़वाकर उस पर घर जमाई बनने का दबाव डालना क्रूरता के समान है। यह टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने एक शादीशुदा जोड़े को तलाक की आधिकारिक मंजूरी दे दी। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि एक पत्नी अपने पति से अपने माता-पिता को छोड़ने और घर जमाई बनने या उसके घर में रहने का आग्रह करना क्रूरता के समान है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने विवाह करने वाले एक जोड़े का तलाक मंजूर कर लिया। दोनों ने 2001 में विवाह किया था। इसके एक साल बाद अलग रहना शुरू कर दिया था।

दिल्ली में नए स्कूल का उद्घाटन, आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

शिक्षा मंत्री आतिशी ने पीतमपुरा कोहाट एन्क्लेव में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के नए भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली देश का इकलौता ऐसा राज्य, जहां निजी स्कूल छोड़ कर बच्चे सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने लगे हैं। दिल्ली में चार लाख विद्यार्थियों ने निजी स्कूल छोड़ कर सरकारी स्कूल में दाखिला लिया।

3 दिन तक दिल्ली रहेगी बंद, सड़कों पर पसरा रहेगा सन्नाटा

- दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सितंबर माह में चार दिनों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में सितंबर माह में होने वाले जी-20 समिट के आयोजन में सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के हिस्सा लेने के चलते दिल्ली पुलिस व प्रशासन ने सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी के तहत दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सितंबर माह में चार दिनों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जी-20 के तहत जारी एडवाइजरी में कहा है कि सितंबर माह में सात से लेकर 10 तारीख की मध्यरात्रि तक लुटियन्स दिल्ली में बसें नहीं चलेंगी। ऐसे में अगर लोगों को कहीं जाना है तो उन्हें मेट्रो लेने की सलाह दी गई है।

दिल्ली पुलिस इस दौरान एक हेल्पडेस्क बनाएगी जिस पर उपलब्ध यातायात साधनों की जानकारी होगी और पास के मेडिकल सुविधा की भी जानकारी उपलब्ध रहेगी।

इस दौरान एंबुलेंस के आने-जाने और आवश्यक सेवाओं पर रोक नहीं रहेगी। नई दिल्ली इलाके में किसी भी तरह की बस के चलने पर मनाही होगी। हालांकि लोग मेट्रो का इस्तेमाल पूरी तरह से कर सकते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने भी मेट्रो इस्तेमाल करने की ही सलाह दी है।

जो लोग लुटियंस दिल्ली इलाके में रहते हैं या वो पर्यटक जो इलाकों के होटलों में रुके हैं उन्हें टैक्सी या ऑटोरिक्शा से आने-जाने की इजाजत होगी।

दिल्ली एयरपोर्ट से लुटियंस दिल्ली इलाके में आने वाले लोगों को आईडी कार्ड के प्रॉपर वेरिफिकेशन के बाद ही प्रवेश मिलेगा।

अधिकारियों का कहना है कि इंटर-स्टेट बसें दिल्ली में प्रवेश तो कर सकेंगी लेकिन इंटर-स्टेट बस टर्मिनल पर रुक नहीं सकेंगी।

एंबुलेंस सहायता सेवा के लिए लोग 6828400604 पर कॉल कर सकेंगे। इस सेवा को सात सितंबर की रात्रि में लॉन्च किया जाएगा।

प्रगति मैदान स्थित अंतरराष्ट्रीय कंवेन्शन सेंटर में 9 और 10 तारीख को होने वाले समिट के लिए 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जो यातायात को सुचारू बनाने का काम करेंगे।

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए फीस में 90 फीसदी तक की छूट : प्रो. योगेश सिंह

- दिल्ली विश्वविद्यालय ईसी की 1267 वीं बैठक आयोजित
- वित्त समिति की सिफारिशों को भी प्रदान की गई स्वीकृति

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद (ईसी) की 1267 वीं बैठक का आयोजन शुक्रवार, 25 अगस्त को विश्वविद्यालय के कान्वेंशन हाल में हुआ। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा की गई। ईसी की बैठक के दौरान विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 17 अगस्त, 2023 को आयोजित हुई बैठक में की गई सिफारिशों पर भी विचार उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए विश्वविद्यालय के गैर-लेखापरीक्षित वार्षिक खातों, हॉल और छात्रावास, भविष्य निधि व राष्ट्रीय पेंशन योजना को स्वीकार करके अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही भवन निर्माण समिति की अनुशंसाओं को भी स्वीकृत प्रदान की गई। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुछ विभागों के बजट अनुमानों के संशोधन को भी स्वीकार किया गया। बैठक के दौरान एक सदस्य द्वारा पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ की फीस पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कुलपति ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय सहायता योजना के तहत फीस में 90% तक छूट का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों के माता-पिता की आय चार लाख रुपये या उससे कम है, उन्हें फीस में 90 प्रतिशत छूट दी जाएगी। जिन विद्यार्थियों के माता-पिता की आय चार से आठ लाख रुपए तक है, उन्हें फीस में 50 प्रतिशत छूट है। कुलपति ने बताया कि पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ के विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए भी विश्वविद्यालय की ओर से 50 हजार रुपए तक प्रतिपूर्ति की जाएगी। केंद्रीय मूल्यांकन केंद्रों (सीईएस) में लगे विभिन्न स्तरों के कर्मचारियों को देय पारिश्रमिक की दरों में संशोधन के लिए गठित समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कार्यकारी परिषद द्वारा उनका भी अनुमोदन किया गया। इसी तरह प्रैक्टिकल परीक्षाओं के संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर देय पारिश्रमिक की दरों में संशोधन को स्वीकार किया गया और समिति के इस निर्णय को भी स्वीकृति प्रदान की गई कि जहां भी ह्यवार्षिकह्ल शब्द आ रहा है, उसे ह्यसेमेस्टरह्ल के रूप में पढ़ा जा सकता है।

ईसी की बैठक के दौरान 11 अगस्त को आयोजित हुई अकादमिक परिषद (एसी) की 1015 वीं बैठक में की गई सिफारिशों पर विचार किया गया। इसके तहत अंडर ग्रेजुएट कुरीर्कुलम फ्रेमवर्क- 2022 (यूजीसीएफ-2022) के अनुसार विभिन्न विभागों एवं कॉलेजों के लिए चौथे, पांचवें और छटे स्मेस्टर के सिलेबस को भी स्वीकृति प्रदान की गई। ईसी की बैठक के दौरान दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग के अंतर्गत स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के विद्यार्थियों के लिए भी यूजीसीएफ-2022 के अनुसार स्व-शिक्षण सामग्री (एसएलएम) को स्वीकार किया गया।

परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि अकादमिक परिषद के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों के आलोक में एसओएल की स्व-शिक्षण सामग्री (एसएलएम) की समीक्षा एक विशेषज्ञ समूह द्वारा की जाएगी। अपडेटड/ संशोधित एसएलएम को अकादमिक परिषद की अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ प्रोग्राम के एससी/एसटी और पीडब्ल्यूबीडी विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित पंजीकरण शुल्क को 1200 रुपये से घटा कर 1000 रुपये तय किया गया। पीएचडी. गाइडिंग के संदर्भ में सीएएस के तहत पदोन्नति के लिए पात्रता मानदंड को भी यूजीसी के निर्णय के अनुसार अनुमोदित कर दिया गया। इसके तहत योग्य स्थायी संकाय सदस्य अपनी परिवीक्षा अवधि के दौरान भी पीएचडी स्कॉलर को गाइड कर सकते हैं।

डूसू चुनाव में 3 वर्ष की छूट

विभिन्न छात्र यूनियनों द्वारा की गई मांग के अनुसार डूसू चुनाव लड़ने और मतदान करने के लिए उम्र में 3 वर्ष की छूट दी गई है। इस वर्ष यूजी विद्यार्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा को 22 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष और पीजी विद्यार्थियों के लिए 25 वर्ष से बढ़ाकर 28 वर्ष तक किया गया है। यह छूट केवल एक बार के लिए होगी।

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम में होगा वैदिक गणित मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से यूजीसीएफ-2022-23 के तहत वैदिक गणित- क्क्क वैदिक गणित- क्क्र और वैकः राष्ट्रीय कैडेट कोर- क्क्क मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों को भी लागू किए जाने को स्वीकृत प्रदान की गई। इनके अतिरिक्त अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेव्लपमेंट सेल (आरडीसी) की संगठनात्मक संरचना हेतु भी विभिन्न समितियों के गठन को भी अनुशंसित किया गया। एक आरडीसी सलाहकार समिति होगी जिसके साथ पाँच अलग-अलग समितियां होंगी।

स्किल एनहांसमेंट कोर्सों से सक्षम बनेंगे विद्यार्थीः कुलपति ईसी की इस बैठक के दौरान यूजीसीएफ-2022 के अनुरूप स्किल एनहांसमेंट कोर्सेज (एसईसी) के पेपर आधारित पाठ्यक्रम भी मंजूर किए गए। इनमें बेसिक ऑफ फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन, बेसिक ऑफ फोरेंसिक साइंस, बेसिक लैबोरेटरी टेक्निक्स, पब्लिक हैल्थ हाइजीन एंड न्यूट्रिशन, ला टेक्स टाइपसेटिंग फॉर बिगनर्स, मैथमेटिकल मॉडलिंग विद एक्सेल, फाइनेंसियल मॉडलिंग विद एक्सेल, नेटवर्क फ्लोव्स, आर-शिनीः पावरफुल वेब एप्प्स फॉर एवरीवन और स्पोकन पर्शियनः एलेमेंट्री लेवेल जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि इन कोर्सों के बाद विद्यार्थी खाद्य और औषधि मूल्यांकन केंद्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्लेसमेंट पाने में सक्षम हो सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुख्यमं बीपी मण्डल का मनाया गया जयन्ति समारोह

आरा। कृष्ण चेतना समिति सभागार में अखील भारतवर्षीय यादव महासभा भोजपुर इकाई के जिलाध्यक्ष यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया के अध्यक्षता में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी चिंतक मण्डल आयोग के अध्यक्ष बी पी मण्डल के जयन्ति समारोह मनाया ।समारोह के संचालन श्री सुदर्शन यादव ने किया ।समारोह के उद्घाटन प्रो विजय सिंह मुंखिया एवं डॉ रघुबर प्रसाद चन्द्रवँशी ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।अपने सम्बोधन में प्रो विजय सिंह मुंखिया ने कहा कि बीपी मण्डल एक सम्पन्न परिवार बनारसी में हुआ था ।हालांकि उनका पैतृक गांव मधपुरा में है ।वे बचपन से ही आजादी के लड़ाई में शामिल हो गए थे ।तथा देश के प्रति जागरूक थे ।डॉ रघुबर प्रसाद चंद्रवंशी ने कहा कि बीपी मण्डल जी समाजवाद के प्रखर प्रहरी और आजादी के अग्रदूत थे वे हमेशा गरीब वंचित समाज के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष किये थे उन्होंने समाजवाद के प्रचार प्रसार दिन रात करते थे ।समारोह को सम्बोधन करने वाले लोगो मे अमरजीत सम्राटअशोक मास्टर महेंद्र गिरी मण्डल जितेंद मास्टर रितेश यादव दिनेश यादव वकील यादव सन्तोष यादव सतेंद्र यादव रोहन यादव सीताराम यादव गणेश यादव रामबालक सिंह कामेश्वर यादव रामेश्वर यादव बिरेन्द्र यादव जगरनाथ भुनेश्वर यादव प्रयाग प्रमोद यादव जगदीश यादव सोमारू यादव जितेंद यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

भोजपुर सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति जख्मी

आरा। आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के पीरो गांव के समीप गुरुवार की सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएचसी से आरा सदर अस्पताल आया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में सारण (छपरा) जिला के बनियापुर थाना क्षेत्र के बनियापुर गांव निवासी जय शंकर सिंह एवं उनकी पत्नी इंदु देवी शामिल है। इधर इंदु देवी ने बताया कि उनकी पुत्री प्रीति कुमारी बिहार पुलिस में सिपाही है एवं वर्तमान में रोहतास जिले के डिहरी ऑनसोन में पोस्टेड है। बुधवार को वह अपने पति जय शंकर सिंह के साथ बाइक से अपनी बेटी प्रीति कुमारी से मुलाकात करने के लिए डिहरी ऑनसोन गई थी। गुरुवार की सुबह जब वे दोनों वहां से वापस बाइक से अपने गांव लौट रहे थे ।उसी दौरान पीरो गांव के समीप उनकी बाइक अचानक नियंत्रित हो गई ।जिससे दोनों गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है ।इस हादसे में जय शंकर सिंह को काफी गंभीर चोटे आई हैं।

चतुर्थवर्गीय कर्मी को बहाल किए जाने पर डीएम को दी बधाई

गया ।जिला जनता दल यू के उपाध्यक्ष एवं जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण के सदस्य जितेंद्र कुमार दास ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के केबिनेट में लिए गए निर्णय गया जिला के बेलागंज प्रखंड,टिकारी प्रखंड एवं डोभी प्रखंड में अनुसूचित जाति,जनजाति कल्याण विभाग द्वारा भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय के निर्माण का स्वागत किया है। श्री कुमार ने कहा सात सौ बीस बेड और 46;08 करोड़ की लागत वाले आवासीय विद्यालय निर्माण हो जाने से छात्राओं को काफी लाभ होगा। इस निर्णय को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण विभाग के मंत्री रत्नेश सदा,अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग के सचिव दिवेश सेहरा एवं जिला पदाधिकारी डॉ0 त्याग राजन एस एम को बधाई दिया है।

असमर्थ लोगों को छोटे किस्तों पर भूमि उपलब्ध कराय ,अपने घर का सपना पूरा हो सके:गौरव

गया। शहर के केपी रोड स्थित सभा स्थल पर पर युवा जदयू के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष कुमार गौरव का युवा नेता शिवा पांडेय की अध्यक्षता में फूटपाथ संघ के तमाम लोगों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह में युवा जदयू के नवनिर्वाचित गया जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मैंने आप फूटपाथ संघ के लोगों की बातों को सुना। मुझे इस बात से काफी दुख हुआ। मैं इस बात के लिए संघ को आश्वस्त करता हूं कि बहुत जल्द मैं आपकी बातों को बिहार के जनप्रिय व लोकप्रिय नेता नीतीश कुमार तक पहुंचाउंगा। आपकी मांग को उनके समक्ष प्रस्तुत कर आपके लिए स्थायी स्थल का चयन कर अपने व्यवसाय को करने के लिए सुविधा मुहैया कराने का भरपूर प्रयास करुंगा। बिहार के मुख्यमंत्री लगातार जनसेवा के लिए काम को करते आ रहे हैं। आपको याद होगा कि हमने फूटपाथ तथा आर्थिकरुप से कमजोर लोगों के लिए छोटे किस्त पर गया, जहानाबाद में भूमि उपलब्ध कराना शुरू किया तो आज आर्थिक रुप से असमर्थ सैकड़ों परिवारों को भूमि उपलब्ध करा चुके हैं।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय का आरा आगमन पर भाजपा की पूर्ण तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय का 26 अगस्त को भोजपुर जिला मे आगमन हो रहा है ।केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री जिले के विभिन्न कार्यक्रमों मे शामिल होंगे। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे तैयारी को लेकर लगातार बैठको का दौर जारी है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि नित्यानंद राय जी 11:00 बजे कोईलवर आ जाएँगे जहाँ उनका भब्य स्वागत किया जाएगा। उसके बाद जगदीशपुर किला मैदान मे बाबू कुँवर सिंह को माल्यार्पण करेंगे एवं दलीपपुर मे उनके वंशजो से मिलेंगे। संदेश विधानसभा के संदेश हाईस्कूल मैदान और बड़हरा बिधानसभा के बिराहिमपुर करजा हाईस्कूल मैदान मे अन्य पार्टियों से आएँ पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, महादलित लोगो का मिलन समारोह मे शामिल हो कर उन्हे पार्टी की सदस्यता दिलाएँगे। सायं को भाजपा जिला कार्यालय बामपाली मे जिला पदाधिकारियो,वरिष्ठ कार्यकताओ, नेताओं और सक्रिय कार्यकताओ के साथ संवाद सह सहभोज मे शामिल होंगे। उनके आगमन पर सभी जगह बैनर पोस्टर लगाएँ गए है।

वहीं बड़हरा विधानसभा अंतर्गत बिराहिमपुर हाईस्कूल मैदान मे मिलन समारोह की तैयारी के लिए बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व मे एक बैठक की गई। पूर्व मंत्री सह बड़हरा विधायक ने कार्यक्रम के बारे मे बताते हुए कहा कि बिराहिमपुर हाईस्कूल मैदान मे अन्य पार्टी से आए हजारो दलित,महादलित, पिछड़े,अतिपिछड़ा खासकर बिंद समुदाय के कार्यकताओ को केन्द्रीय मंत्री द्वारा पार्टी की सदस्यता दिलाई जाएगी ।उनके आगमन को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है। कार्यक्रम के लिए पंडाल बनाया गया है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अपने नेता के स्वागत के लिए ढोल-बाजे,फूल-माला आदि की तैयारी किए है और पोस्टर-बैनर चारो तरफ लग गया है। भाजपा मे बहुत तेजी से पिछड़े और दलित शामिल हो रहे है ।भाजपा सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास वाली पार्टी है ।आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे देश दिन दुनी रात चौगुनी विकास कर रहा है। आज हम चांद पर पहुंच गए। बैठक मे जिला उपाध्यक्ष ई.धीरेन्द्र सिंह,हरेन्द्र पांडेय,मिथिलेश कुशवाहा, धीरज सिंह,संजय तिवारी, उज्जवल सिंह,रामबाबू पांडे,गोपाली तिवारी, संपत सिंह आदि कार्यकर्ता थे। वही संदेश विधानसभा के संदेश मे भाजपा नेता रामदिनेश यादव के नेतृत्व मे तैयारी बैठक की गई, जिसमे सभी मंडल अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने की दो बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर, आरा आदित्य सुमन के अध्यक्षता में दो बैठक की गई।

जिसमें एक बैठक में खनन विभाग एवं विद्युत विभाग के पदाधिकारीगण द्वारा किया गया जिसमें अधिक से अधिक निष्पादित हो सकने वाले वादों पर विचार विमर्श किया गया। वही दूसरी बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित बीमा वाद में कंपनी के पदाधिकारीगण एवं उनके अधिवक्ता के साथ किया गया। बैठक में सचिव द्वारा वादों के अधिक से अधिक निष्पादन हेतु चर्चा की गई, तथा बीमा कंपनी के अधिवक्तागण को कई आवश्यक निर्देश दिया गया। बैठक में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर, आरा आदित्य सुमन ने यह भी कहा कि यदि किसी पक्षकारगण के सुलहनीय वाद में अधिवक्ता नियुक्त नहीं है और पक्षकारगण अपना वाद सुलह करना चाहते हैं तो वे सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में संपर्क कर अपने वाद का निशुल्क निष्पादन सुलह के आधार पर कर सकते हैं साथ ही सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार भोजपुर आरा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार हो इसके लिए जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी के सहयोग से जिले में मुख्य 10 स्थान को चिन्हित कर होर्डिंग के माध्यम से भी आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

सुखाड़ क्षेत्र धोषीत करे सरकार : जिलाअध्यक्ष

गया ।भारतीय जनता पार्टी गया जिला के द्वारा गया जिला को पूर्ण सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने के लिए गया के गांधी मैदान धरना स्थल पर एक दिवसीय धरना जिला अध्यक्ष प्रेमप्रकाश चिंटू सिंह की अध्यक्षता में किया गया ।धरना के बाद जिला पदाधिकारी गया को मांग पत्र गया समाहरणालय में दिया गया आज के धरना को संबोधित करते हुए पूर्व कृषि मंत्री सह गया शहर विधायक डॉक्टर प्रेम कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे मगध क्षेत्र में बारिश नहीं होने के चलते सुखाड़ की स्तिथि हो गया है किसान त्राहिमाम कर रहा है लेकिन बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार हवाई सर्वेक्षण कर खाना पूर्ति कर रहा है आज धरना के माध्यम से मगध क्षेत्र को सुखाड़ क्षेत्र घोषित किया जाए एवं किसान ऋण ,बिजली शुल्क माफ किया जाय, मैं खुद बिहार सरकार के कृषि मंत्री के रूप में कृषि रोड मैप के तहत कार्य करके संयुक्त कृषि भवन का निर्माण,उत्तर कोइल सिंचाई परियोजना कृषि उत्पादन एवं जैविक खेती के बलबूते बिहार उन्नत खेती में कृतिमान स्थापित किया गया।

भोजपुर में जेसीबी ने बाजार कर घर वापस लौट रही दादी-पोती को मारी टक्कर,पोती की मौत

जख्मी बृद्ध महिला का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुरी जिले के चांदी थाना क्षेत्र के चांदी चौक पर गुरुवार की शाम जेसीबी ने बाजार कर घर वापस लौट रही दादी-पोती को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पोती की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दादी गंभीर रुप से हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मच रही। वही मौके पर पहुंची पुलिस ने उक्त जेसीबी को जब्त कर लिया है। जबकि चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मृत बच्ची चांदी थाना क्षेत्र के नरही गांव निवासी चंदन कुमार की 5 वर्षीया पुत्री सोनी कुमारी है एंव वह आंगनबाड़ी में पढ़ती थी। वही जख्मी बृद्ध महिला लक्ष्मण राय की 60 वर्षीया पत्नी व मृत बच्ची की दादी रामकेशरी देवी है। इधर मृत बच्ची की दादी रामकेशरी देवी ने बताया कि गुरुवार की शाम वह अपनी पोती सोनी कुमारी के साथ अपने गांव से चांदी बाजार सब्जी खरीदने आई थी। सब्जी खरीदने के बाद जब वी अपनी पोती के साथ सड़क किनारे से घर वापस लौट रही थी। उसी दौरान पीछे से आ रही जेसीबी ने पहले उनकी पोती सोनी कुमारी को रौंदा। जब वह उसे बचाने गई तो जेसीबी की चपेट में आने से वह भी गंभीर रुप से जख्मी हो गई। इसके बाद मौके पर पहुंची चांदी थाना की पुलिस द्वारा दोनो इलाज के लिए आरा अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक अपने देख उनकी पोती सोनी कुमारी को मृत घोषित कर दिया। वही जख्मी रामकेशरी देवी का इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में ले कर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है है कि मृत बच्ची अपने दो भाई व एक बहन में बड़ी थी एवं अपने मां-बाप इकलौती लाडली थी। मृत बच्ची के परिवार में मां पूनम देवी वी एक भाई सूरज कुमार एक बहन सलोनी कुमारी है। हादसे के बाद मृत बच्ची के घर में कोहराम मच गया है। वही हादसे के बाद मृत बच्ची की मां पूनम देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों करो रो-रोकर बुरा हाल है।

खेत में रखे गिट्टी पर ट्रैक्टर चढ़ जाने को लेकर दो दंपति समेत पांच की पिटाई

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव में शुक्रवार की देर शाम खेत में रखे गिट्टी पर ट्रैक्टर चढ़ जाने के विवाद को लेकर एक ही परिवार के दंपति समेत पांच लोगों की जमकर पिटाई कर दी गई। इससे सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए संदेश रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव निवासी सुरेंद्र चौधरी,उनकी पत्नी जवांती देवी, दो पुत्र गोविंद कुमार,योगेंद्र चौधरी एवं एक पुत्री ललिता कुमारी शामिल है। इधर ललिता कुमारी ने बताया कि दस दिनों से 6 कट्ठा जमीन को लेकर चाचा से विवाद चला रहा है और चाचा द्वारा पहले से अपने जमीन पर गिट्टी गिराया गया था। शुक्रवार की शाम जब उसके पिता सुरेंद्र चौधरी के द्वारा ट्रैक्टर से अपने जमीन पर गिट्टी गिराया गया था। गिट्टी गिराने के बाद जब ट्रैक्टर वापस लौट रही थी और लौटने क्रम में उसके चाचा के गिट्टी पर ट्रैक्टर का चक्का चढ़ गया। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। जिसके बाद उसके चाचा ने अपने परिवार वालों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से सभी लोगों की पिटाई कर दी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए संदेश रेफरल अस्पताल से आरा से सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी ललिता कुमारी ने अपने चाचा धर्मेंद्र चौधरी एवं उनके परिवार के सदस्यों पर मारपीट कर सभी लोगों को जख्मी करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

भारतीय क्रांति वीर पार्टी का तेरह सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। प्रखंड मुख्यालय पर भारतीय क्रांति वीर पार्टी द्वारा अपनी तेरह सूत्री मांगों को लेकर तिसरे दिन भी अपने पांच साथी के साथ अनिश्चितकालीन अनशन पे बैठे रहे समाचार लिखने तक कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा था वही क्रांति वीर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वैद्य कृष्णा पासवान ने साफ तौर पर बताया कि मुझे अनशन स्थल पर शाहिद क्यों ना होना पड़े मैं तब तक नहीं हटूंगा और उन्होंने बताया कि खासकर इंदिरा आवास, नहर के पानी, और बिजली बिल पर सरकार द्वारा मेरी मांगे पूरी नहीं होगी तब तक मैं अनशन पर बैठे रहूंगा । जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वैधराज कृष्ण पासवान सहित पांच लोग अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं। उनके साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी शामिल हैं। अनशन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इस समय भ्रष्टाचार, महंगाई , बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गया है। लेकिन कोई सुध लेने वाला नहीं है। सोन नदी से लगातार अवैध खनन किया जा रहा है लेकिन कोई रोकने वाला नहीं है। जिसके कारण सोन तटीय इलाकों में पेयजल संकट उत्पन्न हो जाता है। अनशन के दौरान पार्टी द्वारा सोन नदी से अवैध खनन, पेयजल समस्या, सिंचाई, सुखाग्रस्त घोषित करने की मांगों सहित तेरह सूत्री मांगों का मांग पत्र जारी किया गया है। अनशनकारीयों में वैधराज कृष्ण पासवान, सकलदीप चौधरी, नारायण राय, राम शुक्ला दास एवं राम गोविंद यादव शामिल हैं। वही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि 2 दिन बीतने जा रहा है लेकिन अभी तक कोई भी नहीं पहुंचा और उन्होंने दो दिन के और अल्टीमेटम दिया है यदि 2 दिन के अंदर मेरी मांग पूरी नहीं हुआ तो कार्यकताओं के द्वारा स्टेट हाईवे रोड को भी जाम कर दिया जाएगा।

भोजपुर में मारपीट में जख्मी अधेड़ की मौत

संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव में बीते शुक्रवार की देर शाम घटी थी घटना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव में मारपीट में जख्मी अधेड़ की मौत हो गई। इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह उन्होंने पटना के पीएमसीएच में दम तोड़ दिया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय थाना मौके पर पहुंचे शव का पोस्टमार्टम पीएमसीएच में करवाया। इसके बाद परिजन उनके शव को गांव ले आए और आरोपियों की गिरफ्तारी एवं मुआवजे की मांग को लेकर चिल्होस गांव में शव को सड़क के बीचो-बीच रख सड़क जाम कर दिया ।सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कटारे लगी रही एवं आवागमन घंटे ठप रहा। इधर सड़क जाम की सूचना पाकर संदेश थानाध्यक्ष अवधेश कुमार पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और लोगों को समझा बूझकर सड़क जाम को हटाया है। इसके बाद परिजन उन्होंने शव का दाह-संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार मृतक संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव निवासी स्व.सहबीर चौधरी के 50 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र चौधरी हैं एवं वह पेशे से किसान थे। बता दे की बीते शुक्रवार की शाम जमीन पर रख गिट्टी पर ट्रैक्टर का चक्का चढ़ जाने के विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। जिसमें एक पक्ष से संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव निवासी सुरेंद्र चौधरी, उनकी पत्नी जवांती देवी,दो पुत्र गोविंद कुमार,योगेंद्र चौधरी एवं एक पुत्री ललिता कुमारी जख्मी हो गई थी ।जिसके बाद सभी को इलाज के लिए अरशद अस्पताल लाया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद सुरेंद्र चौधरी की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था।

जहां चार दिन चले इलाज के बाद गुरुवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं मामले में संदेश थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों द्वारा प्राथमिक की दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए मृतक एक पुत्र एवं दूसरे पक्ष के एक अन्य युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हादसे के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। वहीं हादसे के बाद मृतक की पत्नी जवांती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर में अचानक तबीयत बिगड़ने से होमगार्ड जवान की मौत

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में शुक्रवार की अहले सुबह अचानक तबियत खराब होने जाने से एक होमगार्ड जवान की मौत तो गई। घटना को लेकर लोगों से बीच अफरा-तफरी मच रही। जानकारी के अनुसार मृतक जवान सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी स्व.जगदीश सिंह के 57 वर्षीय पुत्री जंग बहादुर सिंह है। वह होमगार्ड जवान थे एवं वर्तमान पीरो अनुमंडल के पीरो एसडीओ के आवास पर होमगार्ड जवान के पद पर कार्यरत थे। इधर मृतक जवान के बेटे मुकेश यादव ने बताया कि गुरुवार को अपनी ड्यूटी कर शाम को घर वापस लौटे। घर पर लौटने के कुछ देर बीत जाने के बाद ही उनकी तबियत अचानक काफी बिगड़ गई। जिसके बाद परिजन द्वारा होने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में शुक्रवार की अहले सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

हजारों की संख्या में परीक्षार्थियों ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में शरण लेकर दिया परीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा । बीपीएससी द्वारा आयोजित शिक्षक परीक्षा के लिए लाखों की संख्या में परीक्षार्थियों को हो रही परेशानी से निजात दिलाने के लिए भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने कार्यालय को छात्रों के लिए निवास स्थल के रूप में तात्कालिक रूप से निशुल्क सहयोग करने का काम किया है हजारों की संख्या में परीक्षार्थियों ने भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय शहीद भवन आरा में शरण लेकर परीक्षा देने का काम किया जिसके लिए भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक राम ने सराहनीय कार्य किया है दिन-रात लगकर छात्रों को रहने खाने के प्रबंध सुनिश्चित किया है कष्ट में पड़े छात्रों को भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा ठहरने के लिए जगह प्रबंधन करने से छात्रों में हर्ष एवं उल्लास का माहौल है कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रति छात्रों का रुझान तेजी से बड़ा है छात्र समझ रहे हैं कि कांग्रेस जब विपक्ष में भी है तो हमें ठहरने का जगह तक दे रही है भाजपा जब सत्ता में है तो नौकरी भी छीन रही है रहने खाने का व्यवस्था भी कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहा है कांग्रेस का साथ हमेशा छात्रों और नौजवानों को मिला है राहुल गांधी के प्रति विश्वास जताते हुए छात्रों ने अगले चुनाव में राहुल गांधी जी को सपोर्ट करने का निर्णय भी लिया है भारतीय अशोक राम अध्यक्ष भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी

नित्यानंद राय के आगमन को लेकर खेसरहीया मे महिला मोर्चा की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा विधानसभा के क्षेत्र अंतर्गत कोईलवर प्रखंड के कोईलवर उत्तरी मंडल के आज दिनांक 25 अगस्त को बड़हरा में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय जी के आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा के नेतृत्व में कोईलवर उतरी मंडल के खेसरहीया पंचायत में सशक्त संगठन महिला मोर्चा कार्यकताओं द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता ममता सिंह के द्वारा किया गया। वहीं मंच संचालन महामंत्री विजेता शर्मा ने किया। बैठक में कार्यक्रम के क्रियानात्मक तैयारी एंव समीक्षा की गई। वहीं महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष ममता सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय के आगमन को लेकर महिला, पिछड़ा एवं दलित वर्ग से महिलाओं की अधिक से अधिक संख्या उपस्थिति को लेकर बैठक किया गया। जिसमें महिला मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि हम महिलाएं हजारों हजार की संख्या में वहां पहुंचेंगे और कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। वही इस बैठक में अधिक से अधिक महिलाओं को चलने के लिए कार्यकताओं में जोश भरा। इस मौके जिला उपाध्यक्ष शकुंतला सिंह, मीडिया प्रभारी अनुपमा कुमारी,जिला मंत्री संगीता देवी, कोषाध्यक्ष सुनीता कुमारी,अनिता,जिरा देवी,आदि अन्य महिला कार्यकर्ता उपस्थित हुई।

गुलनार में दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रशिक्षण शिविर शुरू

प्रातः किरण संवाददाता/ गया। भाई बहन का सबसे पवित्र त्योहार रक्षाबंधन पर शहर के मीर अबू सालेह रोड स्थित स्वयंसेवी संस्था गुलनार निःशुल्क महिला सिलाई सेंटर द्वारा संस्थान प्रांगण में शुक्रवार को दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया।

इस प्रशिक्षण शिविर में 39 छात्राएं भाग ले रही है। अध्यापिका पूनम कुमारी व नंदनी कुमारी प्रशिक्षणार्थियों को कलात्मक राखियां बनाने का प्रशिक्षण दे रही है. इस प्रशिक्षण शिविर का समापन 26 अगस्त को होगा।

जनता दरबार स्थगित रहने पर भी लोगों की समस्या सुनी गई

गया ।जनता दरबार स्थगित रहने के बावजूद समाहरणालय में कई व्यक्तियों को आए देखते हुए जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने उनकी समस्याओं को सुना गया है। आज जनता दरबार में आये हुए लगभग 100 व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास , मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है ।कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हैं उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी तथा थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए गए हैं। जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी, पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे ।कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए जिसपर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें ।जनता दरबार के सुनवाई में आपदा विभाग के द्वारा विभिन्न लंबित आवेदन के विरुद्ध जांच करते हुए जिला आपदा पदाधिकारी उसे तेजी से अनुपालन करवाये। बिजली विभाग के बिजली बिल ज्यादा आने, घर का बिजली कनेक्शन जोड़ने सहित अन्य मामले पर जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता बिजली पदाधिकारी को प्राप्त आवेदनों को जांच करते हुए आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिए हैं। बिजली बिल ज्यादा आना एवं एवरेज बिल आना इत्यादि के मामले ज्यादा आ रहे हैं, जिला पदाधिकारी ने कहा कि उस एरिया के संबंधित जे०ई० से जांच करवाएं एवं खराब बिजली मीटर को बदलवाने का कार्य करे। जहां भी ज्यादा बिल आने की शिकायत है उसे जांच करवाकर मीटर बदले ।पैक्स में नाम जोड़ने संबंधित मामले में जिला सहकारिता पदाधिकारी को आगे की करवाई के लिए जांच करने को कहा गया है।

बोधगया मंदिर परिसर में हवलदार मृत्यु का फोरेंसिक टीम द्वारा जांच

गया ।समय लगभग 1:40 पर महाबोधि मंदिर परिसर बोधगया के अंदर गोलियों की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर महाबोधि मंदिर के अंदर तैनात पुलिस बल तुरंत अलर्ट हो गए और जिला पुलिस बल तथा विशेष सशत्र बल के वरीय पदाधिकारियो को इसकी सूचना दी गई है। तुरंत सूचना प्राप्त होते ही जिला पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक गया, नगर पुलिस अधीक्षक, गया अनुमंडल पदाधिकारी सदर, पुलिस उपाधीक्षक बोधगया सहित जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी, जिला पुलिस बल के अन्य पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर तुरंत पहुंच गए हैं। घटनास्थल पर हवलदार अमरजीत कुमार यादव बिहार स्वाभिमान बटालियन का शव पाया गया है। शव के पास ही उनका सरकारी हथियार कारबाइन मौजूद पाया गया है। घटनास्थल के अवलोकन से प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है की हवलदार अमरजीत कुमार यादव के सरकारी कार्बाइन से किसी कारण दुर्घटनावश गोली चल गई है और अपने हथियार से ही उन्हें गोली लग गई है जिसके कारण घटनास्थल पर ही उनकी मृत्य

सम्पादकीय

उपलब्धि को फीका करती घृणा

भारत के चन्द्रयान-3 के बुधवार की शाम को चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने से बहुत पहले ही उसकी कामयाबी लगभग निश्चित समझी जा रही थी साथ ही यह भी तय माना जा रहा था कि इसकी सफलता से (या कहें कि असफल होने पर भी) राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक- तीनों ही तरह के आपसी मतभेद सामने आ जाएंगे। इस उपलब्धि के लिये छीना-झपटी होने का पूवार्नुमान था और यह भी पहले से ही सोच लिया गया था कि इसका उपयोग अपने राजनैतिक विरोधियों और अलग तरह की धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों या समूहों के लिये किया जायेगा; पर यह सब इतनी जल्दी होगा, यह नहीं सोचा गया होगा। वैज्ञानिक उपलब्धियां किसी एक देश की नहीं वरन समग्र मानव के ज्ञान व प्रतिभा की देन मानी जाती है। वैज्ञानिक विकास किसी एक देश का नहीं बल्कि वैश्विक होता है। इसलिये विज्ञान सम्बन्धी विचारों और शोधों-आविष्कारों का प्रतिफल दुनिया भर को मिलता है; पर भारतीयों ने अपनी इस उपलब्धि को बहुत संकीर्ण तो बना ही दिया है, उसका उपयोग वे परस्पर नफरत फैलाने के लिये वैसा ही कर रहे हैं जैसा कि धर्म, राजनीति या सामाजिक विचारों का, विशेषकर हाल के वर्षों में करते आ रहे हैं। ऐसा करके हम न सिर्फ इस बड़ी उपलब्धि को छोटा बना रहे हैं वरन देश-दुनिया के तरक्की पसंद व वैज्ञानिक चेतना से युक्त वर्गों के बीच स्वयं का कद भी घटा रहे हैं।

चन्द्रयान-3 की सफलता से यह तो साबित हो गया है कि हमारे देश के वैज्ञानिकों की प्रतिभा असीम है और वे अपनी उपलब्धियों का झंडा सर्वोच्च ऊंचाइयों तक फहराना चाहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो अपनी संकीर्णताओं से ऊपर उठना ही नहीं चाहते। वे नफरत के कीचड़ में गहरे धंसे हुए ही संतुष्ट हैं। अमेरिका, रूस व चीन जैसी सबसे बड़ी अंतरिक्ष शक्तियों के समकक्ष आने के बाद भी हम इस कामयाबी को उसी चश्मे से देख रहे हैं जिसका एक लेंस राजनैतिक विचारों का है तो दूसरा मजहबी है। वैज्ञानिक उपलब्धि को वैज्ञानिकता की कसौटी पर कसने की बजाय ऐसे लोग चन्द्रयान-3 की सफलता को घृणा बढ़ाने का एक औजार बना रहे हैं।

विज्ञान इंसानों को संकुचित विचारों से बाहर निकालने का काम करता है लेकिन लगता है कि भारत में विज्ञान जैसी विधा का भी उपयोग परस्पर नफरत बढ़ाना ही हो गया है। इसलिये इस उपलब्धि पर जो लोग झूम रहे हैं वे अपने मजहब और राजनैतिक विचारों के कारण, न कि विज्ञान में कोई रुचि या विश्वास के चलते। नफरत फैलाने व विरोधी विचारधारा के लोगों को नीचा दिखाने की जल्दबाजी देखिये कि अभी चन्द्रयान-3 ने अपना काम चांद की सतह पर ठीक से प्रारम्भ भी नहीं किया था और आनन-फानन में सोशल मीडिया पर इस कामयाबी को अपनी झोली में डालने के लिये वे लोग उतर पड़े जो मानते हैं कि विकास 2014 के बाद ही हुआ है। कहा जा रहा है कि देश की वैज्ञानिक प्रतिभा का सही इस्तेमाल अब कहीं जाकर प्रारम्भ हुआ है। इसके पहले भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो) के अस्तित्व को नकारना तो उनके लिये सम्भव नहीं था लेकिन बहुत चालाकी बरतते हुए संस्थान के आगे बढ़ने का श्रेय विक्रम साराभाई को दिया गया- माइनस जवाहरलाल नेहरू का नैरेटिव गढ़ते हुए। यह जानते हुए भी कि इसरो उन्हीं की देन है लेकिन उन्हें श्रेय न देकर वे अपने उन राजनैतिक आकाओं को खुश करना चाहते होंगे जिन्होंने हाल ही में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू संग्रहालय का ही नाम बदल डाला है। एक पूरा समूह बुधवार की शाम से विरोधी विचारधारा, खासकर कांग्रेस के शासनकाल व उसकी उपलब्धियों पर पिला पड़ा हुआ है। हालांकि ये लोग इस बात का जवाब नहीं दे पा रहे हैं कि अगर भारत सरकार की देश के वैज्ञानिक विकास में इतनी ही रुचि है तो अंतरिक्ष विज्ञान विभाग के 2023 के बजट में 32 प्रतिशत की कटौती क्यों की गयी है? जिसके कारण चन्द्रयान-3 और आदित्य एल-1 जैसी परियोजनाओं को 12500 करोड़ रुपये कम मिले। यह उससे पिछले साल की तुलना में 8 फीसदी कम राशि थी। अगर बात सियासी मतभेदों तक सीमित होती तो बहुत दिक्कत नहीं थी क्योंकि कांग्रेस मुक्त नारे के साथ आई मौजूदा सरकार हर कदम पर पूर्ववर्ती सरकारों को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं छोड़ती जो मानती है कि 2014 के पहले कुछ विकास ही नहीं हुआ था।

मां से चंदा मामा तक का सफर

सनत जैन

भारत ने धरती से चांद तक का सफर सफलतापूर्वक तय कर लिया है। 23 अगस्त 2023 की शाम 6:02 पर चंद्रयान 3 चांद के दक्षिणी ध्रुव में पहुंच गया। चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और चांद की परिक्रमा करते हुए, चंद्रयान ने धरती से चांद की 3.84 लाख किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय करके सारी दुनिया को चौंका दिया है। भारत पहला ऐसा देश बन गया है। जिसने दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने में सफलता अर्जित की है। इससे भी बड़ी सफलता की बात यह है, कि धरती से चांद की इस यात्रा में भारतीय वैज्ञानिकों ने,जिस तरह से पृथ्वी और चांद के गुरूत्वाकर्षण के बीच में समन्वय बनाने का असाधारण काम किया है। वह सारी दुनिया के लिए हैरान करने वाला है। भारत के वैज्ञानिकों ने जिस तरह से चंद्रयान-3 के लिए मिनट और सेकंड का इस्तेमाल करते हुए पल-पल की जो योजना तैयार की। विभिन्न तकनीकों के बीच समन्वय बनाने का काम किया।

चांद के बारे में जानने के लिए सैटेलाइट रोबोट के माध्यम से चांद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी एकत्रित करने की दिशा में काम किया है। वह अद्वितीय है। भारत की इस कामयाबी से चांद पर अब बस्ती बनाने की दिशा में भी सोचा जा सकता है। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब चांद की यात्रा भी भविष्य में सफलता पूर्वक की जा सकेगी। इसकी नई संभावनाएं खुलकर सामने आ गई हैं। चंद्रयान-3 ने यह साबित कर दिया है, कि भारतीय वैज्ञानिकों को यदि थोड़े से भी संसाधन मिलते हैं। सरकार उनके कार्यों को सुगम बनाने के लिए समय पर त्वरित निर्णय लेकर संसाधन उपलब्ध करा देती है। तो भारत के वैज्ञानिक किसी भी असंभव काम को संभव कर सकते हैं। सारी दुनिया में भारत के वैज्ञानिक अपने ज्ञान का झंडा फहरा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। भारत के धर्म शास्त्रों में ऋषि-मुनियों ने गृह, नक्षत्र एवं प्रकृति के सभी रहस्यों के बारे में तरह-तरह की जानकारी उपलब्ध है। जो भारतीय वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के रहस्य से जोड़ने में महत्वपूर्ण होती है।

भारतीय संस्थान इसरो का अगला मिशन सूर्य तक पहुंचाने का है। इसके लिए इसरो ने अपनी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली है। आदित्य एल नाम का रॉकेट का प्रक्षेपण करने की दिशा में बहुत तेजी से काम चल रहा है। सितंबर या अक्टूबर माह में सूर्य का अध्ययन करने के लिए गगनयान अभियान शुरू हो जाएगा। इसको सूर्य तक पहुंचाने के लिए कम से कम 120 दिन का समय लगेगा। चांद के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचाने की परिकल्पना पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद ने की थी। उनका सपना उनके शिष्यों ने पूरा करके अपने गुरु डॉ अब्दुल कलाम आजाद को गुरु दक्षिणा दे दी है। चांद को लेकर भारतीय सामाजिक और धार्मिक व्यवस्था में बहुत सारे मिथक, कथानक और कहावतें जुड़ी हुई हैं। बचपन से ही हमें चांद के बारे में सुनने को मिलता रहा है, चंदा मामा दूर के- पुडी पकाए पूरके की लोरी सुनकर भारत के बच्चे बड़े होते हैं। बच्चों की जिद को पूरा करने के लिए चंदा मामा को पानी भरी थाली में उतारकर माएं चंदा मामा से बच्चों को जोड़ने का काम करती रही हैं। चंद्रमा के बारे में वह सभी मिथक और कहावतें एक बार नए तरीके से सामने देखने को मिलेगी। पृथ्वी और चांद का रिश्ता भारत में मां और मामा का बना हुआ है। निश्चित रूप से आगे चलकर और प्रगाढ़ होगा। यह आशा की जा सकती है। चंद्रयान 3 के मिशन में इसरो की पूरी टीम ने जिस तरह एकजुट होकर पूरे उत्साह के साथ इस मिशन को पूरा किया है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है।

अलग-अलग क्षेत्र के वैज्ञानिकों ने एक साथ मिलकर अलग-अलग ज्ञान को एक साथ जोड़कर जो सफलता हासिल की है। उससे विश्व भर में भारत का सम्मान बढ़ा है। इस असाधारण सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिक और इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हर क्षेत्र के वैज्ञानिक और छोटे बड़े सभी व्यक्तियों की जितनी सराहना की जाए, कम है। चंद्रयान तीन की सफलता से सारी दुनिया में भारत का स्वाभिमान और विज्ञान जगत में भारत की साख बहुत बढ़ी है। सरकार को इस तरह की खोज करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत प्रयास करने चाहिए। इसरो ने बहुत कम लागत में और बहुत बड़े-बड़े काम करके सारी दुनिया में एक नया इतिहास रचा है। इसरो ने साबित कर दिया है,कि भारतीय प्रतिभाओं को यदि मौका मिलता है। तो दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत के वैज्ञानिक सर्वश्रेष्ठ हैं। भारतीय वैज्ञानिकों की सोच और उनका मल्टीप्ल नॉलेज है। सारी दुनिया में उसका कोई मुकाबला नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विदेश की धरती से चंद्रयान -3 से जुड़कर जिस तरह से भारतीय वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने का काम किया है। निश्चित रूप से भारत के मुखिया होने के नाते इस सफलता का सौभाग्य उन्हें भी मिला है।

आलोचनात्मक सोच एक कभी न खत्म होने वाली यात्रा है

कई दृष्टिकोणों से मुद्दों पर विचार करने की क्षमता है। यह आवश्यक कौशल हमें काम, शिक्षा और रोजमर्रा की जिंदगी के सभी पहलुओं में सही निर्णय लेने की अनुमति देता है। आलोचनात्मक सोच हमें अधूरी जानकारी, पूर्वाग्रह या दोषपूर्ण तर्क के आधार पर त्वरित निर्णय से आगे बढ़ने में सक्षम बनाती है। इसके बजाय, हम तर्कसंगत निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दावों और तर्कों के पीछे तथ्यात्मक आधार और तर्क का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन कर सकते हैं। आज के जटिल सूचना परिदृश्य में, आलोचनात्मक ढंग से सोचना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मीडिया, विज्ञापन, राजनीति और अन्य सामग्री की बाढ़ के साथ, अनगिनत दावे हमारा ध्यान और विश्वास खींचने की कोशिश कर रहे हैं। दांव भी ऊंचे हैं–हमारे निर्णय हमारे स्वास्थ्य, वित्त, रिश्तों और भविष्य पर प्रभाव डाल सकते हैं। महत्वपूर्ण ठोस सोच क्षमताओं के बिना, हम हेरफेर, खराब विकल्प और झूठ पर विश्वास करने के प्रति संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार सफलता के लिए हमारी आलोचनात्मक सोच विकसित करना महत्वपूर्ण है। सौभाग्य से, आलोचनात्मक सोच एक सीखने योग्य कौशल है जिसे कोई भी मेहनती अभ्यास से तेज कर सकता है।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

आलोचनात्मक सोच कौशल कैसे विकसित करें आलोचनात्मक सोच तर्कों का निष्पक्षता से विश्लेषण करने, धारणाओं पर सवाल उठाने, सबूतों की व्याख्या और मूल्यांकन करने और कई दृष्टिकोणों से मुद्दों पर विचार करने की क्षमता है। यह आवश्यक कौशल हमें काम, शिक्षा और रोजमर्रा की जिंदगी के सभी पहलुओं में सही निर्णय लेने की अनुमति देता है। आलोचनात्मक सोच हमें अधूरी जानकारी, पूर्वाग्रह या दोषपूर्ण तर्क के आधार पर त्वरित निर्णय से आगे बढ़ने में सक्षम बनाती है। इसके बजाय, हम तर्कसंगत निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दावों और तर्कों के पीछे तथ्यात्मक आधार और तर्क का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन कर सकते हैं। आज के जटिल सूचना परिदृश्य में, आलोचनात्मक ढंग से सोचना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मीडिया, विज्ञापन, राजनीति और अन्य सामग्री की बाढ़ के साथ, अनगिनत दावे हमारा ध्यान और विश्वास खींचने की कोशिश कर रहे हैं। दांव भी ऊंचे हैं–हमारे निर्णय हमारे स्वास्थ्य, वित्त, रिश्तों और भविष्य पर प्रभाव डाल सकते हैं। महत्वपूर्ण ठोस सोच क्षमताओं के बिना, हम हेरफेर, खराब विकल्प और झूठ पर विश्वास करने के प्रति संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार सफलता के लिए हमारी आलोचनात्मक सोच विकसित करना महत्वपूर्ण है। सौभाग्य से, आलोचनात्मक सोच एक सीखने योग्य कौशल है जिसे कोई भी मेहनती अभ्यास से तेज कर सकता है। हम तर्क और तर्क के कुछ मूल सिद्धांतों में महारत हासिल करके, धारणाओं पर सवाल उठाकर, विभिन्न दृष्टिकोणों का मनोरंजन करके, साक्ष्यों का गहन विश्लेषण करके और अपनी विचार प्रक्रियाओं पर विचार करके अपनी महत्वपूर्ण सोच क्षमताओं में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं। इससे बौद्धिक विकास होता है। तर्क और तर्क की मूल बातें गंभीर रूप से सोचने के लिए, आपको तर्कों में सामान्य खामियों और कमजोरियों की पहचान करने की आवश्यकता है। तार्किक भ्रांतियों को पहचानना सीखें - तर्क में त्रुटियाँ जो किसी तर्क को अमान्य कर देती हैं। उदाहरण के लिए, फिसलन ढलान की भ्रांति किसी कार्रवाई के गंभीर परिणामों के बारे में अनुचित भविष्यवाणियां करती है। ह्लअगर हम को अनुमति देंगे तो भी होगा !ह्व मूल्यांकन करें कि क्या प्रत्येक चरण तार्किक रूप से अगले की ओर ले जाता है। इसके अलावा, संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों पर भी ध्यान दें, जो ऐसी प्रवृत्तियाँ हैं जो वस्तुनिष्ठ निर्णय को खराब करती हैं। एक उदाहरण पुष्टिकरण पूर्वाग्रह है, जहां लोग अपने विचारों का समर्थन करने वाली जानकारी का समर्थन करते हैं। अपनी सोच में पूर्वाग्रहों के प्रति सचेत रहें। मुद्दों को तटस्थता से देखकर धारणाओं को चुनौती दें। इसके अलावा, उन पूर्वाग्रहों से भी सावधान रहें जो आपके दृष्टिकोण को आकार देते हैं। ये हम सभी में पालन-पोषण, संस्कृति और अनुभव के कारण हैं। अपने पूर्वाग्रहों के बारे में जागरूकता आपको आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रतिकार करने की अनुमति देती है। विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का मनोरंजन करें किसी भी मुद्दे पर, चीजों को सिर्फ अपने ही नहीं, बल्कि कई कोणों से देखने का प्रयास करें। कल्पना कीजिए कि आप विपरीत स्थिति के लिए बहस कर रहे हैं। आपका तर्क क्या होगा? यह शैतान की वकालत तकनीक आपके रुख में खामियों को मजबूत करती है या उजागर करती है। अपनी समझ को व्यापक बनाने के लिए उन लोगों के साथ विचारों पर चर्चा करें जिनके अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। केवल उन लोगों की तलाश न करें जो आपसे सहमत हैं। यदि आवश्यक हो तो अपनी सोच को संशोधित करने के लिए तैयार रहें। जिज्ञासु और खुले विचारों वाले रहें शुरूआत में ही कठोर निर्णय लेने से बचें। नई जानकारी के लिए खुले रहें जो आपकी धारणाओं को चुनौती देती हो। अन्यथा ठोस सबूत मिलने पर मौजूदा मान्यताओं से चिपके न रहें। गहराई से जांच करने के लिए प्रश्न पूछते रहें। साथ ही, अवधारणाओं पर पूरी तरह विचार करने से पहले उन्हें बहुत जल्दी स्वीकार कर लें। विचारों का निष्पक्ष विश्लेषण करें, भले ही वे पहली बार में अजीब लगें। एक खुला, जिज्ञासु दिमाग अधिक सत्य की खोज करता है। साक्ष्यों और तर्कों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करें जब कोई दावा प्रस्तुत किया जाए तो उसे बिना सोचे-समझे स्वीकार न कर लें। इसके समर्थन में इस्तेमाल किए गए सबूतों और तर्कों की जांच करें। जैसे प्रश्न पूछेंः आपने में सुधार लाएंमेटाकॉग्निशन मेटाकॉग्निशन का मतलब है अपनी सोच के बारे में सोचना। उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अपनी विचार प्रक्रियाओं पर विचार करें जिन्हें आपको विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, क्या आप निष्कर्ष निकालने से पहले साक्ष्य का पूरी तरह मूल्यांकन करते हैं? क्या आप अनेक दृष्टिकोणों पर विचार कर रहे हैं? अपने मानसिक अंधेपन के प्रति जागरूक होने से आप सचेत रूप से सुधार कर सकते हैं। इस बारे में सोचें कि आप अपने आलोचनात्मक सोच कौशल का विस्तार कैसे कर सकते हैं, फिर उन्हें अभ्यास में लाएँ। आलोचनात्मक सोच का अभ्यास करते रहें सुधार करने का सबसे अच्छा तरीका इन कौशलों को दैनिक जीवन में लगातार लागू करना है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय, उल्लिखित आलोचनात्मक सोच वाले चरणों का उपयोग करें। तार्किक तर्क का उपयोग करके दूसरों के साथ विचारों और मुद्दों पर चर्चा करें। समय के साथ आपकी विश्लेषणात्मक क्षमताएं मजबूत होंगी। निष्कर्ष कार्य, शिक्षा, निर्णय लेने और सभी बौद्धिक गतिविधियों के लिए मजबूत आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करना अविश्वसनीय रूप से मूल्यवान है। तर्कों का तार्किक रूप से विश्लेषण करने, धारणाओं पर सवाल उठाने, साक्ष्य की व्याख्या करने और कई दृष्टिकोणों पर विचार करने की क्षमता हमें जबरदस्त लाभ देती है। यह हमें पूर्वाग्रहों, त्वरित निर्णयों और सीमित सोच से परे जाकर ठोस, तर्कसंगत निष्कर्ष पर पहुंचने की अनुमति देता है। हालाँकि आलोचनात्मक सोच शुरू में डराने वाली लग सकती है, लेकिन अभ्यास और समर्पण के साथ इसे विकसित किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति तर्क के मूल सिद्धांतों में महारत हासिल करके, अपने पूर्वाग्रहों से अवगत होकर, दावों पर गहनता से सवाल उठाकर, खुले दिमाग से रहकर और अपनी विचार प्रक्रियाओं पर विचार करके अपनी आलोचनात्मक सोच को बढ़ा सकता है। इसका प्रतिफल बहुत बड़ा है - बेहतर निर्णय, अधिक गहन ज्ञान और बौद्धिक विकास। आलोचनात्मक सोच एक कभी न खत्म होने वाली यात्रा है, क्योंकि पहुँचने के लिए हमेशा विश्लेषण के अधिक गहन स्तर होते हैं। लेकिन बौद्धिक कठोरता का प्रतिफल प्रयास के लायक है। अपने आलोचनात्मक सोच कौशल को तेज करने से हम सत्य को झूठ से अलग कर सकते हैं, बुद्धिमान विकल्प चुन सकते हैं और समझ के उच्च स्तर तक पहुंच सकते हैं। निरंतर अभ्यास से हम सभी बेहतर आलोचनात्मक विचारक और सूचित निर्णयकर्ता बन सकते हैं।

यूपी की गठबंधन सियासत पर भारी पड़ सकती हैं कांग्रेस की हसरतें और हकीकत

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कमान हाथ में आने के बाद जिस तरह से कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने राहुल–प्रियंका के क्रमशः अमेठी–वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर राग छेड़ा है, उससे पार्टी के कार्यकताओं में नया जोश भर गया है। यहां तक कि कांग्रेस आलाकमान को भी लगने लगा है कि उसने यूपी कांग्रेस की जिम्मेदारी अजय राय को सौंप कर तीर निशाने पर मार दिया है। सपा के आईएनडीआई गठबंधन और अजय राय के धमाकेदार अंदाज के सहारे कांग्रेस एक बार फिर से यूपी में अपनी खोई जमीन को मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है। वैसे यह प्रयोग कोई नया नहीं है, 2017 के विधान सभा चुनाव में भी इसी तरह का गठबंधन हुआ था, मगर यूपी के वोटरों को यह साथ पसंद नहीं आया था। इसलिए राजनैतिक पंडित इस बार भी गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। परंतु इसके उलट इस बार कांग्रेस की नजर यूपी की ऐसी एक चौथाई सीटों पर है, जिन पर पार्टी अपने आप को मजबूत स्थिति में समझती है।

स्वदेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त, उत्तर प्रदेश

2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा था और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटों- रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी थी। 2019 के चुनाव में तो कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई थी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कमान हाथ में आने के बाद जिस तरह से कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने राहुल-प्रियंका के क्रमशः अमेठी-वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर राग छेड़ा है, उससे पार्टी के कार्यकताओं में नया जोश भर गया है। यहां तक कि कांग्रेस आलाकमान को भी लगने लगा है कि उसने यूपी कांग्रेस की जिम्मेदारी अजय राय को सौंप कर तीर निशाने पर मार दिया है। सपा के आईएनडीआई गठबंधन और अजय राय के धमाकेदार अंदाज के सहारे कांग्रेस एक बार फिर से यूपी में अपनी खोई जमीन को मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है। वैसे यह प्रयोग कोई नया नहीं है, 2017 के विधान सभा चुनाव में भी इसी तरह का गठबंधन हुआ था, मगर यूपी के वोटरों को यह साथ पसंद नहीं आया था। इसलिए राजनैतिक पंडित इस बार भी गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। परंतु इसके उलट इस बार कांग्रेस की नजर यूपी की ऐसी एक चौथाई सीटों पर है, जिन पर पार्टी अपने आप को मजबूत स्थिति में समझती है। खैर, कांग्रेस के दावों से अलग बात की जाए तो उसके (कांग्रेस) लिए सबसे बड़ी चिंता यूपी में घटते हुए जनाधार की है। ऐसे में जब एनडीए को हराने के लिए आईएनडीआईए गठबंधन के साथ कांग्रेस आगे बढ़ रही है तो पार्टी का फोकस उन सीटों पर है, जहां पार्टी पिछले चुनाव में दूसरे या तीसरे स्थान पर रही थी।

कांग्रेसियों का कहना है कि करीब दो दर्जन लोकसभा सीटों पर पार्टी अपनी दावेदारी ठोक सकती है। इनमें रायबरेली व अमेठी के साथ वाराणसी, महाराजगंज, कुशीनगर, फैजाबाद, डुमरियागंज, बांसगांव, गोंडा, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, खीरी, कानपुर, उन्नाव, प्रतापगढ़, बरेली, पीलीभीत, रामपुर, फरुर्खाबाद, बाराबंकी व मुरादाबाद जैसी सीटें शामिल हैं। बात पिछले चार लोकसभा चुनाव के नतीजों की कि जाए तो कांग्रेस का सबसे बेहतर प्रदर्शन 2009 में ही रहा था। आज सिर्फ सोनिया गाँधी की एक लोकसभा सीट वाली कांग्रेस ने 2009 में 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब इसका श्रेय राहुल गांधी को दिया गया था। 2009 में कांग्रेस द्वारा जीती गयी सीटों में अमेठी, रायबरेली, मुरादाबाद, धौराहरा, उन्नाव, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फरुर्खाबाद, कानपुर, अकबरपुर और झांसी जैसी सीटें शामिल थीं। पार्टी चाहती है कि एक बार फिर से इन सीटों पर अपनी पूरी ताकत लगाई जाए। कांग्रेस का फोकस सीट के जातीय समीकरण के साथ पार्टी के पूर्व के प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है।

2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा था और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटों- रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी थी। 2019 के चुनाव में तो कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई थी। इन चुनावों में सपा-बसपा के गठबंधन की वजह से कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे नबंर पर रही थी। रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, खीरी, उन्नाव, फरुर्खाबाद, बाराबंकी, फैजाबाद, डुमरियागंज, बस्ती व कुशीनगर में भी कांग्रेस के प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे थे। अमेठी में राहुल गांधी व कानपुर में श्रीप्रकाश जायसवाल दूसरे स्थान पर रहे थे। रायबरेली की सीट कांग्रेस के खाते में इसलिए आई थी क्योंकि अमेठी के साथ-साथ यहां से सपा ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था। इसके बावजूद राहुल गांधी अमेठी से हार गए थे। बहरहाल, कांग्रेस भले ही उत्तर प्रदेश में बड़ी उड़ान के सपने देख रही है, लेकिन यह मिशन समाजवादी पार्टी के बिना पूरा होते दिखाई नहीं दे रहा है, ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या समाजवादी पार्टी का नेतृत्व कांग्रेस की उम्मीद के अनुसार उसे लोकसभा की सीटें दे देगा। अगर नहीं देगा तो गठबंधन में दरार भी पड़ सकती है। ऐन मौके पर यदि बसपा भी इस गठबंधन में शामिल हो गई तो वह भी इससे कम सीटें अपने लिए नहीं चाहेगी। फिर राष्ट्रीय लोकदल भी 8-10 सीटों पर उम्मीद लगाए बैठा है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने यूपी में अपनी हकीकत को समझने की बजाय हसरतों पर ज्यादा ध्यान दिया तो सपा के लिए कांग्रेस से दूरी बनाए रखने का रास्ता खुल जाएगा। ऐसा मुश्किल भी नहीं है क्योंकि 2017 में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी गठबंधन करके देख चुकी है, तब उसे विधानसभा चुनाव में कोई खास फायदा नहीं हुआ था।

नए संविधान की बात पर विवाद क्यों?

अजीत द्विवेदी

भारत के संविधान में सौ बार से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में जैसे ही संविधान समीक्षा या उस पर विचार करने या नया संविधान बनाने की बात होती है वैसे ही विवाद शुरू हो जाता है। जाने माने आर्थिक जानकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक लेख लिख कर यह विचार जाहिर किया कि अब संविधान को बदलने का समय आ गया है। उन्होंने देयर इज केस फॉर वी द पीपल टु एंब्रेस ह्यन्यू कॉन्स्टिट्यूशन शीर्षक से अंग्रेजी के अखबार द मिंट में लेख लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में एक नया संविधान अपनाने का आधार दिख रहा है और इस बारे में विचार किया जाना चाहिए। उनके इतना कहते ही देश के लोगों का एक बड़ा समूह उनके ऊपर टूट पड़ा। सोशल मीडिया में उनको गिरफ्तार करने की मांग शुरू हो गई। कहा जाने लगा कि वे संविधान विरोधी हैं और संविधान को नष्ट करना चाहते हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसा कहने वाले ज्यादातर लोग सेकुलर और उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग हैं। ऐसे लोग जिनको लगता है कि भाजपा के मौजूदा राज में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और वाक व अभिव्यक्ति की आजादी छीनी जा रही है वे सब कहने लगे की देबरॉय की जुबान बंद की जाए। सोचें, यह कैसी हिप्पोक्रेसी है? इस समूह ने देबराय का इतना ज्यादा विरोध किया कि उनको कहना पड़ा कि यह लेख उन्होंने निजी हैसियत से लिखा है और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति का इससे कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले सन 2000 की फरवरी में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संविधान समीक्षा आयोग का गठन किया था और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएन वेंकटचलैया को उसका अध्यक्ष बनाया था। आयोग में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस बीपी जीवन रेड्डी, जस्टिस आरएस सरकारिया, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस के पुन्नैया, भारत सरकार के पूर्व अटॉर्नी जनरल के परासरन, लोकसभा के पूर्व स्पीकर पीए संगमा और जाने-माने कानूनविद् सोली सोराबजी सहित 10 सदस्य बनाए गए थे। आयोग का कार्यकाल पहले एक साल था। बाद में इसे एक साल के लिए और बढ़ाया गया।ध्यान रह उस समय देश में गठबंधन की सरकारों का दौर था और केंद्र से लेकर राज्यों तक राजनीतिक अस्थिरता थी। उसका हवाला देकर वाजपेयी ने कहा था कि केंद्र और राज्य, दोनों जगहों पर स्थायित्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का हवाला भी दिया था। क्षेत्रीय व सामाजिक असंतुलन को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी बताई थी। और साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि संविधान समीक्षा आयोग मौजूदा संविधान के बुनियादी ढांचे और इसके आदर्शों व मूल भावनाओं से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा। विपक्ष का ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि भाजपा संविधान बदल कर अपनी पसंद का संविधान बनाना चाहती है। इस आधार पर विपक्ष ने इस आयोग में शामिल होने से इनकार कर दिया।इस बार बिबेक देबरॉय ने 23 साल के बाद उन्हीं तर्कों के आधार पर कहा है कि भारत में नए संविधान की जरूरत है। उन्होंने बदली सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक परिस्थितियों का हवाला दिया है और साथ ही पिछले 73 साल में संविधान में हुए बदलावों का भी हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत की जनता ने 1950 में जो संविधान अपनाया था, मौजूदा संविधान वैसा ही नहीं रह गया है। इसमें एक सौ से ज्यादा संशोधन हुए हैं। उनका मानना है कि सारे संशोधन सिर्फ अच्छे के लिए नहीं हुए हैं। याद करें इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के समय जो संशोधन कराए थे। हालांकि बाद में मोरारजी देसाई की सरकार ने उनमें से ज्यादातर प्रावधानों को वापस बहाल कर दिया था। देबरॉय ने नए संविधान की जरूरत पर जोर देते हुए यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का 1973 का बेसिक स्ट्रक्चर वाला फैसला मौजूदा संविधान में संशोधन पर लागू होता है, नए संविधान के ऊपर नहीं। देबरॉय ने अपनी बात को मजबूती देने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लॉ स्कूलइ के एक अध्ययन का हवाला दिया है और कहा है कि उसने कई देशों के लिखित संविधानों का अध्ययन किया, जिससे पता चला कि उनकी औसत आयु सिर्फ 17 साल रही है। जबकि भारत में 1950 में अपनाया गया संविधान अब 73 साल का हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा है कि भारत का संविधान काफी हद तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है। इस तरह यह भी उपनिवेश के दिनों से जुड़ा है। बिबेक देबरॉय ने सन 2000 में हुए प्रयास की याद दिलाई है लेकिन साथ ही कहा है कि उस समय जो प्रयास हुआ था वह आधे अधूरे मन से किया गया था। पिछले दिनों आईपीसी, सीआरपीसी और इविडेंस

संक्षिप्त खबरें

सचिन कुमार का कनिष्ठ साहयक से वरिष्ठ सहायक के पद पर हुआ प्रमोशन

हसनपुर /गंगेश्वरी ।एक कनिष्ठ सहायक की अच्छी कार्यशाली को देखते हुए शाशन द्वारा वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है जिससे उनके घर व संबंधियों में खुशी का माहौल है और उनको बधाई देने वालो का ताता लगा हुआ है ।बता दें कि अमरोहा जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी में ग्रामीण विकास विकास विभाग में पिछले कई वर्षो से कनिष्ठ सहायक के पद पर अपनी सेवा दे रहे सचिन कुमार को शासन द्वारा उनकी अच्छी कार्यशाली को देखते हुए वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है। उनके प्रमोशन होने की सूचना मिलने के बाद से ही उनके संबंधियों व परिजनो में खुशी का माहौल है। कनिष्ठ सहायक के पद से पदोन्नत हुए वरिष्ठ सहायक सचिन कुमार को उनके मिलने जुलने वाले मिठाई खिलाकर खूब बधाई भी दे रहे हैं और भविष्य में भी उनकी पदोन्नति की कामना कर रहे हैं। पदोन्नति होने के बाद वरिष्ठ सहायक सचिन कुमार ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण भी कर लिया और जानकारी देते हुए बताया कि वह पूर्व की भांति भविष्य में भी ईमानदारी, सच्चाई एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करते रहेंगे।

जी-20 की बैठक के लिए काशी पहुंचे केंद्रीय संस्कृति मंत्री रेड्डी

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे। रेड्डी यहां के नदेसर स्थित ताज होटल होटल में गुरुवार से शुरू हुई जी-20 की तीन दिवसीय बैठक में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री रेड्डी के आज लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचने पर जिलाधिकारी एस राजलिंगम और अन्य अफसरों ने पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से केंद्रीय मंत्री शहर के लिए रवाना हो गए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्री रेड्डी जी-20 के संस्कृति कार्य समूह और संस्कृति मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ताज होटल में पत्रकारों को जी-0 के संस्कृति मंत्रियों की बैठक की विस्तार से जानकारी भी देंगे। इसके पहले उन्होंने अपने एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) से जी-20 के संस्कृति कार्य समूह पर आधारित वीडियो शेयर कर लिखा कि भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत का आनंद लें। वाराणसी वह कालजयी शहर जो प्राचीन भारत का हृदय है जहां इतिहास और आध्यात्मिकता का संगम होता है।

युवक ने नहर में कूद कर की आत्महत्या

फिरोजाबाद जिले के थाना सिरसागंज क्षेत्र में एक युवक ने नहर में कूद कर खुदकुशी कर ली मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को लोगों की सहायता से नहर से बाहर निकलवाया। सिरसागंज क्षेत्र में गुरुवार की देर शाम एक युवक नहर में कूद गया मौके पर खड़े लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई जिसने लोगों की सहायता से शवको नहर से बाहर निकलवाया और पुलिस ने उसके शव की पहचान कराने का प्रयास किया परंतु शव की पहचान नहीं हो सकी पुलिस के अनुसार गुरुवार की देर शाम नदी में कूद गया था जिसके फल स्वरुप उसकी मौत हो गई पुलिस के अनुसार उसकी आयु लगभग 45 वर्ष है। शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

मोदी सरकार के महा घोटाले के खिलाफ आप का प्रदर्शन

- राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कराने की मांग उठाई
- देश से गद्दारी और अडाणी से दोस्ती कर रही मोदी सरकार

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। कलेक्ट्रेट में मोदी सरकार के वहां कोटल के खिलाफ आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया। आप कार्यकताओं का कहना था कि मोदी सरकार अडाणी से दोस्ती और देश से गद्दारी कर रही है। यही वजह है कि द्वारका एक्सप्रेस-वे को 18 करोड़ प्रति किलोमीटर की लागत के हिसाब से ना बनाकर ढाई सौ करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर में बनाया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने मोदी सरकार पर तमाम घोटाले करने का आरोप लगाए। साथ ही राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भेजकर जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कराने की मांग उठाई।आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रूप चंद चौहान ने बताया कि मोदी सरकार में घोटाले पर घोटाले हो रहे है। इस सरकार में अडाणी से दोस्ती और देश के साथ गद्दारी हो रही है। देश में पनप रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ गुरुवार को आप के तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां उन्होंने मोदी सरकार के महा घोटाले के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही कहा कि सीएजी रिपोर्ट में केंद्र सरकार द्वारा सड़क निर्माण से लेकर आयुष्मान योजना और अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा किये जा रहे निर्माण में भारी हेराफेरी की खबरें उजागर हुई हैं ।जिलाध्यक्ष आपइस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि देश की जनता के पैसों का जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार द्वारा किसी प्रकार की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की बात नहीं की जा सकी ।सीएजी की रिपोर्ट में जिन बिंदुओं को उजागर किया गया है वह निम्नलिखित हैं। द्वारका एक्सप्रेस-वे का प्रोजेक्ट 18 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर की लागत के हिसाब से बनाना था ।लेकिन मोदी सरकार द्वारा 18 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर में बनने वाली सड़क को 250 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर कर दिया गया। इसी तरह भारत माला प्रोजेक्ट में पूरे देश में 75000 किलोमीटर की सड़क बननी थी। जिसमें सड़क की लागत 15 करोड़ प्रति किलोमीटर थी। लेकिन सरकार ने उसे बढ़ाकर लगभग 30 करोड़ प्रति किलोमीटर कर दिया। यानी 75000 किलोमीटर की सड़क में लगभग 11 लाख करोड़ का घोटाला स्पष्ट है। साथ ही तमाम घोटालों को लेकर एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम डीएम को सौंपा गया। जिसमें घोटालों की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

रोजगार सेवक एकता संघ समिति ने सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

रहरा। ब्लाक खंड गंगेश्वरी रोजगार सेवक एकता संघर्ष समिति ने 8 सूत्रीय मांग पत्र के समाधान के संबंध में मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन।4 अक्टूबर 2021 को डीफेस एक्सपो वृंदावन लखनऊ में करने का कर्मचारी के संबंध में की गई घोषणा पर शासन स्तर पर उचित निर्णय नहीं दिया गया है जबकि संगठन द्वारा कई बार पत्राचार वह वार्ता के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर अवगत कराया गया है ।वर्तमान समय में मानदेय 7788 रुपए प्रति महा मिल रहा है परंतु 2212 रुपए बिगत 22 महा बाद ऐप्स के यूनियन के खाते में जमा नहीं किया गया है जिस किसी भी करने का कर्मचारी की मृत्यु पर उसके आक्षित को कोई लाभ नहीं मिल पाता अतः मृतक आश्रित को ही इस पद पर समायोजन भी कराया जाए हिमाचल प्रदेश राजस्थान मध्य प्रदेश की तरह वेतन मानदेय में बढ़ोतरी की जाए ग्राम विकास अधिकारी भर्ती में 50% प्रतिशत का कोटा ग्राम रोजगार सेवक के लिए आरक्षित किया जाए ग्राम रोजगार सेवकों से मूल ग्राम पंचायत के साथ-साथ रिक्त ग्राम पंचायत में भी कार्य लिया जाए एवं मनरेगा की यूजर आईडी पासवर्ड सिर्फ ग्राम रोजगार सेवकों को ही दिया जाए ग्राम रोजगार सेवकों को नियमित करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए वह पदनाम ग्राम विकास सहायक किया जाए इस मौके पर अध्यक्ष मंडल मोहित त्यागी सदस्य मंडल प्रमोद गिरी हरीश कुमार कमल सिंह राजकुमार सतपाल सिंह बलवीर सिंह विपिन कुमार रवि कुमार अनुज सतीश राजेश्वर उमेश कुमार मनोज राजेश कुमार धीरज रघुवीर सिंह महिपाल सिंह चरण सिंह सुकन सिंह नरेश कुमार हरमुख सतीश कुमार आदि ग्राम रोजगार सेवक एकता संघर्ष समिति परिवार मौजूद रहा।

फर्जी खबर से संगठन को बदनाम करने की हो रही साजिश: यशपाल सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

रहरा।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्राथमिक विद्यालय पतेई खादर में हुई ।जिसमें पुरानी पेंशन बहाली को लेकर चर्चा की गई ।आगामी चार सितंबर को अमरोहा के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की गई।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि जिले के अंदर कथित पत्रकार द्वारा फर्जी खबर प्रकाशित करके संगठन को बदनाम करने का प्रयास किया है ।जबकि संगठन के अंदर कोई भी विवाद की स्थिति नहीं है। भाईचारा बना हुआ है। जिलाधिकारी से मांग की जाती है कि ऐसे कथित पत्रकार की जबावदेही तय की जाए। भ्रामक खबर प्रकाशित करने पर उसे नोटिस जारी किया जाए ।गंगेश्वरी ब्लॉक उपाध्यक्ष गौरव नागर ने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर आगामी 4 सितंबर को उत्तर प्रदेश के समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ को पुरानी पेंशन की बहाली सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा। जिसमें जनपद भर से परिषदीय विद्यालय में कार्यरत शिक्षक एक दिन का अवकाश लेकर धरना प्रदर्शन में प्रतिभाग करेंगे। धरना प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर गुहार लगाई जाएगी कि वह शिक्षकों की पुरानी पेंशन की बहाली के साथ-साथ,अध्यापकों के जिले के भीतर स्थानांतरण, लंबे समय से लंबित प्रमोशन की प्रक्रिया जल्द से प्रारंभ करने, द्वितीय शनिवार का अवकाश प्रदान करने, शिक्षकों को राज्य कर्मचारी का दर्जा प्रदान करने, राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस चिकित्सा उपलब्ध कराने, बोर्ड परीक्षा में कक्ष निरीक्षक ड्यूटी से मुक्त करने, दिव्यांग शिक्षकों को विशेष दिव्यांग भत्ता देने, सभी शिक्षकों को सामूहिक बीमा की धनराशि 10 लाख रुपए करने, प्रत्येक विद्यालय में प्रधान अध्यापक की तैनाती करने, 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले अध्यापकों को प्रोन्नत वेतनमान देने, प्रत्येक विद्यालय में सफाई कर्मचारी की नियुक्ति करने सहित प्रमुख मांगे सम्मिलित हैं। इस अवसर पर ओमपाल सिंह, बिजेंद्र सिंह, रिसव चौधरी, सतेंद्र कुमार, हेमंत यादव, शाहबुद्दीन, राजीव कुमार, कमरे आलम, मुकुल चौहान आदि मौजूद रहे।

अमरमणि मामले में उप्र के कारागार मंत्री बोले- आचरण और व्यवहार पर होती है कैदियों की रिहाई

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि की रिहाई के आदेश के बाद कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति का बयान सामने आया है। प्रजापति ने कहा है कि जेल की नीतियों और कैदियों के आचरण एवं व्यवहार के आधार पर जेल से उनकी रिहाई होती है। कारागार मंत्री प्रजापति ने शुक्रवार को एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि राज्यपाल के निर्देश के बाद ही किसी भी कैदी की रिहाई के आदेश दिए जाते हैं। इस मामले में भी जैसा भी उनका निर्देश होगा उसके आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के विवेक पर हम उंगली नहीं उठा सकते। हमारे यहां से जिस भी कैदी की फाइलें राज्यभवन भेजी जाती हैं उसे राज्यपाल अच्छे से पढ़ती हैं। उनकी टीम भी पूरा अध्ययन करती है उसके बाद ही वो कोई फैसला लेती हैं। राज्यपाल का जो भी निर्णय होता है हम उसका पालन करते हैं। उल्लेखनीय है कि मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि के जेल में अच्छे आचरण के आधार पर राज्यपाल ने जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। इस आदेश पर रोक लगाने के लिए मधुमिता शुक्ला की बहन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार किया। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर आठ हफ्ते में जवाब मांगा है।

कार में बैठकर गंगा में डूबे दमपति, पति का शव मिला पत्नी का तलाश जारी

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। परिजनों से विवाद के बाद गुस्साए युवक ने पत्नी के साथ कार में बैठकर उसे गंगा में कूदा दिया। दोनों की तलाश पुलिस कर रही थी। दोपहर को युवक का शव बरामद कर लिया गया है ।शादी में मिली वैगनआर कार में पत्नी नाजिया को बैठाकर गंगा में कूदे सीकरी खादर निवासी शाने आलम मा शव कांकाठेर और फिरोजपुर गढ़ावली के बीच मिला। नाव को दूर खड़ी कर पैदल तलाश करते हुए उसका शव बरामद हुआ। पत्नी और कार की तलाश जारी है। बृहस्पतिवार की शाम साढ़े छह बजे सीकरी खादर निवासी शाने आलम पत्नी नाजिया को कार में बैठाकर गंगा में कूद गया था। सूचना मिलते ही थाना पुलिस, एसडीएम राजीव राज व सीओ अरुण कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए थे। इसके साथ ही आसपास के ग्रामीण भी एकत्र हो गए थे ।कार लेकर गंगा में कूदे दंपती की तलाश में जुट गए थे ।मगर देर रात तक पता नहीं चला था। शुक्रवार की सुबह फिर तलाश शुरू की गई। मोटर बोट से पुलिस कर्मी और दूसरी नाव से गोताखोर ओमपाल केवट, रामू, जितेंद्र, मिन्तर ठाकुर और शाने आलम के तीन परिजन तलाश कर रहे थे ।वह छह बजे गंगा में उतर गए थे। दस बजे तलाश करते हुए तिगरी से दो किमी दूर कांकाठेर और फिरोजपुर गढ़ावली के बीच पहुंचे। नाव को दो सौ मीटर दूर खड़ी कर दो से तीन फिट गहरे पानी में पैदल तलाश करते रहे। इस बीच उथले पानी में ओमपाल केवट का पैर शव से लगा ।उसने नाव में दूर बैठे परिजनों को बुलाकर पहचान कराई। शव को तिगरी सामने लाया गया ।यहां पर हजारों का हुजूम उमड़ा हुआ था ।शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।पुलिस ने बताया युवक का शव बरामद हो गया है। नाजिया की तलाश जारी है।

कौशांबी में आपत्तिजनक तस्वीमरें सार्वजनिक होने से आहत किशोरी ने आत्महत्या की

कौशांबी , एजेंसी

कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र में पड़ोसी युवक द्वारा अपनी निजी तस्वीरें सार्वजनिक करने से आहत 17 वर्षीय किशोरी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। किशोरी ने बृहस्पतिवार को अपने कमरे में साड़ी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने बताया कि नाबालिग के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि जब बृहस्पतिवार की दोपहर को परिवार के सदस्य युवक द्वारा आपत्तिजनक तस्वीरें सार्वजनिक करने की शिकायत करने उसके घर गए तो उसने और उसके परिवार के सदस्यों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) समर बहादुर सिंह ने बताया कि किशोरी के परिजनों ने इस संबंध में पहले भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान जय सिंह के रूप में हुई है जो किशोरी से छेड़छाड़ भी करता था। पुलिस ने बताया कि जब किशोरी के परिवार ने जय सिंह के परिवार से इसका विरोध किया तो उन्होंने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी भी दी।

उन्होंने बताया कि परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक और उसके परिवार के सदस्यों सहित छह लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा करना), 354 (सी) (ताक-झांक), 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 506 (आपराधिक धमकी), 509 (किसी महिला की गरिमा को भंग करने से इरादे से शब्द, इशारे का इस्तेमाल) और यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने किशोरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मेरठ में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गोकशी के आरोपी तीन लोगों को गिरफ्तार किया

मेरठ, एजेंसी

मेरठ जिले में पुलिस ने शुक्रवार तड़के मुठभेड़ के बाद गोकशी के आरोपी तीन लोगों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से एक आरोपी घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मेरठ के वरिष्ठि पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहित सिंह सजवाण ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम फिरोज पुत्र अनीस उर्फ गोला बताया है, जबकि गिरफ्तार किये गये दो अन्य बदमाशों के नाम इरशाद व रहीमुद्दीन उर्फ टोपी हैं। सभी गिरफ्तार अभियुक्त ग्राम रूहासा, दौराला थाना क्षेत्र के निवासी हैं। सजवाण ने बताया कि शुक्रवार तड़के पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वांछित अभियुक्त फिरोज अपने तीन अन्य साथियों के साथ दौराला गंग नहर पुल के पास मौजूद है जहां उसने काटने के लिए एक गाय बांध रखी है। सूचना के आधार पर उप निरीक्षक नेपाल सिंह पुलिस टीम के साथ उक्त स्थान पर पहुंचे, जहां उन्होंने आरोपियों को गोकशी की तैयारी करते देखा और वहां गोकशी के लिए हथियार भी मौजूद थे। एसएसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तभी एक बदमाश ने नेपाल सिंह पर गोली चला दी लेकिन बुलेटप्रुफ जैकेट होने के कारण वह बच गए। पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की जिसमें फिरोज घायल हो गया। पुलिस ने मौके से फिरोज और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और तमंचा समेत अन्य हथियार जब्त कर लिए। उन्होंने बताया कि एक बदमाश झाड़ियों का फायदा उठाकर भाग निकला, जिसे पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सजवाण ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों और फरार बदमाश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 34 (साझा मंशा से किया गया अपराध) और गोवध निवारण अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

इण्डिया 2047 कार्यक्रम का किया गया आयोजन, विकसित भारत बनाने के लिए युवाओं का आवाहन

कुशीनगर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के जिला युवा अधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि उदित नारायण डिग्री कॉलेज के सभागार में युवा संवाद इंडिया 2047 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संदीप वर्मा डीएसपी खड्डा एवम विशिष्ट अतिथि सचिन कुमार जिला युवा अधिकारी,रवि निषाद क्रीड़ा अधिकारी, कृष्णा कुमार जिला उद्यान अधिकारी, ममता त्रिपाठी (प्रधानाचार्य)), श्रीमती मनीषा प्राचार्या,सूर्या प्रताप मिश्रा(प्रदेश समन्वयक बीबीए) आदि ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया युवा संवाद -इण्डिया2047 पंच प्रण पर आधारित कार्यक्रम में जिलेभर के 300 से ज्यादा युवाओं ने प्रतिभाग किया और अपने विचार रखे जिसमें प्रथम पुस्कार-आकृति मिश्रा,द्वितीय पुरस्कार सौम्या जायसवाल, तृतीय पुरस्कार पूजा योगेंद्र यादव तथा प्रतिभाग करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र, मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओ द्वारा पंच प्रण पर अपने विचार रखे गए जिसमे उदित नारायण डिग्री कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती ममता मणि त्रिपाठी ने इण्डिया2047 पर अपने विचार रखें व विकसित भारत बनाने के लिए युवाओं का आवाहन किया। जिला युवा अधिकारी के द्वारा समाजसेवा में सराहनीय योगदान देने वाले जिले के युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया, अपने अभिवादन में वर्ल्ड यूथ सोशल ऑगेर्नाइजेशन संस्था के अध्यक्ष शशिकांत मिश्रा ने कहा इस प्रकार के कार्यक्रम से युवाओं का सर्वांगीण विकास होता है उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी वक्ताओ,अतिथियों व युवाओं का अभिवादन व आभार ब्यक्त किया। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि युवा संवाद- इण्डिया2047 (पंच प्रण आधारित) कार्यक्रम के आयोजक वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल सोशल आगेर्नाइजेशन एवं प्रायोजक नेहरू युवा केन्द्र कुशीनगर (कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत) के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

राहुल गांधी ने अमेठी का अपमान किया : स्मृआति

अमेठी, एजेंसी

केन्द्रीय मंत्री स्मृ ति ईरानी ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि अमेठी छोड़ कर जब वो दक्षिण भारत गये तो वहां से उन्होंने अमेठी की जनता, अमेठी का अपमान किया। स्मृति ईरानी ने ट्रामा सेंटर जगदीशपुर में सिटी स्कैन एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का शुक्रवार को उद्घाटन किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर स्मृति ने कहा, लोकतंत्र में किसी को भी कहीं से भी चुनाव लड़ने का अधिकार है।

वह (राहुल गांधी) अपनी पार्टी के मालिक हैं, लेकिन मैं अपनी पार्टी की एक साधारण सी कार्यकर्ता हूं। उन्होंने कहा, लेकिन अमेठी छोड़ कर जब वो दक्षिण भारत गये तो वहां से उन्होंने अमेठी की जनता का अपमान किया, अमेठी का अपमान किया। अमेठी उसे भूली नहीं है। राहुल की तरह दो जगह से चुनाव लड़ने के सवाल पर स्मृति ने कहा, भागने की प्रथा उनके यहां है, मेरे यहां नहीं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने बृहस्पतिवार को कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी का अमेठी से रिश्ता राजनीतिक नहीं बल्कि पीढ़ियों का है और उन्हें विश्वास है कि आगामी लोकसभा चुनाव में अमेठी के लोग भारी अंतर से राहुल की जीत सुनिश्चित करेंगे। अध्यभक्ष नियुक्ते होने के बाद राय ने कहा था कि अमेठी की जनता चाहती है कि राहुल गांधी अमेठी से ही चुनाव लड़ें। ईरानी ने कहा, वह कभी भी अमेठी में अकेले चुनाव नहीं लड़ पाए हैं, अमेठी में साइकिल पर बैठकर सड़कों पर घूमा करते थे,

फिर भी इनको तीन-तीन लोगों का समर्थन होता था और एक तरफ हम अकेले होते थे। इसके पहले समारोह को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने गांधी-नेहरू परिवार का नाम लिए बिना तीखा हमला करते हुए कहा, एक कुल के राजनीतिक परिवार को यहां के लोगों ने लंबे समय तक महिमा मंडित किया, संसद भेजा पर उन्होंने यहां के विषय में नहीं सोचा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, लंबे समय तक इस परिवार का व्यक्ति अमेठी में कांग्रेस का सांसद रहा और माताजी की सरकार रही, लेकिन अमेठी में मेडिकल कॉलेज बाईपास ट्रामा सेंटर सिटी स्कैन और डायग्नोस्टिक सेंटर की स्थापना तब हुई, जब केंद्र में नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी। स्मृति ने कहा कि अमेठी ने उस वक्त को देखा है जब गरीबों को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता था, उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। कोरोना वायरस महामारी के दौरान लोगों को मदद पहुंचाने में हमने कहीं भी राजनीति नहीं की। कई कांग्रेस के लोगों से भी मैंने कहा कि आपको कोई दिक्कत होती है आप मुझे बताइएगा इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए।

कस्तूरबा की हेडमास्टर पर प्रताड़ित करने का आरोप छात्राओं ने एसडीएम से बताया कि टॉयलेट साफ कराती हैं मैडम, करती हैं मारपीट

अलीगढ़, एजेंसी

अलीगढ़ के खैर के सुजानपुर में स्थित बेसिक शिक्षा विभाग के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की हेडमास्टर पर छात्राओं को प्रताड़ित करने और उसने मारपीट करने का आरोप लगा है। छात्राओं का कहना है कि शिक्षिका आए दिन उनसे मारपीट करती रहती हैं और जान से मारने की धमकी देती हैं। जिसके बाद छात्राओं ने गुरुवार को एसडीएम से मुलाकात करके उनसे हेड मास्टर की शिकायत की है और सख्त कार्रवाई की मांग की है। छात्राओं ने अधिकारियों को बताया कि हेडमास्टर स्कूल की सभी छात्राओं को प्रताड़ित करती हैं। जब बच्चे अपने परिजनों को इस बारे में बताते हैं तो वह परिजनों से भी झगड़ा करने पर उतारू हो जाती हैं। छात्राओं ने आरोप लगाया है कि हेडमास्टर स्कूल में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राओं से टॉयलेट साफ कराती हैं और उसने झाड़ू लगवाती हैं। जब बच्चियां इसका विरोध करती हैं तो वह उन्हें बुरी तरह से पीटती भी हैं। बच्चों ने इसकी शिकायत अपने माता पिता से की थी। जब उनके परिजन शिक्षिका से बात करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने परिजनों से भी अभद्रता की और उन्हें स्कूल से बाहर निकाल दिया। जिसके बाद अब वह अधिकारियों के पास शिकायत करने के लिए आई हैं। बच्चियों ने बताया कि पिछले 5 महीने से लगातार उन्हें परेशान किया जा रहा है। पुलिस दर्ज कर रही है मुकदमा पीड़ित परिजनों ने एसडीएम से शिकायत की है और पुलिस को भी इस मामले में लिखित तहरीर दी है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छात्राओं के परिजनों को आश्वासन दिया गया है कि सख्त कार्रवा की जाएगी। सीओ राजीव द्विवेदी ने बताया कि परिजनों की ओर से तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है और मुकदमा दर्ज करके सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राकेश सिंह ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है।

एएमयू कुलपति ने स्ट्रेटेजिक थैरेपीज पुस्तक का विमोचन

अलीगढ़, एजेंसी

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने अजमल खां तिब्बिया कालिज के तहफ्फुजी व समाजी तिब विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर एसएम द्वारा लिखित ह्यस्ट्रेटेजिक थैरेपीजह्न नामक पुस्तक का कालिज के सभागार में आयोजित एक समारोह में विमोचन किया। प्रोफेसर गुलरेज ने एक पूरक अध्ययन के रूप में पुस्तक के महत्व की सराहना की, जो छात्रों और शिक्षकों दोनों के लाभ के लिए बड़ी सुंदर से लिखी गई है। उन्होंने कहा कि पुस्तक इलाज बित तदबीर पर आधारित है, जिसमें विषय के निवारक पहलुओं पर विशेष जोर दिया गया है, और विस्तृत अध्ययन के लिए विषय की खोज में बहुत मदद मिलेगी। अपने अध्यक्षीय भाषण में, पद्मश्री प्रोफेसर हकीम सैयद जिल्लुर रहमान ने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और अध्ययन के लिए प्रोफेसर सफदर अशरफ की अकादमिक शोध के प्रयासों की सराहना की। यूनानी चिकित्सा संकाय के कार्यवाहक डीन प्रो. फरासत अली ने इस बात पर जोर दिया कि कड़ी मेहनत हमेशा स्थायी लाभ लाती है। इस मौके पर एके तिब्बिया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. बीडी खान, मानद अतिथि प्रोफेसर सलमा अहमद, डीन, प्रबंधन संकाय और सदस्य प्रभारी, दावाखाना तिब्बिया कॉलेज ने सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए सुविधाओं को अपग्रेड करने में विभाग के योगदान की सराहना की।

संक्षिप्त खबरें

निगम कार्यालय में नौकरी लगाने के नाम पर एक ठग व्यक्ति धराया

भागलपुर। बरारी थाना क्षेत्र के रहने वाले संजीव कुमार चक्रवर्ती नामक ठग कंबाइन्ड बिल्डिंग गेट के समीप नगर निगम के कर्मचारियों ने निगम के नोकरी लगाने के नाम पर अवैध रूप से बसूली के आरोप में पकड़ा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि गिरफ्तार ठग नगर में नौकरी देने के नाम पर सीधे साधे लोगों से 15 हजार से 12 हजार रुपये की उगाही कर फरार चल रहे थे,साथ ही उक्त ठग के विरुद्ध दो पीड़ित युवक ने कहा कि 3 महीने से यह आदमी हमलोगों को बहला रहा है। आज हमदोनों को नगर निगम गेट के समीप खड़ा रखा और ये अंदर चला गया और कहा कि ज्वाइनिंग लेटर देगें। वही मामले की जानकारी प्राप्त होते ही निगम कार्यालय में तैनात सुरक्षा कर्मियों के द्वारा दोनो पीड़ित युवक के साथ साथ आरोपी ठग को जोगसर थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। वही स्थानीय जोगसर थाना पुलिस ने गिरफ्तार ठग के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया के साथ साथ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस दौरान पुलिस आरोपी ठग से कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है कि इनके ठगी के शिकार और कितने लोग शिकार हुए हैं। वही पुलिस ने कड़ी पूछताछ के बाद मामला दर्ज कर मेडिकल जांच में भेज दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा विधुत प्रशासन एवं उपभोक्ताओं के साथ की गयी बैठक

कसबा (पूर्णिया)। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा विद्युत प्रशासन एवं विद्युत आम उपभोक्ता के साथ पूर्व से उद्घोषित विशेष बैठक का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कार्यालय में जिला अध्यक्ष बमबम साह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से शाम के वक्त नगर परिषद क्षेत्र में नियमित बिजली संचालन के साथ स्मार्ट मीटर से संबंधित मामले को लेकर आम शिकायत दर्ज कराई गई। बैठक में विद्युत प्रशासन से सहायक विद्युत अभियंता सियाराम प्रसाद, कनीय अभियंता अमित शुक्ला, जे एल एम धर्मेंद्र कुमार उपस्थित होकर आम उपभोक्ता की शिकायत दर्ज किए और शिकायत दर्ज करने वाले स्मार्ट मीटर की तहकीकात करने के लिए अतिरिक्त जीनस मीटर लगाने की बात कही गई। वही उपस्थित विद्युत प्रशासन ने बमबम साह सहित आम उपभोक्ताओं को आश्वान देते हुए कहा है कि शाम के वक्त कसबा शहरी क्षेत्र में नियमित बिजली संचालन करने की हर संभव कोशिश किया जा रहा है और पिछले दिनों बमबम साह को दिए गए आश्वासन पर विभाग कार्य भी कर रही है। वही स्मार्ट मीटर को लेकर आम उपभोक्ता के शिकायत पर प्रशासन सभी दृष्टि से खड़ा उतरने के लिए तैयार है। इसलिए जीनस मीटर से जांच कराए जाएंगे और जिनका स्मार्ट मीटर जांच के दौरान खराब निकलेगा उनका पुराना खराब बिलिंग का सुधार कर पैसे वापस कर रिसर्च कर दिया जाएगा। वहीं बमबम साह ने उपस्थित पदाधिकारी से कहा कि शिकायत करने वाले उपभोक्ता का शिकायत का समाधान के बाद ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया किया जाय तब तक रोका जाना चाहिए। बैठक में मो आरिफ, प्रिंस शर्मा, अखिलेश चौरसिया, बांटी गुप्ता, अभिषेक झा, आमोद राज, सन्तोष यादव, मो हातिम, मो सलीम, सहित सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित होकर अपनी अपनी बातो को विस्तार से चर्चा किए।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु ग्रामीण बैंक में बैठक आयोजित

आरा। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर आज दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय प्रबंधक विकाश कुमार कि अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बैंकों के शाखा प्रबंधक समेत वसूली अधिकारीयो ने भाग लिया,इस बैठक के माध्यम से दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय आरा भोजपुर के क्षेत्रीय अधिकारी विकास कुमार ने पूरे भोजपुर जिले के 95 शाखा के एनपीए श्रेणी के रेडियो से अनुरोध किया है कि तमाम लोग इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने संबंधित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की शाखा में जाकर आकर्षक छूट के साथ समझौता कर के ऋण के बोझ से मुक्त हो सकते हैं एवं अपना एवं अपने परिवार के आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं क्योंकि अगर आप बैंक सेऋण लेकर समय पर चुकता करते हैं तो बैंक आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ देने का काम करता है और इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और आपके विकास का मार्ग प्रसस्त हो सकता है इसलिए क्षेत्रीय प्रबंधक ने इस बैठक के माध्यम से तमाम ऋण धारकों से यह अपील की है कि अगर वह बैंक में नहीं पहुंच पाते हैं तो आगामी 9 सितंबर को आर व्यवहार न्यायालय में लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर समझौता राशि के साथ इसका समाधान कर सकते हैं एवं आकर्षक छूट का लाभ भी ले सकते हैं इस मौके पर काफी संख्या में शाखा प्रबंधक विभाग के अधिकारी समेत तमाम लोग उपस्थित थे।

सरेशाम अपराधियों ने डीलर को गोली मार किया घायल

घटना की सूचना मिलने के आधे घंटे बाद पहुंची पुलिस, घटना की जांच में जुटी

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। जिले भर में अपराधियों के कारनामो का दौर जारी है। इसी कड़ी में नाथनगर चौक स्थित अपराधियों ने अपनी अपराधिक गतिविधि की मनसा को लेकर देर शाम गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि सरेशाम मुख्य बाजार के समीप इलेक्ट्रॉनिक दुकान के समीप अपराधी तत्त्व लोगों ने स्थानीय इलाके के जन वितरण प्रणाली के डीलर को गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया है।

वही घटना की सूचना मिलते ही ललमटिया थाना पुलिस मौके पर पहुंच घटना की जांच में जुट गई है। घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्थानीय थाना क्षेत्र के नाथनगर चौक के समीप इलेक्ट्रॉनिक दुकान के समीप वारदात घटित हुई है, वही घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि जख्मी डीलर भतौरिया गांव के दयानंद यादव बताया है, जिससे जख्मी व घायल अवस्था में त्वरित इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही घटना की सूचना मिलने पर ललमटिया थाना की गस्ती पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई, वही पुलिस के घटनास्थल के पास से एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। जख्मी डीलर दयानंद यादव ने बताया कि शाम के समय इलेक्ट्रॉनिक दुकान में पंखा ठीक कराने पहुंचा था, वही करीब आधा घंटा बाद एक अपराधी आया और गोली मारकर फरार होने में सफल रहा है। वही घायल डीलर दयानंद ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों से 2 साल से जमीन विवाद चल रहा है। साल भर पहले भी भातोदिया रोड में अपराधियों ने गोली चला कर हमला किया था, लेकिन उक्त घटना में मै बाल बाल बच गया था। उस मामले को लेकर मधुसुदनपुर थाने में गांव के कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था, अब उक्त लोगों के द्वारा दोबारा जानलेवा हमला किया गया है। वही मिली जानकारी के मुताबिक इलाके में घटना के आधा घंटा बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। वहीं पुलिस अपराधियों की निशानदेही को लेकर आसपास के लगें सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगालने में जुटी हुई है, हालांकि अब तक पुलिस द्वारा अपराधियों की पहचान नहीं की जा सकी है। ज्ञात हो कि क्षेत्र इलाके में लगातार बढ़ रहे अपराधिक घटनाओं को लेकर आम लोगों के बीच पुलिसिंग कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिये हैं, कभी ज्वेलरी दुकान तो कभी किराने की दुकान और तो और उक्त अपराध कर्मियों के हौशले इतने बुलंद हैं कि बैंकों के ताले तोड़कर कर लूट की वारदात को अंजाम देने से पीछे नहीं है। वही पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने की ढोकली कार्रवाई नीति अपना कर आम लोगों को परेशान कर मोटी रकम वसूल करने का काम कर रही हैं।

बेहोशी व संधिगत हालत में महिला को किया बरामद

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। पीरपैंती थाना क्षेत्र के हरीनकोल पंचायत के इमामनगर स्थित झाड़ी में एक महिला को बिना कपड़े के बेहोश हालात में बरामद किया गया है। उक्त महिला को स्थानीय ग्रामीणों ने देख अचंभित रह गए। वही महिला की पहचान इमामनगर इलाके के रूपक कुमार साह की पत्नी पूजा कुमारी के रूप में हुई है। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि बरामद महिला पूजा कुमारी शाम सात बजे अपने घर से झाड़ी कि तरफ शौच करने के लिए निकली थी, वही उसके घर में सिर्फ पति और पत्नी मौजूद थे। देर रात तक महिला पूजा कुमारी जब अपने घर नहीं लौटने पर आसपास व पड़ोस में काफी खोजबीन की, लेकिन देर रात तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिली, तो महिला के पति ने रात को अपनी पत्नी के गुमशुदा होने की सूचना को लेकर की जानकारी पीरपैंती थानाध्यक्ष को दी गई थी, लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई मदद नहीं मिलने पर पीड़िता के पति घर वापस लौट गये थे। वहीं गांव की महिला झाड़ी के पास दूसरे दिन अहली सुबह झाड़ी में पानी के बीच बिना कपड़े के एक महिला को बरामदगी की सूचना प्राप्त हुई, बताया जा रहा है कि महिला के शरीर पर कपड़े नहीं है और वह बेहोशी की हालत में झाड़ी पड़ी हुई थी। वही हल्ला गुल्ला होने पर आसपास के लोगों व उनके दूर के परिजनों ने महिला पूजा कुमारी के रूप में पहचान की। घटना देख पति पीरपैंती थाना जाकर लिखित सूचना भी दिया परंतु दिन के बारह बजे तक पीरपैंती थानाध्यक्ष सूचना स्थल पर नहीं पहुंचे तो वही गांव के समाजसेवियों को जब घटना कि जानकारी कहलगांव एसडीपीओ शिवानंद सिंह को दी, तो उन्होंने ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पीरपैंती थानाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद व पुलिस अवर निरीक्षक नन्दनी कुमारी को घटना स्थल पर भेज पीड़ित महिला को आनन फानन में स्थानीय रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां ग्रामीण नन्दनी कुमारी देर शाम तक अकेले ही पीड़ित महिला के साथ अस्पताल में मौजूद रही थी। वही मौजूद चिकित्सको ने महिला के हालत की गंभीरता को देखते हुए त्वरित बेहतर इलाज के लिए मायागंज रेफर कर दिया। वही घटना की जानकारी प्राप्त करने के लिए एसडीपीओ शिवानंद सिंह भी पीड़ित से मिलने अस्पताल पहुंचे जहां महिला के बेहोशी हालात में होने के कारण कुछ भी जानकारी नही मिल पाई। वहीं घटना को लेकर एसडीपीओ शिवानंद सिंह ने मुख्य आरोपी सिंटू यादव नामक युवक को गिरफ्तार कर कई बिंदु पर पूछताछ करने में जुट गई है।

चिकित्सा केंद्र के लिए दो एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की शुरूआत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। संजीव कुमार साहा, महाप्रबंधक (ओ एंड एम) ने कुमार निशांत विवेक, अनुमंडल अधिकारी कहलगाँव के साथ कहलगाँव और पीरपैंती चिकित्सा केंद्रों के स्वास्थ्य सेवा को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से दो एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर एनटीपीसी के प्रशासनिक परिसर से रवाना किया। इस संबंध में महाप्रबंधक (ओ एंड एम) संजीव कुमार साहा ने कहा कि नई एएलएस एम्बुलेंस सीएसआर के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कार्य को दशार्ता है। "हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य सेवाओं को उन लोगों तक पहुँचाना है, जो स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से गुजर रहे हैं वैसे लोगों के बीच उचित चिकित्सा सेवाओं का लाभ पहुँचाने में मदद करने में सहायक होंगे तथा भविष्य में भी एनटीपीसी द्वारा इस तरह के जन कल्याणकारी प्रयास जारी रहेंगे।

एनटीपीसी कहलगांव का यह कार्य स्थानीय आमजन की भलाई के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। एनटीपीसी नैगम द्वारा कहलगाँव और पीरपैंती के चिकित्सा केंद्रों के स्वास्थ्य सेवा को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से दो नई एडवांस्ड एमर्जेंसी एम्बुलेंस की शुरूआत के साथ कहलगाँव और पीरपैंती अनुमंडल के रोगी जल्द से जल्द उचित चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। ये एम्बुलेंसेस चिकित्सा उपकरणों से लैस हैं जो आपातकालीन परिस्थितियों में भी उचित चिकित्सा सेवा प्रदान करने में मदद करेंगे, एम्बुलेंस में चिकित्सा उपकरणों में ऑटो लोडिंग स्ट्रेचर, व्हील चेयर, परिवहन वेंटिलेटर, सिरिंज इन्फ्यूजन पंप, मल्टी पैरामीटर मॉनिटर, वैक्यूम स्प्लिंट, नियामक के साथ पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर, आपातकालीन किट, बचाव उपकरण आदि सुविधाएं मौजूद हैं। इस अवसर पर सभी महाप्रबंधकगन, सीएमओ (जीवन ज्योति अस्पताल) डॉ. सुष्मिता सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अजय प्रसाद , उप एवं कहलगांव अनुमंडल अस्पताल और पीरपैंती के रेफरल अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

डीएम ने किया जिलास्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक

प्रात : किरण ब्यूरो

पूर्णिया । अनु० जाति एवं अनु० जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम- 1989 एवं संशोधित नियम 2016 के अंतर्गत जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय वेश्म में जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आहूत की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी एवं लोक अभियोजक तथा पुलिस उपाधीक्षक के साथ अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण के कार्य प्रगति एवं उपलब्धि की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रथम किस्त हेतु 17 मई 2023 से अब तक 44 पीड़ित की सूची प्राप्त हुआ है इसके भुगतान की अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित लाभार्थियों के द्वितीय किस्त की राशि भुगतान हेतु 101 आरोप पत्र प्राप्त हुआ है। इसके भुगतान के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय पूर्णिया एवं जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया की माहवार दर्ज कांड एवं आरोप पत्रों की सूची पूर्ण विवरणी के साथ तैयार कर अगली बैठक के पहले समर्पित करना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान लोक अभियोजक द्वारा बताया गया कि न्यायालय में 413 मामले चल रहे हैं। इस माह में हत्या से संबंधित दो मामले में अभियुक्त को सजा हुई है। जिलाधिकारी द्वारा लोक अभियोजक को निर्देश दिया गया कि सभी संबंधित वादों की सूची स्तर वार तैयार कर समर्पित करना सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया की विभिन्न विभागों यथा पुलिस के कारण कितने मामले लंबित हैं एवं गवाही तथा आदेश पर कितने मामले प्रगति पर हैं। जिसकी विस्तृत सूची तैयार कर समर्पित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा गवाहों को दिए जाने वाले यात्रा भत्ता की समीक्षा के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी तक कुल सात गवाहों को यात्रा भत्ता का भुगतान किया गया है तथा दस गवाहों का यात्रा भत्ता आवंटन के प्रत्यासा में लंबित है। आवंटन प्राप्त होते ही इसका भुगतान कर दिया जाएगा। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी तथा पुलिस उपाधीक्षक को निर्देश दिया गया को वो प्रत्येक पंद्रह दिन में प्राप्त मामलो की लिस्टिंग कर अनूसूचित जाति जनजाति अत्याचार उन्मूलन की पाक्षिक बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी को तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित मामले की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा लोक अभियोजक को दस वादों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का लक्ष्य दिया गया। बैठक में सहायक समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, जिला कल्याण पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय पूर्णिया, लोक अभियोजक तथा संबंधित सदस्य गण मौजूद थे।

चंद्रयान 3 सफलता को ले निकली जागरूकता रैली

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। स्थानीय सैंडिस कम्पाउंड मैदान परिसर में लायंस क्लब के द्वारा चंद्रयान 3 की बड़ी सफलता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान चंद्रयान 3 के सफल परीक्षण को लेकर इसरो द्वारा भारत के उद्धम विकास मार्ग में एक इतिहास बनाया है। इस सफल परीक्षण के खुशी को लेकर भागलपुर लायंस क्लब के तमाम सदस्यों ने मिलकर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस दौरान लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. विनोद अग्रवाल फर्स्ट लेडी लायन बबीता अग्रवाल, कैबिनेट सचिव ला. गोपाल खेतड़ीवाल, ने रैली का नेतृत्व करते हुए शहर के मुख्य बाजार मार्ग होते हुए कार्यालय पहुंचकर कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला क्षेत्र के समस्त लायंस क्लब सदस्यों ने बढ़ चढ़ हिस्सा लिया।

इस मौके पर लायन क्लब भागलपुर अध्यक्ष मनोज शर्मा एवं सचिव प्रदीप कुमार सहित लायंस क्लब भागलपुर प्राइम की महिला सदस्यों व युवतियों अन्य सदस्य भी रैली में शामिल थे। रीजनल चेयरपर्सन संजय सेठ, एडमिनिस्ट्रेटर लायन सुमित जैन सचिव लायन अभिषेक, लायन संजीव झुनझुनवाला, लायन अनिल गोयंका, लायन जय कुमार जैन साथ ही और भी लोग विभिन्न संस्थाओं से मौजूद थे।

इस दौरान सभी सदस्यों ने इसरो के समस्त सदस्यों व कर्मियों के सफलता के मार्ग में चंद्रयान 3 का कड़ी मेहनत लग्नसिलता के मार्ग में भारत के मिशन चंद्रयान 3 को सफलता प्राप्त की इसके लिए बहुत-बहुत अनुमोदना और उनकी प्रशंसा की गई।

लूट की योजना बना रहे चार शातिर अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। 2 करोड रुपए लूट की साजिश रच रहे 4 अपराधियों को पुलिस ने देर रात झुकुरिया गांव इलाके के पास स्थित एक आम बगीचे से गिरफ्तार किया है। उक्त आशय की जानकारी सीटी एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान सिटी एसपी अमित रंजन ने साझा करते हुए कहा कि मामले को लेकर पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य को लेकर इलाके में अपराधी एकजुट हुए हैं, प्राप्त सूचना के तहत मिली जानकारी के आलोक में बरिय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सीटी डीएसपी अजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई।

गठित पुलिस टीम को त्वरित कार्रवाई के तहत प्राप्त सूचना के तहत सूचना स्थल पर पहुंच मामले की सत्यता की जांच के निर्देश दिये गये थे। जिसके बाद गठित पुलिस टीम सूचना स्थल पर पहुंच रणनीति तैयार कर उक्त स्थल से चार शातिरों को दबोचा, वही पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों में मास्टरमाइंड मो. तबरेज व मो. सज्जाद औद्योगिक थाना क्षेत्र के फतेहपुर है जबकि तीसरे अपराधी गौतम कुमार ग्राम मंसरपुर का है तो वही चौथे अपराधी मो. राजा सबौर थाना क्षेत्र के सफियागड़ी के रूप में पहचान की गई है। वही पुलिस टीम ने सभी की जांच के क्रम में अपराधी के पास से दो देशी कट्टा, तीन कारतूस एक छूरा व पांच मोबाइल फोन की बरामदगी की है। ज्ञात हो कि मास्टरमाइंड मो. तबरेज का आपराधिक इतिहास भी रहा है, गिरफ्तार मो. तबरेज पर मारपीट, यौन शोषण, लूटपाट के अलावे कई अन्य कांड में केस दर्ज है। इस दौरान सिटी डीएसपी अजय कुमार चौधरी सहित कई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

चंपारण ओपी में नये थाना अध्यक्ष को बुके देकर किया गया सम्मानित

पूर्णिया/ केनगर । मधुबनी टीओपी में पदस्थापित थानाध्यक्ष डेजी कुमारी का चम्पानगर ओपी में नए ओपी अध्यक्ष पद पर पदस्थापित होने पर पूर्व के ओपी अध्यक्ष ओमप्रकाश द्धारा नए ओपी अध्यक्ष को बुके देकर सम्मानित किया और पदभार ग्रहण कराया। पदभार ग्रहण के बाद डेजी कुमारी ने चम्पानगर ओपी के सभी पुलिसकर्मियों से औपचारिक जान-पहचान की। उसके बाद उन्होंने ओपी का जायजा लिया। नए ओपी अध्यक्ष ने ओपी क्षेत्र की जानकारी हासिल कर महत्वपूर्ण समस्याओं पर चर्चा करते हुए ओपी में पदस्थापित पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ बैठक कर विचार विमर्श कर कई दिशा निर्देश दिया। नव पदस्थापित थानाध्यक्ष ने कहा कि अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था प्राथमिकता रहेगी।

क्षेत्र के लोगों के अनुसार पूर्व ओपी अध्यक्ष ओमप्रकाश का सेवा अवधी दायित्व के प्रति सराहनीय बताया गया तथा क्षेत्र के लोगों के साथ मैत्रयी व्यवहार भी बताया गया।

धमदाहा के क्रीड़ा मैदान में शहीदों के सम्मान में राजकीय समारोह का आयोजन

पूर्णिया/ धमदाहा । शुक्रवार को धमदाहा के ऐतिहासिक कीड़ा मैदान में 1942 के अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन में धमदाहा थाना में तिरंगा फहराने के दौरान शहीद हुए जवानों के बलिदान दिवस पर राष्ट्रीय तिरंगा फहराया गया। राष्ट्रीय राजकीय समारोह घोषित होने के बाद सर्वप्रथम बिहार सरकार के खाद एवं आपूर्ति मंत्री विधायक लेसी सिंह की उपस्थिति में स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र अरविंद प्रसाद सिंह के द्वारा 9:50 पर झंडोतोलन किया गया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी के परिजनों एवं शहीद के परिजनों को अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर बिहार सरकार के आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि साल 2000 से ही यहां के स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा शहीदों के याद में 25 अगस्त को तिरंगा झंडा फहराया जाता है। इस दौरान लोगों में उत्साह देखने को मिलता है। इन्हीं सब बात को देखते हुए यहां का का स्मारक को विकसित किया गया। साथ ही इसे मुख्यमंत्री की कृपा से आज धमदाहा के शहीदों को राजकीय समारोह करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक स्वतंत्रता सेनानी परिवार के रहने के कारण स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति उनके अंदर मान सम्मान और बहुत ही आदर भाव है।

जिले के सात अस्पतालों का राज्यस्तरीय टीम जल्द करेगी निरीक्षण

प्रात : किरण ब्यूरो

पूर्णिया । जिले के दो अनुमंडलीय अस्पताल, दो रेफरल अस्पताल और तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का कायाकल्प कार्यक्रम के तहत राज्यस्तरीय टीम के द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। जिसको लेकर सभी तरह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। टीम के आने से पहले ही सभी प्रकार की कमियों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है। राज्यस्तरीय टीम में कटिहार जिले के जिला सलाहकार, गुणवत्ता यकीन डॉ किसलय कुमार, जिला अस्पताल के अस्पताल प्रबंधक और स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करने वाली संस्था के एक अधिकारी को शामिल किया गया है। जिनके द्वारा पूर्णिया जिले के सात अस्पतालों का कायाकल्प कार्यक्रम के तहत निरीक्षण किया जाना है। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग का मुख्य उद्देश्य, जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों में चिकित्सीय व्यवस्था को धरातल पर उतारते हुए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बता दें कि अस्पतालों द्वारा दी जा रही चिकित्सीय सुविधाओं में कमियों को पूरा करते हुए बेहतर चिकित्सीय व्यवस्था लागू करने को लेकर कायाकल्प कार्यक्रम के तहत भौतिक सत्यापन किया जाता है। उसके बाद ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थान को विभागीय स्तर पर सम्मानित किया जाता है। जिसमें जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराने में यूनिसेफ एवं पिरामल स्वास्थ्य के अधिकारियों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

कायाकल्प कार्यक्रम के तहत जिले के कई स्वास्थ्य संस्थानों का जल्द ही किया जाएगा निरीक्षणः डीसीक्यूए

जिला सलाहकार, गुणवत्ता यकीन पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि जिले के अनुमंडलीय अस्पताल धमदाहा और बनमनखी, रेफरल अस्पताल अमौर और रूपौली, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसबा, भवानीपुर और बैसा का राज्यस्तरीय टीम के द्वारा बहुत ही जल्द भ्रमण होने वाला है। जिसको लेकर सभी अस्पतालों द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में अनुमंडलीय अस्पताल बनमनखी सहित भवानीपुर, कसबा और बैसा का कायाकल्प कार्यक्रम के तहत राज्यस्तरीय टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया था। जिसमें बैसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 83.86 प्रतिशत, अनुमंडलीय अस्पताल बनमनखी को 80.86 प्रतिशत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसबा को 76.86 प्रतिशत एवं सीएचसी भवानीपुर को 71.71 प्रतिशत के साथ प्रशस्ति पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ था।

बेरोजगार महिलाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही बबीता कुमारी

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । अगर किसी व्यक्ति के पास दृढ़ इच्छा शक्ति, सच्ची लगन, बुलंद हौसला और भरपूर आत्मविश्वास हो तो वह बड़ी से बड़ी बाधाओं का सामना करते हुए कामयाबी के शिखर तक पहुंचकर समाज में अपना एक अलग पहचान बना सकती है। अगर आपके अंदर सही जज्बा और कामयाब होने का जुनून हो तो आर्थिक परेशानी भी आपकी कामयाबी के पथ पर रोड़ा उत्पन्न नहीं कर सकती है। कुछ ऐसा ही मानना है गुलाबबाग निवासी बबीता कुमारी का। इन दिनों बबीता कुमारी आत्मनिर्भर भारत की ओर अपना कदम बढ़ाते हुए बेरोजगार महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का एक मिशाल कायम कर रही है। इन दिनों बबीता कुमारी कई बेरोजगार महिलाओं की मदद से गोबर की मदद से अलग-अलग सामग्री बनाकर न सिर्फ बेरोजगार महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रही है बल्कि आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देते हुए खुद भी आत्मनिर्भर हो रही है। एक प्रश्न के पूछे जाने पर बबीता कुमारी ने बताया कि गोबर से बनी सामग्री की शुरूआत हम राखी से की है, जिसका नाम हमने नंदी राखी रखा है। उन्होंने बताया कि नंदी राखी गौ माता के गोबर से शुद्ध स्वदेशी एवं स्वच्छता का प्रतीक रखी है। जिसे बहनों के द्वारा भाई के कलाई में बांधने पर न सिर्फ आत्म सुकून मिलता है बल्कि इनका एक अलग महत्व भी होता है। उन्होंने बताया कि वैसे तो राखी के बाजारों में लंबे समय से चाइनीस राखी अपना एक अलग स्थान बनाए हुए हैं वैसे में शुद्ध गोबर से बनी राखी को बाजारों में अपना स्थान दिलाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है किंतु हमने इस चुनौती को स्वीकारते हुए जिला मुख्यालय के अलग-अलग चौक चौराहे पर नंदी राखी का कई स्टॉल लगवाए हैं, खासकर गुलाबबाग बाजार के अलग-अलग चौक चौराहा पर कई स्टॉल लगवाए हैं। उन्होंने बताया कि गोबर से निर्मित नदी राखी का डिमांड ग्राहकों के बीच काफी देखने को मिल रही है। उन्हें बताया कि वैसे तो राखी का त्यौहार आने में कई दिन शेष हैं किंतु अभी से नंदी राखी की जो डिमांड दिखने को मिल रही है उससे न सिर्फ हमारी हौसला बड़ी है बल्कि गोबर से बनी अन्य सामग्री बनाने की उत्साह भी हमारी दुगनी हो चुकी है।

कसबा के लाल का कमाल, चंद्रयान 3 अभियान में रही महत्वपूर्ण भूमिका

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । भारत का मून मिशन चंद्रयान-3 के चांद पर सफल लैंडिंग के बाद जहां पूरे देश में जश्न का माहौल है वहीं पूर्णिया जिले के कसबा में भी काफी खुशी देखी जा रही है। पिछले दिनों चंद्रयान 3 के सफल लैंडिंग अभियान में इसरो में कार्यरत सर्जन डा ओपी साह के पुत्र कसबा के मिट्टी के लाल प्रसुन पंकज का अहम योगदान रहा है। प्रसुन पंकज ने कसबा की मिट्टी को गौरवान्वित किया है। श्री पंकज के परिवार में खुशी की लहर देखने को मिल रही है। बिहार के पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री सह कसबा के विधायक मो आफाक आलम ने कसबा की मिट्टी के लाल प्रसुन पंकज को बिहार की आम जनता की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी है और उनके उज्वल भविष्य की कामना किया है। कसबा की मिट्टी में जन्मे और पले प्रसुन की हर ओर सराहना हो रही है। उनके जीवनवृत्त पर प्रकाश डाले तो श्री प्रसुन का घरेलू नाम सुमन है। उनका प्रथम पाठशाला सरस्वती शिशु मंदिर कसबा है जहां से उन्होंने शिक्षा आरम्भ किया। मध्य विद्यालय, कसबा और उच्च विद्यालय, कसबा से शिक्षा प्राप्त कर, पटना में शिक्षा ग्रहण किया।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के ओजस्वी संगठनकर्ता पूर्व राष्ट्रीय मंत्री हरेंद्र प्रता

कंटेंट के महत्व को अच्छे से समझता है ओटीटी

दिल्ली 6, जुबली, भूमि, ताज – डिवाइडेड बाय ब्लड और कई अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी को लगता है कि ओटीटी कंटेंट के महत्व पर जोर देता है और कलाकारों को क्रिएटिव करने की आजादी देता है। अदिति ने पीरियड ड्रामा ताज – डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली के रूप में अपने परफॉर्मेंस से दिल जीता। एक्ट्रेस ने हाल ही में कतर, दुबई और अबू धाबी में अपने फैंस के साथ मुलाकात की। आइकॉनिक किरदार निभाने के अपने एक्सपीरियंस साझा करते हुए अदिति ने कहा, ओटीटी के बारे में एक बात जो मुझे पसंद है, वह यह है कि यह राइटर्स, एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए ज्यादा क्रिएटिविटी प्रदान करता है। यह कंटेंट के महत्व को समझता है। यही कारण है, मैंने ताज –डिवाइडेड बाय ब्लड पर काम करने का फैसला किया। अनारकली की भूमिका के लिए प्रसिद्ध एक्ट्रेस मधुबाला से तुलना की जाने वाली स्टार ने यह भी उल्लेख किया कि इसके लिए साइन अप करते समय उन्हें पता था कि ये बड़ी जिम्मेदारियां हैं। एक्ट्रेस के पास वर्तमान में जी5 ग्लोबल पर टाइटल्स की एक रोमांचक लाइब्रेरी है, जिसमें रोमांस ड्रामा दास देव, मलयालम थ्रिलर साइको और रणबीर कपूर–स्टारर ट्रैजेडी रोमांस रॉकस्टार जैसी फिल्में शामिल हैं।

19 साल बाद परदे पर दिखेगी रवीना और अक्षय की जोडी

पॉपुलर कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्म वेलकम के तीसरे पार्ट यानी वेलकम–3 इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। बीते दिनों फिल्म वेलकम 3 के टाइटल और रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया गया था। ये फिल्म वेलकम टू जंगल के नाम से साल 2024 के क्रिसमस पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इसी बीच फिल्म वेलकम 3 की स्टारकास्ट को लेकर नया अपडेट सामने आया है और इस फिल्म में एक और एक्ट्रेस को कास्ट करने की खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म वेलकम 3 में अब रवीना टंडन को भी शामिल कर लिया गया है। गौरतलब है कि अक्षय कुमार और रवीना टंडन के अफेयर के किस्से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी चर्चित रहे हैं। हालांकि, दोनों का रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया और दोनों के रास्ते अलग हो गए थे। अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना के साथ शादी और रवीना टंडन ने अनिल थडानी के साथ शादी कर ली। वहीं, अक्षय कुमार और रवीना टंडन की जोड़ी को फिल्मों में खूब पसंद किया जाता था और दोनों ने कई बार स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। साल 2004 में फिल्म आन- मेन एट वर्क के बाद अक्षय कुमार और रवीना टंडन ने एक साथ काम नहीं किया है। अब खबर आ रही है कि दोनों फिर से काम करने जा रहे हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार और रवीना टंडन फिल्म वेलकम 3 में नजर आने वाले हैं। अगर ऐसा होता है तो 19 साल बाद दोनों की जोड़ी फिर फिल्म में नजर आएगी। फिल्म वेलकम 3 की स्टारकास्ट को लेकर तमाम खबरें सामने आती रहती हैं। फिल्म वेलकम 3 की स्टारकास्ट को लेकर कहा जा रहा है कि नाना पाटेकर और अनिल कपूर इस बार नहीं नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म वेलकम 3 में इन दोनों स्टार्स की जगह संजय दत्त और अरशद वारसी को लिया गया है। वहीं, ये भी खबर है कि फिल्म में अक्षय कुमार के साथ संजय दत्त और अरशद वारसी के अलावा सुनील शेट्टी और बॉबी देओल भी नजर आने वाले हैं। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया है।

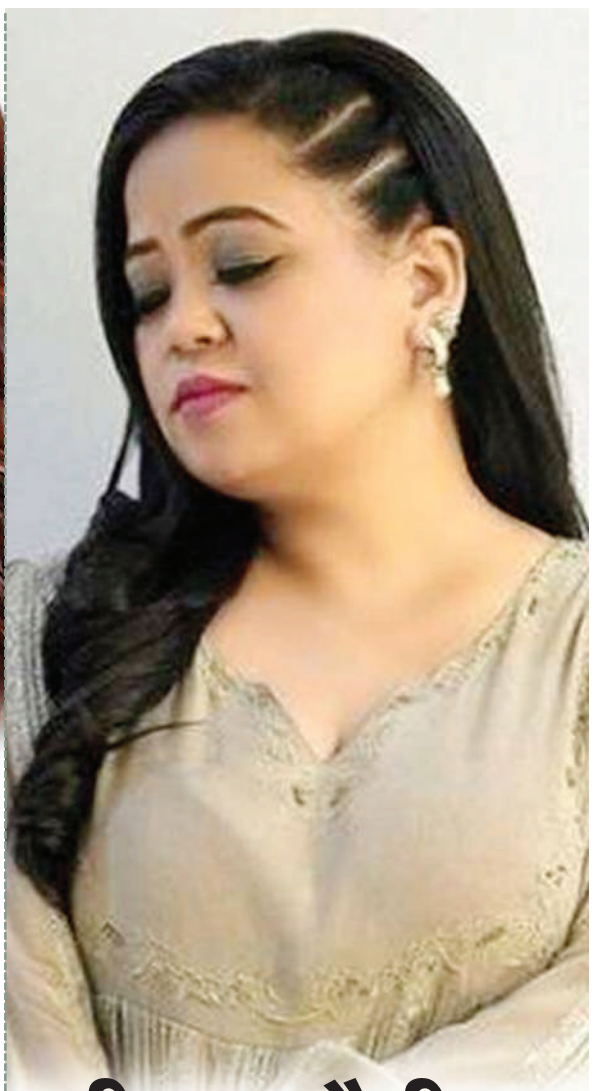

फीस कटौती पर छलका कॉमेडियन भारती सिंह का दर्द

कॉमेडियन भारती सिंह ने हाल ही में अपनी फीस की कटौती को लेकर बात की है। उन्होंने बताया है कि कोविड के बाद से उन्हें कम फीस मिलती है। कॉमेडियन ने बताया कि अपनी मेहनत के मुताबिक फीस ना मिलने के कारण उन्हें काम करने में मुश्किल हो रही है। उन्होंने बताया कि वह खुद भी इस वक्त ऐसी सिचुएशन का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा– 'पेंडेमिक के बाद से शोज के बजट काफी प्रभावित हुए हैं और यह हर इंडस्ट्री में हुआ है। लेकिन यह ठीक नहीं हुआ है, आर्टिस्ट जितना करता है, उसे उतना नहीं मिलता है। किसी भी कलाकार को अच्छा महसूस नहीं होगा, अगर उसे वह फीस नहीं मिलेगी..जो वह डिजर्व करता है।' भारती ने आगे कहा– 'मैं जो फीस पहले चार्ज करती थी अगर आप उसका 25त्न भी नहीं दोगे, तो फिर काम नहीं हो पाएगा। अगर यह सिर्फ एक दिन का काम है तो उसमें कोई दिक्कत नहीं होगी। लेकिन अगर आप मुझसे एक शो के लिए महीने में 26 दिन देने के लिए कहते हैं और इसके लिए मुझे अच्छी फीस नहीं दी जाती है, तो मैं काम से पीछे हटने पर मजबूर होती हूं। अगर मैं अपने बच्चे को 12 घंटे के लिए घर पर छोड़ कर आती हूं, तो मुझे मेरे काम के लिए अच्छी फीस दी जानी चाहिए। मुझे इसकी जरूरत है।'

अपना काम ईमानदारी से करती हूं, कभी ओवरटाइम की शिकायत नहीं की

भारती ने आगे कहा– 'मैं जब भी किसी प्रोजेक्ट में काम करती हूं, तो मैं बिना शिकायत के उसे पूरी ईमानदारी के साथ करती हूं। मैं यह किसी से ये नहीं कहतीज्मैं पहले 1 लाख लेती थी और अब 50 हजार ले रही हूं, तो 6 की जगह 3 जोक्स ही मारूंगी। एक बार जब मैं स्टेज पर होती हूं, तो मुझे याद भी नहीं रहता है कि मुझे उस शो के लिए कितने पैसे दिए गए हैं।' मैं कभी भी ओवरटाइम की शिकायत नहीं करती।

भारती ने बताई यूट्यूब व्लॉगिंग करने की वजह

भारती ने बताया कि इन्हीं वजहों से वह अब यूट्यूब के लिए कॉन्टेंट बनाकर खुश रहती हैं। जहां पर वह अपने डेली व्लॉग्स शेयर करती हैं। भारती ने कहा– मेरे चैनल के कारण मैं अपने बच्चे के साथ पर्याप्त समय बिता पाती हूं। जैसे–जैसे गोला बड़ा हो रहा है, मैं उसके साथ इन मोमेंट को इंजॉय करना चाहती हूं। ये वक्त मुझे दोबारा कभी भी नहीं मिलेगा।

अच्छे प्रोजेक्ट मिलें तो टीवी में जरूर काम करूंगी

टीवी इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए भारती ने कहा मुझे टीवी पर काम करना पसंद है, क्योंकि मैं इसका हिस्सा रही हूं। मेरे पास जो भी अच्छे प्रोजेक्ट्स आएंगे, मैं निश्चित तौर पर उनमें काम करूंगी। इन दिनों मेरा ध्यान यूट्यूब पर है और मैं जल्द ही दूसरा चैनल भी बनाने के बारे में सोच रही हूं।

नितेश तिवारी की रामायण से आलिया हुईं बाहर

बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर नितेश तिवारी ने रामायण बनाने का फैसला किया है। पिछले काफी वक्त से खबरें आ रही थीं कि फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभाएंगे और सीता के रोल में आलिया भट्ट नजर आएंगी। हालांकि, नए अपडेट्स के मुताबिक आलिया अब फिल्म में सीता का किरदार नहीं निभाएंगी। अब वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया फिल्म से बाहर हो गई हैं, जबकि रणबीर कपूर फिल्म में राम का रोल निभाने वाले हैं। दरअसल मेकर्स का मानना है कि इस फिल्म को दर्शकों के बीच पेश करने के लिए इसकी अच्छी कास्टिंग बहुत जरूरी है। मेकर्स को लग रहा है कि आलिया भट्ट सीता के किरदार में फिट नहीं हो रही हैं, जिस कारण उन्हें यह रोल नहीं दिया जा रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि मेकर्स जल्द से जल्द फिल्म पर काम शुरू करना चाहते हैं। लेकिन डेट्स इशू होने की वजह से आलिया भट्ट इस प्रोजेक्ट से बाहर हुई हैं। हालांकि, कास्ट को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। कहा जा रहा है कि मेकर्स को अब फिल्म में कास्ट करने के लिए एक नई सीता की तलाश है। अब देखना यह है कि आलिया भट्ट के बाहर होने के बाद ये फिल्म किस एक्ट्रेस की झोली में गिरती है।

इमरजेंसी के लिए करण जौहर की एक्साइटमेंट देखकर डरीं कंगना

करण जौहर ने हाल ही में कंगना रनोट की अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' पर बात की थी। एक इवेंट में करण ने कहा था कि वो इस फिल्म को देखने के लिए एक्साइटेड हैं। अब कंगना रनोट ने करण के इस कमेंट पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वो करण को उनकी फिल्म के लिए एक्साइटेड देखकर डरी हुई हैं। फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर राज बंसल ने सोशल मीडिया पर करण जौहर के इस बयान से जुड़ी एक लिंक शेयर करते हुए सवाल किया था। बंसल ने लिखा था, 'वाकई? क्या करण का मन बदल गया है?' इसी ट्वीट पर जवाब देते हुए कंगना ने ट्वीट किया। कंगना ने लिखा, 'हा.. हा.. पिछली बार जब उन्होंने कहा था कि वो मेरी फिल्म 'मणिकर्णिका' देखने के लिए एक्साइटेड हैं तो मेरे और मेरी फिल्म के खिलाफ बदनामी का कैंपेन शुरू हो गया था।

मेरे एक्टर्स ने मेरे ऊपर कीचड़ उछाला था

मेरी फिल्म में काम करने वाले लगभग सभी मेन एक्टर्स को मेरे ऊपर कीचड़ उछालने के लिए पैसे दिए गए थे। इसके बाद अचानक से मेरी जिंदगी का सबसे सक्सेसफुल वीकेंड, सबसे बुरे एक्सपीरियंस में बदल गया था। हा.. हा.. अब मैं डरी हुई हूं.. बहुत ज्यादा.. क्योंकि वो फिर से एक्साइटेड है।'

कंगना और करण के बीच विवाद 'कॉफी विद करण– 5' से शुरू हुआ था। शो में कंगना ने करण को नेपोटिज्म पर टारगेट किया था। इसके बाद से लेकर अब तक दोनों कई बार पब्लिक प्लेटफॉर्म पर एक दूसरे के खिलाफ बोल चुके हैं।

कंगना इन दिनों अपनी अगली फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग में बिजी हैं। कंगना इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल निभाने के साथ ही इसे डायरेक्ट भी कर रही हैं। फिल्म में उनके अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमण समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

सुखी के साथ सिनेमाघरों में वापसी करने जा रहीं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी फिल्म सुखी के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। सोनल जोशी द्वारा पहली निर्देशित फिल्म सुखी का निर्माण क्रिटिक्स द्वारा प्रशंसित और बहुचर्चित शेरनी, छोरी और जलसा जैसी फिल्मों के प्रड्यूसर्स अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट और टी–सीरीज़ के द्वारा किया गया है। एयरलिफ्ट, शेरनी, छोरी और जलसा जैसे ब्लॉकबस्टर पर एक सफल सहयोग के बाद टी–सीरीज और अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट ने अपने मजेदार मनोरंजन सुखी की देशभर में थिएट्रिकल रिलीज की घोषणा की। यह फिल्म सोनल जोशी की पहली डायरेक्टोरियल फिल्म है, जो भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा द्वारा निर्मित है। इसमें कुशा कपिला, दिलनाज़ ईरानी, पवलीन गुजराल, चैतन्य चौधरी और अमित साध के साथ बेहतरीन अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नज़र आ रहीं हैं। फिल्म को राधिका आनंद ने लिखा है, और इसका स्क्रीनप्ले पॉलोमी दत्ता द्वारा लिखा गया है। सुखी 38 वर्षीय पंजाबी हाउसवाइफ सुखप्रीत सुखी कालरा और उसके दोस्तों की कहानी है, जो 20 साल बाद अपने स्कूल के रीयूनियन में भाग लेने के लिए दिल्ली जाते हैं। सुखी 22 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं करीना कपूर

करीना कपूर जल्द ही ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये जानकारी देते हुए मजेदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में करीना अपनी पिछली फिल्मों में मिलते-जुलते रोल करने से मना कर रही हैं। वीडियो में करीना ने फिल्म कभी खुशी कभी गम में पू और जब वी मेट में गीत जैसे कैरेक्टर रिपीट करने से मना किया है।

वीडियो में करीना ने पू के अंदाज में दिखीं करीना

वीडियो शेयर करते हुए करीना ने लिखा– मैं ये सीक्रेट बताने का इंतजार नहीं कर सकती। इस वीडियो में करीना स्क्रिप्ट आइडियाज डिस्कस करती दिख रही हैं। करीना को एक व्यक्ति कभी खुशी कभी गन पर काम करने का आइडिया देता है जिसमें उनका किरदार अपनी हील्स में गन छिपाकर चलता हो। करीना इस आइडिया को रिजेक्ट कर देती हैं। इसके बाद करीना अपने किरदार पू की आवाज में कहती हैं– तुम्हें कोई हक नहीं कि तुम इतना गिल्टी लगो।

मेरी पहली ओटीटी फिल्म ओरिजिनल होनी चाहिए

इसके बाद करीना को कल वी मेट नाम की साई–फाई थ्रिलर फिल्म का आईडिया सुझाया जाता है जहां दोनों लीड कैरेक्टर्स की मुलाकात ट्रेन की बजाय टाइम मशीन में होती है। वीडियो में करीना को मुझसे हीस्ट करोगी, पू–की ब्लाइंडर्स, फल वी मेट नाउ जैसी काल्पनिक फिल्मों की स्क्रिप्ट भी दी जाती है करीना हर स्क्रिप्ट को मना कर देती हैं। इसके बाद करीना कहती हैं– क्या कुछ और नहीं है ? कुछ थ्रिलर टाइप्स ? ये मेरी पहली ओटीटी फिल्म है, ये ओरिजिनल होनी चाहिए, हम ऐसे ही कुछ भी नहीं बना सकते।

सुजॉय घोष की अपकमिंग फिल्म से कर सकती हैं डेब्यू

करीना ने अब तक ये नहीं बताया है कि वो किस फिल्म से अपना ह्रञ्जञ्ज डेब्यू करने जा रही हैं। हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि उनका इशारा सुजॉय घोष की अपकमिंग फिल्म की तरफ है। ये फिल्म जापानी फिल्म द डीवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स की तरफ है। इस फिल्म में जयदीप अहलावत और विजय वर्मा भी दिखेंगे। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्ममेकर्स जल्द ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज करने वाले हैं। फिल्म का टाइटल जाने जान हो सकता है। इसके अलावा करीना कृति सेनन और तब्बू के साथ फिल्म द क्रू में भी नजर आएंगी।

त्योहारों में दमदार बिक्री की आस, 40 से 50 प्रतिशत उत्पादों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते ओणम और रक्षाबंधन आ रहे हैं, जिनके साथ त्योहारों का दौर शुरू हो जाएगा। तमाम कंपनियों को उम्मीद है कि लोगों पर त्योहारों का खुमार चढ़ने के साथ ही इस साल उनके उत्पादों की बिक्री खूब बढ़ेगी। कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनियों को इन त्योहारों पर अपने प्रीमियम उत्पादों की बिक्री 40 से 50 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। अप्लायंस विनिर्माता भी मान रहे हैं कि इस साल बेमौसम बारिश के कारण कम बिके रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे ठंडे करने वाले उपकरण त्योहारों पर खूब बिकेंगे।

गोदरेज अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख एवं कार्यकारी वाइस प्रेसिडेंट कमल नंदी ने कहा, 'अगर ओणम को संकेत माना जाए तो खास तौर पर प्रीमियम श्रेणी के लिए त्योहारी सीजन अच्छा रहेगा। हम सितंबर में कई उत्पाद पेश करने वाले हैं।' उन्होंने कहा कि इस बार के त्योहारों में प्रीमियम उत्पादों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी बढ़ने के आसार हैं। मगर ज्यादा बिकने वाले उत्पादों की श्रेणियों में बिक्री 20 फीसदी तक ही बढ़ने की संभावना है।

टेलीविजन बनाने वाली कंपनी सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) ने भी त्योहार पर मांग बढ़ने की उम्मीद में टीवी पैनल का उत्पादन 20 से 30 फीसदी बढ़ा दिया है। कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी अवनीत सिंह मारवाह ने कहा, 'इस साल त्योहारी सीजन अच्छा रहने की उम्मीद है क्योंकि पूरे साल बाजार में झटके मिलते रहे। क्रिकेट में दो बड़े टूर्नामेंट विश्व कप और एशिया कप भी होने जा रहे हैं, जिनसे टीवी की बिक्री तेज होगी।' कंपनी के पास कोडक, थॉमसन, ब्लाउपंक्ट और व्हाइट-वेस्टिंगहाउस जैसे ब्रांडों का लाइसेंस है और वह इन ब्रांडों के टीवी बनाती है।

एफएमसीजी क्षेत्र में पारले प्रोडक्ट्स को बिक्री के लिहाज से यह साल बहुत अच्छा दिख रहा है। कंपनी के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा, 'इस साल शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों का प्रदर्शन अच्छा रहना चाहिए क्योंकि महंगाई में नरमी आई है और मांग में इजाफा दिखा है। बिक्री में हमें मूल्य के लिहाज से 10 से 11 फीसदी और मात्रा के लिहाज से 4 से 5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है।'

वाहन कंपनियों को भी त्योहार की वजह से मांग में वृद्धि दिख रही है। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (बिक्री एवं विपणन) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, 'ओणम ने सीजन की अच्छी शुरुआत करा दी है और बुकिंग करीब 25 फीसदी बढ़ गई है। मगर अगस्त में बारिश कम होने से ग्रामीण मांग पर असर पड़ सकता है। करीब 80 फीसदी खुदरा बिक्री कर्ज के साथ होती है, इसलिए ब्याज दरें बढ़ीं तो बिक्री को झटका लग सकता है।'

इस साल त्योहार कुल 83 दिन तक चलेंगे, जबकि पिछले साल त्योहारों का सीजन केवल 71 दिन का था। पश्चिम भारत में टाटा मोटर्स के डीलर दादा मोटर्स के मालिक ऋषि दादा ने कहा, 'हमें त्योहारों में मांग करीब 30 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की मांग खास तौर पर अधिक है और जिन कंपनियों के पास एसयूवी के अधिक मॉडल हैं, उन्हें अधिक फायदा होगा।

वाहन डीलरों के संगठन फाडा के अध्यक्ष मनीष सिंहानिया ने कहा कि डीलरों के पास अब 50 दिनों का स्टॉक मौजूद है मगर त्योहारी सीहन के दौरान ज्यादा वाहन बिकने की उम्मीद है। डीलर इस समय अपना स्टॉक बढ़ा रहे हैं और जिन इलाकों में त्योहार शुरू हो गए हैं, वहां वाहनों की आपूर्ति भी ज्यादा हो रही है।

त्योहारों के कारण यात्रा क्षेत्र में भी जबरदस्त तेजी दिख रही है। थॉमस कुक (इंडिया) और एसओटीसी ट्रैवल के अध्यक्ष एवं समूह प्रमुख (वैश्विक कारोबारी यात्रा) इंदीवर रस्तोगी ने कहा, 'महानगरों के लिए किराये पिछले साल के मुकाबले करीब 10 फीसदी बढ़ गए हैं। मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु आदि महानगरों से भुवनेश्वर, इंदौर, लखनऊ, जयपुर आदि शहरों के लिए हवाई टिकट भी 5 से 15 फीसदी तक महंगे हो रहे हैं। दूसरे शहरों में काम करने वाले पेशेवर त्योहारों पर अपने शहर लौटते हैं, जिस वजह से टिकटों की मांग बढ़ रही है।' आतिथ्य सेवा उद्योग को भी आगामी हफ्तों में हलचल बढ़ने की उम्मीद है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज बेच सकती है आरआरवीएल में 8-10 फीसदी हिस्सेदारी

- रिलायंस रिटेल में हिस्सेदारी बिक्री की प्रोसेस 12-15 महीनों में हो सकती है पूरी
- आईपीओ का साइज कम करने के लिए जरूरी है हिस्सेदारी बेचना

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में 8-10 फीसदी की और हिस्सेदारी बेच सकती है। जिससे कंपनी विस्तार कार्यक्रमों में पैसा लगा सके, कर्ज चुका सके और ग्रु के रिटेल बिजनस के आइपीओ की तैयारी कर सके। मामले से जुड़े 2 इंडस्ट्री लीडर्स ने यह जानकारी दी है। यह प्रोसेस 12 से 15 महीनों में पूरी हो सकती है। यह प्रोसेस रिलायंस रिटेल के प्रस्तावित आईपीओ के लिए महत्वपूर्ण होगी। इस प्रोसेस के बाद कंपनी का आईपीओ आने की संभावना है।

यह शेयर बिक्री महत्वपूर्ण है, क्योंकि 100 अरब डॉलर (8.25 लाख करोड़ रुपये) की मौजूदा वैल्यूएशन के चलते आरआरवीएल का आईपीओ साइज बहुत बड़ा होगा। बाजार में इतने बड़े ऑफर को एब्जॉर्ब करने के लिए लिक्विडिटी नहीं होगी। इसलिए कंपनी को लगता है कि 7-10 फीसदी हिस्सेदारी की और बिक्री आईपीओ साइज को मैनेजेबल बना देगी। ताकि आईपीओ की सफलता सुनिश्चित की जा सके। भारत के लिस्टिंग नियमों के अनुसार किसी कंपनी की पब्लिक होल्डिंग, जिसमें वित्तीय निवेशकों की हिस्सेदारी भी शामिल है, कम से कम 25 फीसदी होनी चाहिए। इस समय रिलायंस रिटेल वैंचर्स लिमिटेड में करीब 11 फीसदी वैश्विक निवेशकों के पास है। इसमें कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी भी शामिल है, जिसने बुधवार को 0.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 8,278 करोड़ रुपये निवेश किये हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी में 89 फीसदी से कम हिस्सेदारी है। वहीं, कुछ शेयर छोटे निवेशकों के पास है। मौजूदा वैल्यूएशन पर अगर रिलायंस रिटेल आईपीओ के लिए जाती है, तो उसे करीब 1.15 लाख करोड़ कीमत के 14 फीसदी शेयरों को डायल्यूट करना होगा। यह एक बहुत बड़े आकार का आईपीओ होगा, जिसके सफल होने की संभावना कम रह सकती है। इसलिए रिलायंस इंडस्ट्रीज को आईपीओ से पहले आरआरवीएल में और इक्विटी बेचनी होगी, चाहे वह मौजूदा या नए निवेशकों को यह बेचे।

जियो फाइनेंशियल को 22776 करोड़ की चपत

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल में सूचीबद्ध हुई जियो फाइनेंशियल के शेयरों में लगातार चौथे दिन गिरावट रही। चार दिन में कंपनी की पूंजी भी 22,776 करोड़ घट गई है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 21 अगस्त को 1.59 लाख करोड़ रुपये था जो घटकर 1.37 लाख करोड़ रुपये रह गया। विभिन्न उद्योगों खासकर पेट्रोलियम, स्टील और उर्वरकों को हरित हाइड्रोजन के एक निश्चित अनुपात में खपत करना अनिवार्य करने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय जल्द ही विभिन्न उद्योगों में हरित हाइड्रोजन के उपयोग के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मांगेगा। वर्तमान में विभिन्न उद्योग गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित स्रोतों से ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित हाइड्रोजन का उपयोग करते हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने बताया कि मूलतः हरित हाइड्रोजन खपत का मामला निर्धारण प्रक्रिया में है। हम कुछ आंकड़े लेकर आए हैं। इन्हें लेकर हम जल्द ही कैबिनेट में जाएंगे। इस पर संबंधित मंत्रालयों के साथ विचार-विमर्श किया है। इस वर्ष की शुरुआत में सरकार की ओर से शुरू किए गए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। इस मिशन से 2030 तक एक लाख करोड़ रुपये के जीवाश्म ईंधन आयात और लगभग 5 करोड़ टन सालाना कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है।

आईपीओ धांधली मामले में 15 करोड़ लौटाएगा सेबी

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 2003-05 में आईपीओ से जुड़ी अनियमितताओं के मामले में निवेशकों को पैसे लौटाने के तीसरे चरण में करीब 15 करोड़ रुपये बांटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियामक अप्रैल, 2010 और दिसंबर, 2015 में संचालित पहले दो चरणों में क्रमशः 23.28 करोड़ और 18.06 करोड़ रुपये निवेशकों को लौटा चुका है। तीसरे चरण में 2.58 लाख निवेशकों को 14.87 करोड़ रुपये बांटे जाएंगे।

एसआईएमआर पर 20 लाख का जुर्माना

सेबी ने नियमों के उल्लंघन के मामले में निवेश सलाहकार फर्म स्टार इंडिया मार्केट रिसर्च (एसआईएमआर) पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी ने शिकायत मिलने पर कंपनी की जांच की थी। इस जांच में कंपनी की गलतियां पाई गई थी।

भारत की विकास दर दुनिया के भविष्य को देगी नया आकार, टाटा संस के प्रमुख चंद्रयान-3 पर बोले

नई दिल्ली, एजेंसी। बी 20 समिट के दौरान टाटा समूह के मुखिया एन चंद्रशेखरन ने एक देश के रूप में भारत की मजबूती और संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता पर भी अपने विचार रखे। बी20 इंडिया के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि भारत डिजिटल व कृत्रिम मेधा, ऊर्जा और मूल्य आपूर्ति श्रृंखला के वैश्विक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है और देश की वृद्धि का सफर दुनिया के भविष्य को आकार देगा। बिजनेस 20 (बी20) वैश्विक कारोबारी समुदाय के लिए जी20 का आधिकारिक चर्चा मंच है।

बी20 समिट इंडिया 2023 को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत की वृद्धि का सफर एक प्रतीक बनकर उभरा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था विपरीत परिस्थितियों, दशकों के सबसे कठिन दर चक्र और सार्वजनिक ऋण के रिकॉर्ड स्तर पर होने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चंद्रशेखरन टाटा संस के चेयरमैन भी हैं।

उन्होंने कहा, ''दुनिया वर्तमान में तीन महत्वपूर्ण मूलभूत परिवर्तनों से गुजर रही है। पहला डिजिटल व कृत्रिम बुद्धिमत्ता बदलाव, दूसरा ऊर्जा बदलाव और तीसरा वैश्विक मूल्य आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव...भारत इन तीनों का नेतृत्व करने के लिए बेहद अच्छी स्थिति में है।'' टाटा समूह के मुखिया ने कहा कि भारत आने वाले दस वर्षों में औसतन सात प्रतिशत सालाना की विकास दर हासिल करने की राह पर है। हमारा देश वैश्विक वैल्यू चेन में प्रमुख भूमिका निभाने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि भारत के पास फिलहाल कई ऐसी विशेषताएं हैं जो उसके पक्ष में काम कर रहीं हैं।

चंद्रशेखरन ने कहा कि विशेष रूप से उस सप्ताह के दौरान सभा को संबोधित करना एक बड़ा सौभाग्य है, जब भारत ने चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यान की सफलतापूर्वक सॉफ्ट-लैंडिंग की।

उन्होंने कहा कि चंद्रमा लंबे समय से आकांक्षा का प्रतीक रहा है, जब हम असंभव के लिए प्रयास करना चाहते हैं हम कहते हैं कि चंद्रमा की ओर निशाना साधें। सहस्राब्दियों से, भारत के महानतम कवियों ने चंद्रमा पर ध्यान केंद्रित किया और हमारे और चंद्रमा के बीच अथाह दूरी पर आश्चर्य व्यक्त किया है।

चंद्रशेखरन ने आगे कहा, लेकिन आज हम चांद को एक नई रोशनी में देखते हैं। पिछले हफ्ते, लाखों भारतीयों और दुनिया भर के लोगों ने टेलीविजन या ऑनलाइन लैंडिंग देखी। उनके लिए चंद्रमा आकांक्षा के प्रतीक से उपलब्धि के प्रतीक में बदल गया है। उन्होंने कहा, हर रात ऊपर की ओर एक साधारण सी नजर इस बात की याद दिलाती है कि एक राष्ट्र के रूप में हमने क्या हासिल किया है और हम भविष्य में क्या हासिल करने में सक्षम हैं।

एचडीएफसी एर्गो ने मध्यप्रदेश में खरीफ सीजन के लिए किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बुरहानपुर। भारत की प्रमुख जनरल बीमा कंपनी एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा खरीफ 2023सीज़न के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, खंडवा (पूर्वी निमाड़), झाबुआ और खरगोन (पश्चिम निमाड़)जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया गया है। यह योजना मध्यप्रदेश सरकार द्वारा योजना के तहत अधिसूचित नीचे दी गई फसलों के लिए हैं। पीएमएफबीवाई योजना किसानों को सूखे, बाढ़, सूखे दौर, भूस्खलन, चक्रवात, तूफान, ओलावृष्टि, बाढ़, कीट, बीमारियों और अन्य जैसे कई बाहरी जोखिमों से होने वाली फसल की उपज में किसी भी नुकसान के लिए बीमा करती है।उपज में होने वाले नुकसान का निर्धारण करने के लिए, राज्य सरकार योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाएगी और संचालन करेगी।यदि आयोजित सीसीई के आधार पर उपज के आंकड़े कम निकलते हैं, तो किसानों को उनकी उपज में कमी मानी जाएगी, जिसके लिए किसानों को दावा देय होगा। यह योजना फसल चक्र के सभी चरणों के लिए बीमा कवर प्रदान करती है, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं।पीएमएफबीवाई योजना के तहत सभी उत्पाद मध्यप्रदेश सरकार के कृषि विभाग द्वारा अनुमोदित हैं।ऊपर सूचीबद्ध कोर के लिए पीएमएफबीवाई योजना के तहत बीमा कवर प्राप्त करने के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, खंडवा (पूर्वीनिमाड़), झाबुआ और खरगोन (पश्चिम निमाड़) जिलों के किसान अपने जिले के संबंधित बैंकों, सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) तक पहुंच सकते हैं या अधिकृत एचडीएफसी ईआरजीओ एजेंटों से संपर्क कर सकते हैं।बीमा कवर प्राप्त करने की वैधता अवधि का विवरण किसानों को कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।किसान फार्मर ऐप पर भी लॉगइन कर सकते हैं

जोमैटो के शेयर धड़ाम, धड़ाधड़ बेचने लगे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। जापानी टेक दिग्गज सॉफ्टबैंक जल्द ही जोमैटो के शेयरों को बेचने की संभावना है। सीएनबीसी-टीवी18 की खबर के मुताबिक ब्लिंकिट के बाद के सौदे के लिए लॉक-इन आज समाप्त हो रहा है। इस खबर के बाद जोमैटो के शेयरधारकों में बेचैनी साफ दिखने

लगी और देखते ही देखते शेयर 93.35 रुपये पर खुलने के बाद 90.45 रुपये तक आ गया। दोपहर 1:40 बजे के करीब यह स्टॉक 3.25 फीसद टूट कर 90.75 रुपये पर था। शुक्रवार को एक्सचेंजों पर जोमैटो के लगभग 51 लाख शेयर एक ब्लॉक में बदल गए, जिससे स्टॉक 3 प्रतिशत से अधिक नीचे आ गया। जोमैटो ने पिछले साल एम एंड ए के लिए कंसिडरेशन के रूप में ब्लिंकिट के सभी सेलिंग शेयरधारकों को नए इक्विटी शेयर जारी किए। जोमैटो ने छह महीने की वैधानिक लॉक-इन आवश्यकता की तुलना में इन शेयरों के लिए 12 महीने की लॉक-इन पर बातचीत की थी। इनमें से अधिकांश शेयरों का स्वामित्व केवल तीन वेंचर कैपिटल निवेशकों अर्थात् सॉफ्टबैंक, टाइगर ग्लोबल और सेक्विओआ के पास है। जेएम फाइनेंशियल के एक विश्लेषण से पता चला है कि जोमैटो के प्री-आईपीओ और पूर्व-ब्लिंकिट शेयरधारक वर्तमान में पर्याप्त मुनाफे में हैं।

पिछले 6 महीने में करीब 70 फीसद उछला

जोमैटो के शेयर पिछले 6 महीने में करीब 70 फीसद उछले हैं। 27 फरवरी को यह स्टॉक केवल 53.60 रुपये पर था। इसके बाद मार्च में 50 रुपये तक आ गया। कुछ दिन पहले 102.85 रुपये के 52 हफ्ते के हाई पर चढ़ने के बाद आज यह स्टॉक फिसल गया है। इससे पहले इस साल अब तक अपने निवेशकों को 50 फीसद से अधिक का रिटर्न दे चुका है।

पेटीएम में 2.3 करोड़ शेयर बेचने के मूड में चीन की कंपनी, खबर सुन झूमे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज फिनटेक फर्म पेटीएम में एंटफिन के हिस्सेदारी बेचने की खबर आ रही है। चीन के अरबपति जैक मा के अलीबाबा समूह की एंटफिन ब्लॉक डील के जरिए यह हिस्सेदारी बेचेगी। इस खबर के बाद पेटीएम के शेयर की कीमत 3 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। ट्रेडिंग के दौरान बीएसई पर पेटीएम के शेयरों में 3.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसका भाव 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 939.00 पर पहुंच गया। यह शेयर के 18 महीने का भी उच्चतम स्तर है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पेटीएम में एंटफिन 3.6 प्रतिशत शेयर या 2.3 करोड़ शेयर बेचने के मूड में है। एंटफिन की ओर से 880.10 प्रति शेयर के हिसाब से हिस्सेदारी बेची जाएगी। डील के बाद पेटीएम में एंटफिन की हिस्सेदारी घटकर 9.9 प्रतिशत रह जाएगी। एंटफिन ने इस महीने की शुरुआत में रेजिलिएंट को 10.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। यह एक विदेशी इकाई है, जिसका 100 प्रतिशत स्वामित्व पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा के पास है। इस डील के बाद विजय शेखर शर्मा की कंपनी में हिस्सेदारी 19.42 प्रतिशत हो गई है।

इस बीच, अधिक फ्री फ्लोट और अधिक वेटेज के कारण पेटीएम शेयरों को एमएससीआइ इंडेक्स में शामिल किया जा सकता है। नुवामा अल्टरनेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च द्वारा विश्लेषण में इसके संकेत मिल रहे हैं। बता दें कि पेटीएम का आईपीओ साल 2021 में आया था। यह आईपीओ फ्लॉप साबित हुआ और शेयरों में बड़ी गिरावट आई। हालांकि, पेटीएम के शेयर इस साल अब तक 73 प्रतिशत से ज्यादा उछल चुके हैं।

कॉमन एडमिशन टेस्ट 2023 के लिए 13 सितंबर 2023 तक कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

लखनऊ, एजेंसी। कॉमन एडमिशन टेस्ट 2023 (कैट 2023) का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ द्वारा किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन पूरा करने की अंतिम तिथि 13 सितंबर 2023 (बुधवार) शाम 5:00 बजे है। आवेदकों से अनुरोध है कि वे बिना परेशानी के रजिस्ट्रेशन करने और अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए पहले से ही रजिस्ट्रेशन करा लें। परीक्षा 26 नवंबर, 2023 (रविवार) को तीन सेशन में आयोजित होने वाली है। नए रजिस्ट्रेशन के लिए, उम्मीदवारों को लिंक ओपन करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को को पूरा करना होगा। कैट 2023 लगभग 155 शहरों में आयोजित किया जाएगा, जिससे उम्मीदवारों को अपने परीक्षा केंद्र के लिए छह पसंदीदा शहरों का चयन करने का विकल्प मिलेगा। कैट सेंटर यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि उम्मीदवारों को उनके पसंदीदा विकल्पों में से एक प्राप्त हो, लेकिन यदि किसी विशेष क्षेत्र में ज्यादा डिमांड देखी जाती है, तो ऑर्गनाइजिंग बॉडी किसी भी पसंदीदा विकल्प के पास सेंटर आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

रियलमी ने अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो में रियलमी 11 सीरीज 5जी लॉन्च की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज अपनी हीरो नंबर सीरीज और एआईओटी सेगमेंट में चार अत्याधुनिक उत्पादों रियलमी 11 5जी, रियलमी 11एक्स 5जी, रियलमी बड्स एयर 5 और रियलमी बड्स एयर 5 प्रो के लॉन्च की घोषणा की। इन अत्याधुनिक डिवाइसेज में उन्नत विशेषताओं और सहज डिजाइन का शानदार मिश्रण है, जो आपके अनुभव को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए बनायी गई हैं। लॉन्च के अवसर रियलमी के प्रवक्ता ने बताया रियलमी इनोवेशन में सबसे आगे रहता है और यूजर्स को अत्याधुनिक तकनीक व विशेषताएँ प्रदान करता है, जिनसे उन्हें शानदार यूजर अनुभव मिलता है। हम रियलमी 11 सीरीज 5जी और अपनी एआईओटी सीरीज में रियलमी बड्स एयर 5 सीरीज पेश करके बहुत उत्साहित हैं, जो इनोवेशन और उत्कृष्टता की ओर हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। ये

चार बेहतरीन उत्पाद स्मार्टफोन और एआईओटी उद्योग में नए मानक स्थापित कर देंगे। इन डिवाइसेज में लीप-फॉरवर्ड विशेषताएँ और इनोवेटिव डिजाइन है, जो आपके अनुभव को नये आयाम में ले जाएँगे। इसके अलावा अपनी 5वीं वर्षगांठ के साथ हमने अपने ब्रांड को लीप अप पर केंद्रित किया है, और अगले पांच वर्षों के लिए 'नो लीप नो लॉन्च' की उत्पाद नीति बनायी है। अगले पांच सालों में हम विश्व में युवाओं का पसंदीदा टेक्नोलॉजी ब्रांड बनने और इमेजिंग टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस, एवं औद्योगिक डिजाइन ठोस प्रगति करने पर केंद्रित रहेंगे। रियलमी के इस अभूतपूर्व सफर में साथ देने के लिए आप सबका धन्यवाद। इस साझेदारी के बारे में एआईएमआरए के संस्थापक एवं चेयरमैन, कैलाश लख्यानी ने कहा एआईएमआरए को टेक्नोलॉजी में अग्रणी, रियलमी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो ग्राहकों की जरूरतों को समझता और उन्हें पूरा करता है। रियलमी और एआईएमआरए का लक्ष्य मोबाइल रिटेल के परिवेश को मजबूत बनाना और अपने निष्ठावान ग्राहकों को सुगम अनुभव प्रदान करना है। नई लॉन्च की गई 11 5जी सीरीज बेहतरीन विशेषताओं के साथ उद्योग में नये मानक स्थापित करते हुए सर्वश्रेष्ठ 108 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा है, जो सेगमेंट के सबसे विशाल 3एक्स इन-सेंसर जूम को सपोर्ट करता है।

अब बिना इंटरनेट कर सकेंगे 500 रुपए तक का लेनदेन

आरबीआई ने लिए कई फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने इंटरनेट से वंचित या कमजोर सिग्नल वाले इलाकों में यूपीआई-लाइट वॉलेट के जरिए ऑफलाइन भुगतान की अधिकतम राशि गुरुवार को 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दी। हालांकि, किसी भुगतान मंच पर पीआइ-लाइट के जरिए अब भी कुल 2,000 रुपए की ही राशि का लेनदेन किया जा सकता है।

आरबीआई ने ऑफलाइन माध्यम से छोटी राशि वाले डिजिटल भुगतान की सीमा बढ़ाने का परिपत्र जारी करते हुए कहा, ''ऑफलाइन भुगतान लेनदेन की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया है। इंटरनेट सुविधा से वंचित मोबाइल फोनधारकों के लिए भी ऑफलाइन भुगतान की सुविधा सितंबर, 2022 में शुरू की गई थी।

एशियाई खेलों के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

लाहौर (पाकिस्तान) (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चीन के हांगझू में होने वाले 19वें एशियाई खेल के लिए पाकिस्तान शाहीन्स टीम की घोषणा कर दी है। ऑलराउंडर कासिम अकरम पाकिस्तान टीम का नेतृत्व करेंगे। आयोजन 28 सितंबर से 7 अक्टूबर तक टी20 प्रारूप में खेला जाएगा।

20 वर्षीय कासिम ने अब तक 20 प्रथम श्रेणी मैचों और 40 टी20 मैचों में भाग लिया है और 2022 में आईसीसी 19 विश्व कप में पाकिस्तान अंडर-19 की कप्तानी भी की है। 15 सदस्यीय टीम में आठ खिलाड़ी पहले ही टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पीसीबी की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी आमिर जमाल (2 टी20आई), अरशद इकबाल (एक टी20आई), आसिफ अली (21 वनडे, 55 टी20आई), हैदर अली (2 वनडे, 33 टी20आई), खुशदिल शाह (10 वनडे, 24 टी20आई), मोहम्मद हसनैन (9 वनडे, 27 टी20आई), शाहनवाज दहानी (2 वनडे, 11 टी20आई) और उस्मान कादिर (एक वनडे, 23 टी20आई) हैं।

इसके अलावा, 15 सदस्यीय टीम में 8 खिलाड़ी आमिर जमाल, अराफात मिन्हास, अरशद इकबाल, ओमैर

बिन यूसुफ, कासिम अकरम, रोहेल नजीर, शाहनवाज दहानी और सुफियान मुकीम हाल ही में टीम से जुड़े हैं। मई 2023 से पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया है। जिम्बाब्वे में टीम ने दो चार दिवसीय मैचों में जिम्बाब्वे ए को हरा दिया था, लेकिन 50 ओवर के मैचों में जिम्बाब्वे सेलेक्ट से 4-2 से हार गई। इसके बाद जुलाई में श्रीलंका में एसीसी मेन्स इमर्जिंग एशिया कप जीता जिसमें फाइनल में भारत ए को 108 रनों से हराया था। हालांकि वे इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में छह-टीम टॉप एंड टी20 सीरीज़ में उपविजेता रहे।

टूर्नामेंट के नियम के अनुसार पाकिस्तान 3 और 4 अक्टूबर को होने वाले क्वार्टर फाइनल चरण से इवेंट में शामिल होंगा। सेमीफाइनल 6 अक्टूबर को खेला जाएगा जबकि फाइनल 7 अक्टूबर को होगा। कांस्य पदक के लिए मैच भी शनिवार, 7 अक्टूबर को होगा। पाकिस्तान की पुरुष टीम ने 2010 में चीन के गुआंगज़ौ में आयोजित एशियाई खेलों में अपनी पहली और एकमात्र उपस्थिति में कांस्य पदक जीता।

पाकिस्तान शाहीन्स टीम- कासिम अकरम (कप्तान), ओमैर बिन यूसुफ (उप-कप्तान), आमिर जमाल, अराफात मिन्हास, अरशद इकबाल, आसिफ अली, हैदर अली, खुशदिल शाह, मिर्जा ताहिर बेग, मोहम्मद हसनैन, मुहम्मद अखलाक (विकेटकीपर), रोहेल नजीर, शाहनवाज दहानी, सुफियान मुकीम और उस्मान कादिर नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व - अब्दुल वाहिद बंगलजई, मेहरान मुमताज, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद इरफान खान नियाजी और मुबासिर खान प्लेयर सपोर्ट पर्सनेल - शाहिद असलम (मुख्य कोच-सह-प्रबंधक), उमर रशीद (गेंदबाजी कोच), हनीफ मलिक (बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच) और हाफिज नईम उल रसूल (फिजियोथेरेपिस्ट)।

नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचे

बुडापेस्ट (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने यहां विश्व चैम्पियनशिप भालाफेंक स्पर्धा में शुक्रवार को पहले ही प्रयास में 88.77 मीटर का थ्रो फेंककर फाइनल में प्रवेश किया और इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चोपड़ा ने कैरियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। वह क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप ए में थे।

पेरिस ओलंपिक का क्वालीफाइंग मानक 85.50 मीटर था। क्वालीफाइंग विंडो एक जुलाई से खुली है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो 89.94 मीटर है जो उन्होंने 30 जून 2022 को स्टॉकहोम डायमंड लीग में फेंका था। रविवार को होने वाले आखिरी दौर के लिए ग्रुप ए और बी से शीर्ष 12 या 83 मीटर से ऊपर थ्रो फेंकने वाले खिलाड़ी क्वालीफाई करेंगे।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन बीबीएल टीम से जुड़े, खिलाड़ी नहीं इस भूमिका में आएंगे नजर

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन नए सीजन से पहले बिग बैश लीग (बीबीएल) संगठन एडिलेड स्ट्राइकर्स में सहायक कोच के रूप में शामिल हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज और स्ट्राइकर्स कोच जेसन गिलेस्पी को लगता है कि पेन पिछले सीजन के अंत में प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने वाले खिलाड़ी फ्रैंचाइज़ी के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

गिलेस्पी ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक बयान में कहा, टिम के पास एक शानदार कोच बनने के सभी कौशल हैं। वह जो अनुभव लाएंगे वह निश्चित रूप से हमारे खिलाड़ियों को खेल के सभी पहलुओं में मदद करेगा और हमारे खेलने के तरीके में और अधिक सकारात्मक तत्व लाएगा।

पेन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं, उनके नाम पर 400 से अधिक पेशेवर मैच हैं, जो 18 साल के करियर के दौरान खेले। पेन को हाल ही में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अगले सप्ताह शुरू होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलिया ए के लिए सहायक कोच के रूप में भी घोषित किया गया है। स्ट्राइकर्स के महाप्रबंधक टिम नील्सन इस बात से उत्साहित हैं कि पेन इस गर्मी में स्ट्राइकर्स के लिए अपनी विशेषज्ञता लाएंगे।

उन्होंने कहा, टिम हमारी टीम के लिए एक बढ़िया अतिरिक्त खिलाड़ी है और इस सीजन में वह हमें कई तरह से मदद करेगा। एक प्रतिभाशाली कीपर और टेस्ट स्तर का बल्लेबाज, टिम मैदान और बल्ले दोनों में हमारे खिलाड़ियों के साथ काम करने में अमूल्य होगा। नील्सन ने कहा, सीधी प्रतिक्रिया शीर्ष स्तर की है और हम वास्तव में उनके एडिलेड तक पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं।

पेन ने अपने 35 टेस्ट मैचों में से 23 में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया, 44 बार होबार्ट हरिकेंस के पर्पल शेड में चित्रित किया। उन्होंने 1,100 से अधिक रन बनाए जिसमें 91 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। पेन ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलियाई कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इस घटना के कुछ देर बाद बल्लेबाज ने कहा कि वह अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल से ब्रेक ले रहे हैं।

रांची में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी खेलना गौरवमय होगा :सविता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि झारखंड की राजधानी रांची में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 खेलना गौरवमय अनुभव होगा। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 27 अक्टूबर से पांच नवंबर के बीच आयोजित होगी और भारत पहली बार इस टूर्नामेंट की मेज़बानी कर रहा है। भारतीय टीम की कप्तान

सविता ने टूर्नामेंट के बारे में अपना उत्साह और भारतीय धरती पर इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी के सम्मान को साझा किया। सविता ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होने के नाते मैं यह जानकर बेहद रोमांचित हूं कि महिलाओं के लिए एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी रांची में होने वाली है। उन्होंने कहा, यह घोषणा उस प्रगति और मान्यता का प्रमाण है जो महिला हॉकी ने न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में हासिल की है। इतने महत्वपूर्ण मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमें बेहद गर्व से भर देता है। टूर्नामेंट के सातवें संस्करण में जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और मेजबान भारत के भाग लेने की उम्मीद है। सविता ने कहा, रांची में हमारे घरेलू दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करना बेशक एक गौरवमय अनुभव होगा।

कार्लसन बने विश्व शतरंज कप विजेता

प्रज्ञानन्दा सबसे कम उम्र के उपविजेता, करूआना को तीसरा स्थान

बाकू , अजरबैजान (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और पाँच बार के विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन नें आखिरकार भारत के 18 वर्षीय ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्दा को विश्व कप फाइनल के टाईब्रेक में पराजित करते हुए विश्व कप जीत लिया । अन्य खेलो से इतर शतरंज में विश्व चैंपियनशिप का रास्ता विश्व कप से होकर जाता है और कार्लसन पाँच बार विश्व चैम्पियन रहे पर कभी विश्व कप नहीं जीत सके थे और अंततः उन्होने यह खिताब जीतकर शतरंज के सभी प्रतिष्ठित खिताब जीतने के मामले में भारत के विश्वनाथन आनंद की बराबरी कर ली । अब कार्लसन और आनंद अकेले ऐसे खिलाड़ी है जिन्होने विश्व चैंपियनशिप ,विश्व कप और फीडे कैंडिडैट तीनों सबसे महत्त्वपूर्ण खिताब जीते है ।

भारत के प्रज्ञानन्दा नें यह मुक़ाबला हार कर भी इतिहास बना दिया और शतरंज इतिहास के सबसे कम उम्र के विश्व कप उपविजेता बन गए है साथ ही अब उन्होने फीडे कैंडिडैट में स्थान बना लिया है और ऐसा करने वाले वह भारत के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी है । कार्लसन और प्रज्ञानन्दा के बीच दोनों क्लासिकल मैच ड्रॉ रहने से स्कोर 1-1 था और ऐसे में टाईब्रेक खेला गया । हालांकि विश्व कप में अपने शानदार खेल के चलते और कार्लसन से दो मैच ड्रॉ खेलने से विश्व रैंकिंग में प्रज्ञानन्दा को फायदा हुआ है और अब वह विश्व रैंकिंग में 9 स्थान सुधार करते हुए 2727 अंको के साथ पहली बार टॉप 20 में शामिल हो गए है ।

कहाँ हुई चूक - 25 मिनट के पहले टाईब्रेक में प्रज्ञानन्दा नें सफ़ेद मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में कर्सलन के उपर आक्रमण करने की भरपूर कोशिश की और एक समय तक वह उसमें सफल होते हुए भी नजर आ रहे थे पर 14वीं चाल में उनके घोड़े की एक गलत चाल से कार्लसन नें खेल में बराबरी हासिल कर ली और इसके बाद 40 चालों तक खेल लगभग बराबरी पर था और ऐसे में जब प्रज्ञानन्दा के पास घड़ी में 18 सेकंड बाकी थे उन्होने जीतने के लिए अपना ए फ़ाइल का प्यादा कुर्बान करने का निर्णय लिया पर यह यह गलत चाल साबित हुई और उसके बाद कार्लसन नें अपने हाथी ओरु घोड़े से सटीक चाले चलते हुए प्रज्ञानन्दा के राजा को घेरकर खेल 47 चालों में जीत लिया ।

मैं बेहद थका हुआ हूँ पर बहुत खुश हूँ , मुझे लगता है की आज अनुभव की जीत हुई, प्रज्ञानन्दा बहुत अच्छा खेले पर पर वह इस टूर्नामेंट में कई लंबे मुक़ाबले खेल कर फाइनल पहुंचा थे और ऐसे में सर्वश्रेष्ठ करना आसान नहीं था

प्रज्ञानन्दा ने कहा मैं खुश हूँ की मैं फाइनल पहुंचा , कार्लसन के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है पर उनसे विश्व कप का फाइनल खेलना बड़ी बात है , मेरे पास पहले गेम में कुछ मौके जरूर थे पर कुल मिलाकर इस विश्व कप में मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूँ और मैं अब अगले वर्ष कैंडिडैट के बारे में सोच रहा हूँ ।यूएसए के फबियानों करुआना ने तीसरे स्थान के लिए टाईब्रेक में जीत दर्ज की ।

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज की भविष्यवाणी

बटलर विश्व कप 2023 में बनाएंगे सबसे ज्यादा रन

जोहांनसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस ने जोस बटलर को आगामी विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बताया है और कहा है कि वह इंग्लैंड के कप्तान को भारतीय परिस्थितियों में खड़ा देखना चाहते हैं। बटलर इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक होंगे क्योंकि वे भारत में अपना विश्व कप खिताब बरकरार रखना चाहेंगे। विकेटकीपर ने पिछले साल इंग्लैंड को टी20 विश्व कप जिताने में बड़ी भूमिका निभाई थी और उन्हें आईपीएल के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है।

बटलर ने टी20 लीग में खेले 96 मैचों में 148.32 की शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 3223 रन बनाए हैं। 2022 सीजन आईपीएल में बटलर के लिए यादगार रहा क्योंकि उन्होंने 17 मैचों में 57.53 की औसत से 863 रन बनाए और अभियान के दौरान चार शतक भी लगाए। उनका योगदान महत्वपूर्ण था क्योंकि राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2022 के फाइनल में पहुंची, हालांकि वह गुजरात टाइटन्स से हार गए। इसके बावजूद जब भारत में एकदिवसीय प्रारूप की बात आती है तो बटलर का रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है क्योंकि उन्होंने 8 मैचों में सिर्फ 11 की औसत से 83 रन बनाए हैं। इसके बावजूद कैलिस को लगता है कि बटलर -विश्व कप में स्कोरर के रूप में सबसे आगे रहेंगे।

युगांडा के राष्ट्रपति आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी का करेंगे अनावरण

कंपाला (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष विश्व कप ट्रॉफी 26 अगस्त को युगांडा पहुंचेगी और इसका अनावरण 27 अगस्त को राष्ट्रपति योवेरी कगुटा मुसेवेनी और देश की प्रथम महिला जेनेट काटाका मुसेवेनी करेंगी। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) ने आज इसकी घोषणा की।

एसोसिएशन के संचार प्रबंधक डेनिस मुसाली ने गुरुवार को शिन्हुआ को बताया कि ट्रॉफी का आधिकारिक तौर पर अनावरण एंटेबे में स्टेट हाउस में राष्ट्रपति और प्रथम महिला द्वारा 27 अगस्त को किया जाएगा। मुसाली ने कहा, 'हम बहुत उत्साहित हैं कि युगांडा को ट्रॉफी की मेजबानी करने का अवसर मिलेगा। मुसाली ने कहा, 'यह अभूतपूर्व पल क्रिकेट के क्षेत्र में युगांडा की अविश्वसनीय प्रगति को दर्शाता है, जिसके महत्वपूर्ण परिणाम सांस्कृतिक और भौगोलिक विभाजनों पर प्रतिबिंबित होते हैं। उन्होंने हालांकि यह स्वीकार किया है कि युगांडा आगामी क्रिकेट विश्व कप में दावेदार नहीं हो सकता है। मुसाली ने देश में खेल के प्रति स्पष्ट जुनून पर जोर दिया। नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले ट्रॉफी चार दिनों तक युगांडा में रहेगी। गौरतलब है कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी की यात्रा 27 जून को शुरू हुई और इसमें कुवैत, बहरीन, मलेशिया, अमेरिका, नाइजीरिया, युगांडा, फ्रांस, इटली और मेजबान देश भारत सहित 18 देशों का दौरा करने की योजना है।

यूएस ओपन

पहला ग्रैंड स्लैम जिसमें होगा वीडियो समीक्षा प्रणाली का उपयोग

यूएस (एजेंसी)। यूएस ओपन ने निर्णय लेने में चेयर अंपायरों की सहायता के लिए वीडियो रिव्यू (वीआर) तकनीक लागू करने वाला पहला ग्रैंड स्लैम बनकर इतिहास रच दिया है। यह प्रणाली जिसे कई एटीपी आयोजनों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी, का उपयोग 2023 यूएस ओपन टूर्नामेंट के लिए किया जाएगा। यह वीआर प्रणाली खिलाड़ियों को डबल बाउंस और फाउल शॉट्स सहित विभिन्न निर्णयों को चुनौती देने में मदद करेगी। यूएस ओपन मीडिया साइट पर दी गई जानकारी के अनुसार कई कैमरा कोणों का उपयोग करते हुए सिस्टम चेयर अंपायरों को संबंधित घटना का सटीक दृश्य प्रदान करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, वीआर अधिकारी और वीआर ऑपरेटर वीडियो को अंपायर की कुर्सी की स्क्रीन के साथ-साथ उपलब्ध होने सहित स्टेडियम स्क्रीन पर भी भेजेंगे। वीडियो की समीक्षा करने के बाद चेयर अंपायर तय करेगा कि मूल फैसले को पलट दिया जाए या नहीं। यदि साक्ष्य परिवर्तन का समर्थन करने में विफल रहता है, तो प्रारंभिक निर्णय बना रहेगा।

एटीपी हाल के दिनों में अपने फाइनल, नेक्स्ट जेन फाइनल और एटीपी कप के लिए वीआर तकनीक का उपयोग कर रहा है। पुरुषों के शासी निकाय के सूत्रों के मुताबिक, प्रतिक्रिया काफी सकारात्मक रही है। विशिष्ट महिला टूर, डब्ल्यूटीए ने अभी तक अपने टूर्नामेंटों में वीआर प्रणाली को

शामिल नहीं किया है और वर्तमान योजनाएं उस रुख में तत्काल बदलाव का सुझाव नहीं देती हैं।

यूएस ओपन के नियमों के अनुसार खिलाड़ियों और उनके कोचिंग स्टाफ को प्रति सेट तीन चुनौतियों के साथ-साथ टाईब्रेक के लिए एक अतिरिक्त चुनौती की अनुमति दी जाएगी। यह प्रणाली आर्थर ऐश स्टेडियम, लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम, ग्रैंडस्टैंड, कोर्ट 17 और कोर्ट 5 सहित कई स्थानों पर चालू होगी। टेनिस उद्योग पहले से ही निर्दिष्ट आयोजनों के लिए बॉल-ट्रैकिंग और इलेक्ट्रॉनिक लाइन-कॉलिंग तकनीकों का उपयोग करता है। वीआर प्रणाली की शुरूआत का उद्देश्य मानवीय त्रुटि की संभावना को और कम करना होगा।

यूएस ओपन ने यह भी घोषणा की कि वीआर प्रणाली खिलाड़ी के व्यवहार की निगरानी करेगी। टूर्नामेंट रेफरी के पास किसी भी उल्लंघन की जांच करने की क्षमता होगी जिसके कारण आचरण नियमों के उल्लंघन के कारण खिलाड़ी को अयोग्य ठहराया जा सकता है।

पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन ब्रे वायट का 36 साल की उम्र में निधन, कहा जाता था नेक्स्ट अंडरटेकर

यूएस (एजेंसी)। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन ब्रे वायट का 36 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। चीफ कांटेंट अधिकारी पॉल 'ट्रिपल एच' लेवेस्क ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी। वायट का असली नाम विंडहैम रोटुंडा था। उन्हें फरवरी में डब्ल्यूडब्ल्यूई टीवी से हटा दिया गया था, और तब से वह जीवन के लिए खतरा मानी जाने वाली बीमारी के कारण रिंग से गायब थे। उनके दुखद निधन से पहले, हालिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि वह रिंग में अपनी वापसी के करीब पहुंच रहे थे। रोटुंडा के परिवार में उनकी पत्नी और पूर्व डब्ल्यूड्ब्ल्यूई रिंग घोषित जोजो ऑफरमैन हैं जिनसे उनके दो बच्चे हैं। 2012 से 2017 तक सामंथा रोटुंडा से उनकी पिछली शादी से उनके 2 बच्चे भी हैं।

ट्रिपल एच ने ट्विटर पर लिखा, अभी डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर माइक रोटुंडा से फोन आया, जिन्होंने हमें दुखद खबर दी कि हमारे डब्ल्यूडब्ल्यूई परिवार के सदस्य विंडहैम रोटुंडा जिन्हें ब्रे वायट के नाम से भी जाना जाता है, का आज अप्रत्याशित रूप से निधन हो गया। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं और हम चाहते हैं कि इस समय हर कोई उनकी निजता का सम्मान करे। रोटुंडा ने अपनी विकासात्मक प्रतिभा के तहत 2009 में कंपनी के साथ अनुबंध किया और 2010 में रिंग नाम हस्की हैरिस के तहत द नेक्सस के हिस्से के रूप में मुख्य रोस्टर में जगह बनाई। हालांकि 2014 तक ऐसा नहीं था कि वायट का करियर वास्तव में आगे बढ़ा क्योंकि उन्होंने ल्यूक हार्पर और एरिक रोवन के साथ द वायट फैमिली की शुरुआत की। 2021 में कंपनी से रिलीज होने से पहले उन्होंने द फीन्ड के नाम से जाने जाने वाले एक गहरे परिवर्तन-अहंकार को पेश किया था, जिसमें वह ब्रे वायट के चरित्र को और अधिक परतें जोड़कर आगे बढ़ाएंगे। इस दौरान रोटुंडा दो बार केडब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन बने और रैंडी ऑर्टन, जॉन सीना और द अंडरटेकर जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ उल्लेखनीय रेसलमेनिया मैच खेले। द व्याट परिवार के रूप में रोटुंडा की शुरुआत ने उन्हें तुरंत प्रशंसकों के बीच आकर्षित कर लिया। नौटंकीकर्ता को नेक्स्ट अंडरटेकर माना जाता था क्योंकि उसका काला और विकृत व्यक्तित्व ताजी हवा का झोंका था। लाइटें बंद हो जाती थीं और वह लालटेन थामे और कर्णप्रिय संगीत के साथ मैदान में प्रवेश करते थे।

भारत के लिए भी चिंताजनक है चीन की आर्थिक कमजोरी, मेक इन इंडिया कार्यक्रम पर देना होगा जोर

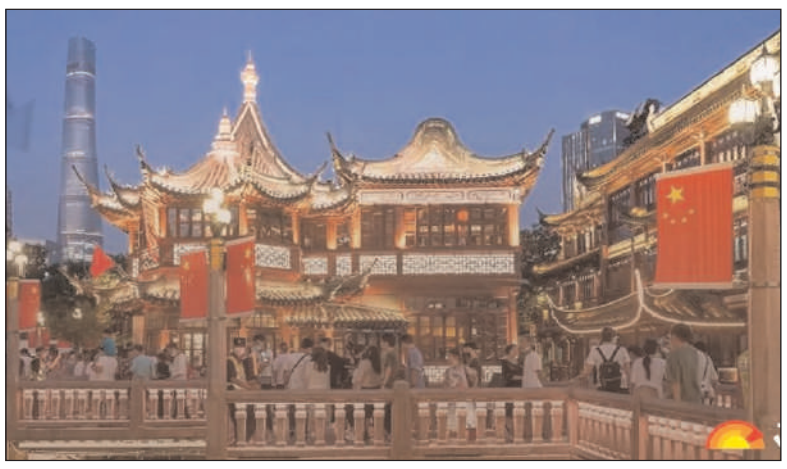

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाल के दिनों में चीन की इकोनॉमी में कमजोरी आने को लेकर कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की रिपोर्टें सामने आई है। कुछ एजेंसियो ने तो यहां तक कहा है कि पिछले चार दशक से विकास की जिस राह पर चीन आगे बढ़ रहा था अब उसके अवसान का समय आ गया है।

वजहें कई बताई जा रही हैं जैसे चीन की क्रियाशील कामगारों की आबादी का कम होना, जरूरत से ज्यादा रीयल एस्टेट में निवेश का होना जिसको बना कर रखना अब मुश्किल है, वैश्विक स्तर पर चीन के खिलाफ एक माहौल का बनना आदि। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि चीन की इकोनॉमी में गिरावट का भारत पर कोई असर होगा या नहीं। चीन भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि चौथा सबसे बड़ा आयातक है। दोनो देशों का द्विपक्षीय कारोबार वर्ष 2022-23 में 115 अरब डॉलर का रहा था। जानकारों का मानना है कि चीन की मौजूदा स्थिति भारतीय इकोनॉमी के लिए चुनौतियां पैदा करेंगी तो साथ ही कुछ संभावनाओं के द्वार भी खोलेगी। भारत के नीति निर्धारकों को पूरे हालात पर नजर रखना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर शोध करने वाली एजेंसी जीटीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन उत्पादों की आपूर्ति के लिए भारत चीन से आयात पर सबसे ज्यादा निर्भर है उसको लेकर ज्यादा चुनौती पैदा सकती है। भारत चीन से 49 अरब डॉलर का पूंजीगत सामान व मशीनरी का निर्यात पिछले वर्ष किया है। इसमें क्रेन्स, पंप्स, आईसी इंजन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है। चीन से इनका आयात प्रभावित होने पर काफी मुश्किल पैदा हो सकती है। ऐसे में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत औद्योगिक उत्पादन को लेकर आत्मनिर्भर बनने की प्रक्रिया और तेज होनी चाहिए। इसी तरह से 37 फीसद आयात हम चीन से इंटरमीडियरी उत्पादों का करते हैं। इसमें ऑर्गेनिक केमिक्लस, प्लास्टिक के कच्चे माल, दवाइयों के कच्चे माल, यार्न और फैब्रिक्स, लौह-अयस्क उत्पाद, कागज, पेंट, कृषि रसायन जैसे उत्पाद हैं। भारत इनका आयात करता है फिर इनसे तैयार उत्पाद करके उनका उपभोग करता है या फिर निर्यात करता है। जाहिर है कि चीन स्थित इन उद्योगों पर पड़ने वाले असर से भारत के प्रभावित होने का खतरा है। कुछ जानकार बता रहे हैं कि कोरोना के बाद जिस तरह से कई देश चीनी आयात पर अपनी निर्भरता खत्म करने के लिए प्रयासरत हैं, उसकी गति और तेज हो सकती है। इन देशों व कंपनियों के लिए भारत आपूर्ति के लिए या निवेश के लिए एक बेहतर विकल्प के तौर पर और मजबूत हो कर स्थापित होगा। यह भारत के लिए अवसर है जिसका फायदा उठाने के लिए सरकार को नीतिगत मदद देनी चाहिए।

वैसे चीन, भारत के लिए चौथा सबसे बड़ा आयातक भी है। अमेरिका, यूएई व नीदरलैंड के बाद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत ने चीन को सबसे ज्यादा 15.3 अरब डॉलर का निर्यात किया है। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में चीन की हिस्सेदारी भारतीय निर्यात में 4.4 फीसद से घट कर 3.4 फीसद हो गया है। वर्ष 2022-23 में दोनो देशों का व्यापार घाटा 82 अरब डॉलर चीन के पक्ष में रहा है।

डीटीसी मार्शल योजना: अवमानना याचिका पर दिल्ली के मुख्य सचिव, वित्त सचिव को उच्च न्यायालय का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अदालत के पहले के नियमों का कथित रूप से उल्लंघन करने के लिए वकील और सामाजिक कार्यकर्ता अमित साहनी द्वारा दायर अवमानना याचिका पर दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और वित्त सचिव को नोटिस जारी किया है। यह मामला राजधानी में बस मार्शलों की तैनाती और वेतन भुगतान में देरी के आदेश का पालन न करने को लेकर दायर किया गया।

न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और वित्त सचिव को अवमानना याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। पीठ ने कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। पीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 4 सितंबर के लिए सूचीबद्ध किया है।

अवमानना याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता अमित साहनी ने पहले एक जनहित याचिका उच्च न्यायालय में दायर की थी। जिसमें याचिकाकर्ता को वर्तमान अवमानना याचिका दायर करने के लिए 1 मई को स्वतंत्रता दी गई थी। उच्च न्यायालय ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा था कि यदि सरकार 1 दिसंबर, 2022 को पारित अपने पहले के निर्देशों का पालन नहीं करती, तो आदेश की अवज्ञा का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिका निश्चित रूप से दायर की जा सकती है। दरअसल याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अधिकारी महिलाओं की सुरक्षा से समझौता कर रहे हैं क्योंकि सरकार द्वारा तैनात कई बसें बिना मार्शल के चल रही हैं। याचिका में कहा गया है कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार डीटीसी बसें बिना मार्शल के चल रही हैं। सरकार सीसीटीवी कैमरे लगाकर बस मार्शलों के प्रतिस्थापन को उचित ठहराने की कोशिश कर रही है।

3 दिन में कैसे भी पूरा करें काम, दिल्ली में अधूरी तैयारियां देख नाराज हुए एलजी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के उप राज्यपाल ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान जलभराव को रोकने के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। बुधवार को दिन में बारिश के बावजूद उप राज्यपाल ने आईटीपीओ, राजघाट और भैरो मार्ग पर तैयारियों की समीक्षा की। उप राज्यपाल ने हाल ही में जी20 सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक में शहर में भारी बारिश की स्थिति में आईटीपीओ, राजघाट और सम्मेलन में शामिल होने आ रहे प्रतिनिधियों के लिए तय होटल और अन्य विशेष स्थलों के आसपास जलभराव रोकने के लिए आकस्मिक योजना बनाने के निर्देश दिए थे।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा था कि कार्यक्रम के दौरान गणमान्य व्यक्तियों-प्रतिनिधियों द्वारा अपनाए जाने वाले ममार्गों पर किसी भी तरह से जलभराव नहीं हो। इस स्थिति से बचने के लिए सड़क पर जमा अतिरिक्त पानी को साफ करने के लिए ट्रैक्टर पर लगे 50 एचपी के हैवी ड्यूटी पंप लगाए गए हैं। ये पंप उन मैकेनिकल स्वीपिंग वाहनों के अतिरिक्त हैं जिसमें सड़कों के किनारे जमा कीचड़-गाद की सफाई के लिए हैवी वाटर जेट मशीनें और बंद नालियों और सीवर लाइनों को साफ करने के लिए सुपर सकर की व्यवस्था की गई है। राजनिवास के मुताबिक यह सभी वाहन 24 घंटे सेवा में उपलब्ध रहेंगे। इन पर बारह-बारह घंटे की शिफ्ट में कर्मचारियों और अधिकारियों की तैनाती रहेगी। इसके साथ ही सड़कों पर किसी भी सिविल वर्क को करने के लिए श्रमिकों और उपकरणों को ले जाने वाला एक वाहन भी मौजूद होगा। इन वाहनों और कर्मियों की समग्र निगरानी संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम को सौंपी गई है। उप राज्यपाल ने इस वर्ष जुलाई में आई बाढ़ के बाद प्रगति मैदान-भैरो मार्ग स्थित शिखर सम्मेलन के मुख्य स्थल के बीच श्रेणीबद्ध जल निकासी योजना बनाने के निर्देश दिए थे। योजना के तहत पानी को पहले एक हजार लीटर क्षमता वाले छोटे जलाशय में एकत्रित किया जाएगा। फिर इसे दो हजार लीटर क्षमता वाले जलाशयों में डाला जाएगा। जिसके बाद इसे 50 हजार लीटर की क्षमता वाले जलाशय में पहुंचाने के बाद ड्रेन नंबर 12 के जरिए यमुना में डाला जाएगा। उप राज्यपाल ने बुधवार दिन में भैरो मार्ग पर प्रगति मैदान गेट नंबर पांच से राजघाट तक पूरे रास्ते का पैदल चलकर निरीक्षण किया और बाढ़ रोकने के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुझे नहीं लगता मैं विदेश मंत्री बनूंगा, पाकिस्तान के साथ वार्ता पर मणिशंकर अय्यर....

नई दिल्ली, एजेंसी।
पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करने के सवाल पर राजनयिक से नेता बने मणिशंकर अय्यर ने कहा कि साल 2024 में आईएनडीआईए गठबंधन अगर सत्ता में आता है तो मुझे नहीं लगता है कि मैं विदेश मंत्री बनूंगा। उन्होंने आगे कहा कि इस बारे में आपको आईएनडीआईए गठबंधन के होने वाले प्रधानमंत्री से पूछनी चाहिए।

मालूम हो कि पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत करते हुए मणिशंकर अय्यर ने हाल ही में कहा था कि भारत तब तक दुनिया में अपना उचित स्थान नहीं ले पाएगा, जब तक उसका पश्चिमी पड़ोसी हमारे जी का जंजाल बना रहेगा। पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि गठबंधन की सरकार में वह विदेश मंत्री बन पाएंगे। उन्होंने कहा, च्मैं नहीं जानता क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं विदेश मंत्री बनूंगा...इस बारे में भारतीय गठबंधन के प्रधानमंत्री से पूछें...मैं हमेशा बातचीत के पक्ष में रहा हूं...राहुल गांधी मुझसे बहुत मिलते हैं। वहीं, नरसिम्हा राव पर अपनी कथित टिप्पणी पर सफाई देते हुए कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा मैंने इसे नहीं लिखा है, मैंने इसे कल कहा था...मैंने इसे अपनी एक अलग किताब में लिखा है। जो मैंने कल कहा था कि वह हमारे नहीं बल्कि भाजपा के पहले प्रधानमंत्री थे, वह मैंने वर्षों पहले लिखा था। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप आज इसे क्यों दोहरा रहे हैं। मैंने जो कहा मैं उस पर अडिग हूं।

एयरपोर्ट की एक हवाईपट्टी तीन महीने तक रहेगी बंद; विमानों की आवाजाही पर असर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट की एक हवाई पट्टी तीन महीनों तक बंद रहेगी। जानकारी के मुताबिक, मरम्मत कार्यों के लिए 11 सितंबर से हवाईपट्टी को बंद रखा जाएगा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुल चार हवाईपट्टी और तीन टर्मिनल हैं। यहां से रोजाना करीब दो लाख यात्री आवागमन करते हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने गुरुवार को एक सूचना में कहा कि इस हवाई अड्डे की हवाईपट्टी संख्या 10/28 मरम्मत कार्यों की वजह से 11 सितंबर से लेकर 15 दिसंबर तक अस्थायी रूप से बंद रहेगी। मरम्मत की वजह से इस हवाईपट्टी पर परिचालन बंद रहने से इसे नए टैक्सीवे से जोड़ने का निर्माण कार्य इस दौरान पूरा किया जाएगा। पिछले महीने दिल्ली हवाई अड्डे पर ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवे की शुरुआत की गई थी। इसके अलावा चौथी हवाईपट्टी भी 14 जुलाई को ही शुरू की गई थी।

हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बची दिल्ली से देहरादून जाने वाली वंदे भारत ट्रैन

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के आनंद विहार से देहारदून जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन गाजियाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो से बच गई। ट्रेन के आगे ट्रैक पर एक पशु आ गया। जिसके बाद ट्रेन को बीच रास्ते में रोका गया। हालांकि इस घटना के यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिदग्रस्त होना बताया गया है। गुरूवार को शाम 5ः50 बजे ट्रेन आनंदविहार से रवाना हुई। करीब सवा छह बजे गाजियाबाद स्टेशन पार करने के बाद जब ट्रेन मेरठ रुट की ओर गई तो नासिरपुर फाटक के पास ट्रेन के सामने एक पशु आ गया। टक्कर लगने के बाद पशु काफी दूर जा गिरा। इस टक्कर का आभास होते ही ड्राइवर के ट्रेन को रोक दिया। उसके बाद ट्रेन में मौजूद टैक्निकल स्टाफ ने ट्रेन की जांच की। ट्रेन के आगे फंसे पशु के अवशेषों को हटाया गया।

इस घटना में किसी यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन ट्रेन के आगे का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इस वजह से ट्रेन करीब 15 मिनट तक ट्रैक के बीच खड़ी रही। सब कुछ सामान्य होने पर ट्रेन के टैक्निकल स्टॉफ ने ट्रेन को आगे बढाने की इजाजत दी गई। बतां दे कि इससे पहले भी ट्रेन पिछले माह मोदीनगर के पास पशु के ट्रैक पर आने से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

यहां पूर्व फौजी संभाल रहे स्पेस एजेंसी, कैसे मिलेगी चंद्रयान जैसी सफलता

पाक मीडिया की नसीहत

इस्लामाबाद , एजेंसी।
भारत के चंद्रयान-3 मिशन की कामयाबी के दुनिया भर में चर्चे हैं। यहां तक कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से भी भारत को बधाई संदेश भेजे गए हैं। यही नहीं पाकिस्तान के मीडिया ने तो भारत की इस उपलब्धि से अपने देश को सीखने की सलाह दी है। पाकिस्तान के शीर्ष अखबार डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा है कि भारत की यह कामयाबी ऐतिहासिक है। वह दुनिया का ऐसा पहला देश बना है, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की है। इसके अलावा चांद पर जाने वाले देशों में भी भारत ने चौथा स्थान पा लिया है। उससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ही ऐसा कारनामा कर पाए हैं। डॉन ने लिखा है कि यह आधुनिका भारत के लिए बड़ी सफलता है, जिसने दुनिया के अमीर देशों के मुकाबले कहीं कम खर्च में यह उपलब्धि पा ली है। एक दशक पहले ही

भारतीयों ने मंगलयान मिशन भी लॉन्च किया था और 2019 में चंद्रयान-2 भी भेजा था, जो मामूली अंतर से चूक गया था। अब उन्होंने फिर प्रयास किया तो कामयाबी के झंडे गाड़ दिए। पाकिस्तानी अखबार ने लिखा है कि यह भारत के इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की गुणवत्ता को दिखाता है। इसके अलावा सरकार ने भी सपोर्ट किया। यही नहीं अखबार ने भारत की सफलता से पाकिस्तान को सबक लेने की भी नसीहत दी है।

तीन दशक से हमें कोई सफलता नहीं मिली, भारत से पहले की थी शुरुआत: अखबार ने लिखा है कि पाकिस्तान के स्पेस प्रोग्राम की शुरुआत भारत से पहले ही हुई थी और कुछ शुरुआती सफलता भी मिली थी। हमने 1960 के शुरुआती दशक में रॉकेट लॉन्च किया था, जिसका श्रेय अब्दुस सलाम को जाता है। हमने 1990 में बद्र-1 सैटेलाइट स्पेस में लॉन्च किया था। इसमें हमें अमेरिका की मदद मिली थी। हालांकि तब से अब तक तीन दशक से ज्यादा बीत चुके हैं, लेकिन कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली है। अखबार ने पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी सुपरको में भी सुधार की वकालत की और कहा कि इसके बिना कुछ हासिल होना संभव नहीं है। संपादकीय में अखबार ने लिखा कि हमारे स्पेस प्रोग्राम जमीन पर ही रह जाने की वजह है कि स्पेस एजेंसी कमान पूर्व सैनिक संभाल रहे हैं।

एक्सपर्ट्स के हाथ में यहां कुछ भी नहीं है। इसके अलावा हमारे यहां साइंस की पढ़ाई कमजोर है। प्रतिभाएं तैयार नहीं हो रही हैं और जो तैयार भी होती हैं, वे पलायन कर जाती हैं। दुख की बात है कि साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी के उत्पादक नहीं बल्कि ग्राहक भर बनकर रह गए हैं। हमने अपने सबसे काबिल लोगों को पलायन के जरिए खोया है। इसकी वजह भ्रष्ट नौकरशाही है, जिससे लोगों को अपने ही देश में मौके नहीं मिलते। हमें भारत से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

नासा का टेम्पो मिशन, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने शेयर की अमेरिकी प्रदूषण-निगरानी उपकरण से पहली तस्वीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इस साल की शुरुआत में अंतरिक्ष में लॉन्च किए गए अपने नए प्रदूषण-निगरानी उपकरण से पहला डेटा मैप जारी किया है। भूमध्य रेखा से 22,000 मील ऊपर अपनी ऑर्बिट से, नासा का टेम्पो, या ट्रोपोस्फेरिक उत्सर्जन-प्रदूषण की निगरानी, पहला अंतरिक्ष-आधारित उपकरण है जिसे कुछ वर्ग मील के रिजॉल्यूशन के साथ उत्तरी अमेरिका के ऊपर हवा की गुणवत्ता को लगातार मापने के लिए डिजाइन किया गया है। अप्रैल में स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर मैक्सार इंटेलसैट 40ई सैटेलाइट पर लॉन्च किया गया। नासा का टैम्पो उत्तरी अमेरिका में अटलांटिक महासागर से प्रशांत तट तक और मैक्सिको सिटी से लेकर मध्य कनाडा तक निचले वायुमंडल का प्रति घंटा स्कैन करता है। प्राथमिक उपकरण एक एडवांस स्पेक्ट्रोमीटर है जो सामान्य रूप से परावर्तित सूर्य के प्रकाश के भीतर छिपे प्रदूषण का पता लगाता है। पहले प्रदूषण मानचित्र उत्तरी अमेरिका के शहरों और प्रमुख परिवहन धमनियों के आसपास प्रदूषण से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड गैस की सांद्रता दर्शाते हैं। पहला डेटा 31 जुलाई से 2 अगस्त तक रहा है। एसएओ के वरिष्ठ भौतिक विज्ञानी और टेम्पो के प्रमुख अन्वेषक केली चांस ने एक बयान में कहा, टेम्पो ने उत्तरी अमेरिका में प्रति घंटे वायु प्रदूषण को मापना शुरू कर दिया है।

इमरान खान को अभी नहीं मिली राहत, पाक अदालत ने तोशाखाना मामले में सुनवाई 28 अगस्त तक की स्थगित

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तानी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अपील पर सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है।

5 अगस्त को इस्लामाबाद की एक ट्रायल कोर्ट ने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा दायर मामले में इमरान खान को दोषी ठहराया और तीन साल जेल की सजा सुनाई। फैसले का मतलब था कि उन्हें पांच साल के लिए आम चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया।

स्वास्थ्य कारणों से उपस्थित नहीं हुए ईसीपी के वकील: आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की खंडपीठ ने शुक्रवार की सुनवाई की अध्यक्षता की। सुनवाई के दौरान, ईसीपी के वकील, एडवोकेट अमजद परवेज से अपनी दलीलें समाप्त करने की

उम्मीद थी। हालांकि, वह बेहद अस्वस्थ होने के कारण उपस्थित नहीं हो पाए। उनके टीम के एक सदस्य ने इस बात की जानकारी कोर्ट में दी, जिसके बाद आईएचसी ने सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। आईएचसी 22 अगस्त से खान की अपील पर सुनवाई कर रही है। अदालत ने गुरुवार को सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी।

बचाव दल ने पहले ही बहस पूरी कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने भी गुरुवार को आईएचसी के फैसले तक खान की याचिका पर कार्यवाही रोकने का फैसला किया। शीर्ष अदालत ने भी सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

आईएचसी 22 अगस्त से खान की अपील पर सुनवाई कर रही है, अदालत ने सुनवाई शुक्रवार स्थगित कर दी

उसने पाकिस्तान के अटॉर्नी-जनरल (एजीपी) मंसूर उस्मान अवान को 28 अगस्त तक खान की रहने की स्थिति के बारे में एक आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

तोशाखाना मामला 2022 में ईसीपी में सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों द्वारा दायर किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इमरान खान ने राज्य उपहारों की बिक्री से प्राप्त आय को छुपाया था। ईसीपी ने पहले उन्हें अयोग्य ठहराया और फिर एक सत्र अदालत में आपराधिक कार्यवाही का मामला दायर किया, जिसने उन्हें दोषी ठहराया और बाद में, खान को जेल भेज दिया गया।

खान फिलहाल अटक जेल में हैं, जहां उन्हें दोषी ठहराए जाने के उन्हें रखा गया था। उन्हें पांच साल के लिए अयोग्य भी ठहराया गया है। मामले में आरोप लगाया गया है कि खान ने 2018 से 2022 तक प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान तोशाखाना से अपने पास रखे गए उपहारों का विवरण जानबूझकर छुपाया था। तोशाखाना नियमों के अनुसार, जिन व्यक्तियों पर ये नियम लागू होते हैं, उन्हें प्राप्त उपहार और अन्य ऐसी सामग्री की जानकारी कैबिनेट डिवीजन को देनी होती है। रिपोर्टों के अनुसार, खान को अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल के दौरान विश्व नेताओं से 140 मिलियन रुपये से अधिक के 58 उपहार मिले और उन सभी को या तो नगण्य राशि का भुगतान करके या बिना किसी भुगतान के भी अपने पास रख लिया।

अब चीन भी चांद के दक्षिणी ध्रुव पर जाने की तैयारी में, भारत से सहयोग की अपील

बीजिंग एजेंसी।
भारत के चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के बाद चीन भी यहां जाने की तैयारी कर रहा है। चीनी विशेषज्ञों ने भारत के इस अभियान की सराहना की है। साथ ही अपने अगले मिशन में सहयोग करने की भी अपील की है। दोनों सीमावर्ती देशों के बिगड़े हुए संबंधों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा है कि विज्ञान की भावना राष्ट्रीय सीमाओं से परे है। इसे एक-दूसरे के सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने संबोधन में कहा था कि, च्यह सफलता पूरी मानवता की है और इससे भविष्य में अन्य देशों के चंद्रमा मिशनों को मदद मिलेगी।

ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी विशेषज्ञों ने भी इसरो को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देश उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन में साथ-साथ काम करते हैं। दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष में गहरे सहयोग की व्यापक गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि रिसर्च और मानवयुक्त मिशन के लिए

डेटा साझा करना, अनुभव साझा करना और अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण में एक दूसरे की मदद कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशियन स्टडीज के निदेशक हू शिशेंग ने कहा, च्विज्ञान की भावना राष्ट्रीय सीमाओं को पार करती है, क्योंकि यह अंततः पूरी मानवता की भलाई और प्रगति के लिए प्रयास करती है। हम इसमें हर प्रयास की सराहना करते हैं, चाहे वह सफल हो या नहीं। चंद्रमा पर उतरना एक चुनौतीपूर्ण प्रयास है। कुछ ही दिन पहले रूस का लूना-25 यान चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे पहले सितंबर 2019 में चंद्रमा पर लैंडिंग में भारत का पहला प्रयास भी विफल रहा था। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव दुनिया भर के वैज्ञानिकों के लिए काफी हद तक अज्ञात क्षेत्र बना हुआ है। माना जाता है कि इसमें बड़ी मात्रा में बर्फ मौजूद है। भविष्य में इस इलाके में क्रू मिशनों के लिए रॉकेट ईंधन और चांद पर जीवन के लिए खनन किया जा सकता है। चीन भी इस क्षेत्र पर नजर बनाए हुए है। वह अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य डिजाइनर के अनुसार, चांगई-7 मिशन का लक्ष्य 2026 के आसपास चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129